शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, मंगलवार 24 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 07 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 166 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

क्या झारखंड में आजसू पार्टी अपनी साख बचा पाएगी?

गोपाल कृष्ण महतो

झारखंड विधानसभा चुनाव

झारखंड विधानसभा की 81 सीटों पर नवंबर या दिसंबर में चुनाव होने हैं. लिहाजा सभी राजनीतिक दल व गठबंधन चुनाव रणनीति में जुट गयी है. इंडिया और एनडीए गठबंधन के घटक दलों के शीर्ष नेता सीट शेयरिंग को लेकर मंथन कर रहे हैं. झारखंड में एनडीए के घटक दल आजसू (ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन) है. 2019 के चुनाव में आजसू ने अकेले 53 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन केवल 2 सीटें ही जीत पाई. सिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से सुदेश महतो ने और गोमिया निर्वाचन क्षेत्र से लंबोदर महतो ने चुनाव जीता. बाद में हुए रामगढ़ उपचुनाव में आजसू को जीत मिली और सीटें बढ़ कर तीन हो गईं.

2014 का विधानसभा चुनाव आजसू और बीजेपी ने साथ मिल कर लड़ा था, उसका फ़ायदा उन्हे मिला. भाजपा ने 37 और आजसु पार्टी ने पांच सीटें जीतीं. गठबंधन ने कुल 42 सीटें जीतकर सरकार बनाया. वोट शेयर की बात करें तो आजसू को 2019 में 8.10% वोट मिले थे और दो सीट पर जीत हुई थी. वोट प्रतिशत के हिसाब से साल 2014 के तुलना में 4.42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. लेकिन साल 2014 के चुनाव में आजसू आठ सीटों पर लड़कर पांच सीटों पर कामयाब हुई थी. आजसू जिन जगहों में अच्छी पकड़ रखती है, उनमें रामगढ़, गोमिया, जुगसुलाई, मांडु, बड़कागांव, टुंडी, सिंदरी, सिल्ली, तमाड़, लोहरदगा, चंदनक्यारी शामिल हैं. माना जाता रहा है की आजसू पार्टी की पकड़ कुड़मी बहुल इलाके में मजबूत है. लेकिन अब भी इन सीटों पर आजसू के लिए राह आसान है? शायद नहीं. बीते एक-दो साल से कुड़मी को एसटी में शामिल करने, झारखंड में 1932 खतियान आधारित मुद्दे, बाहरी भीतरी का मुद्दा गरमाया हुआ है. हाल ही में बनी पार्टी जेएलकेएम (झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा) आजसू के गढ़ माने जाने वाले इलाकों मे अपनी छवि बनाने में जुटी हुई है. आजसू के लिए ये मुश्किल है इन सारी सीटों पर बेहतर प्रदर्शन करना. तमाम अटकलें लगायी जा रही हैं कि आजसू पार्टी को छह से लेकर आठ सीट मिल सकती है. एनडीए गठबंधन में रहते हुए खतियान आधारित मुद्दे, ओबीसी आरक्षण, ग्रेटर झारखंड, युवा बेरोजगारी और अन्य मुद्दों को आजसू उठाती है. 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में आजसू को 4.3 प्रतिशत वोट के साथ एक सीट पर जीत तो हुई, पर आजसु के पकड़ वाले एरिया में जेएलकेएम पार्टी का उभार हुआ. हालांकि उस समय समिति के लोग इंडिपेंडेंट तौर पर खड़ा हुए थे. पहली बार बैनर तले चुनाव लड़ते हुए, जेएलकेएम के जयराम कुमार महतो ने आठ लोकसभा क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारे और 8.2 लाख से अधिक वोट हासिल किए. उन्होंने गिरिडीह के अलावा धनबाद, चतरा, हज़ारीबाग, दुमका, रांची, सिंहभूम और कोडरमा लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे. पांच अन्य सीटें जहां जेबीकेएसएस (अब जेलकेएम) उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहे, वे हैं रांची में देवेन्द्र नाथ महतो. देवेंद्रनाथ महतो 1,32,647 वोटों के साथ, हज़ारीबाग में संजय कुमार मेहता 1,57,977 वोटों के साथ, धनबाद में मोहम्मद एकलाक अंसारी 79,653 वोटों के साथ, सिंहभूम में दामोदर सिंह हांसदा कोडरमा में 44,292 वोट और मनोज कुमार को 28,612 वोट मिले. इसी तरह, दुमका लोकसभा सीट पर बेबीलता टुडू 19,360 वोटों के साथ चौथे स्थान पर रहीं, जबकि चतरा सीट पर दीपक कुमार 12,565 वोटों के साथ सातवें स्थान पर रहे. इन अटकलों के बीच आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो लगातार अमित शाह से मिलने दिल्ली दौरा कर रहे. बीजेपी ने झारखंड चुनाव का जिम्मा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को सौंपा है. आजसु सुप्रिमो दोनों प्रभारियों से मिलकर सीट बंटवारे को लेकर पेंच भिड़ा रही है. 2024 के चुनाव में भाजपा-आजसू 2019 के गलती को दोहराना नही चाहती. एनडीए की राह इस बार आसान नही होगी. हालांकि चुनावी माहौल में कई दिग्गज भूमिका निभा रहें हैं.

(**नोटः** लेखक झारखंड के रहने वाले व हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के छात्र हैं और राज्य की राजनीतिक गतिविधियों पर पैनी नजर रखते हैं.)

मिया-बीवी और भईया ऊर्फ मउसा जी ...
मोके ही चाही, दूसर मन से मतलब नखे

संजय सिंह

इन दिनों राजनीति में वंशवाद पर खूबे धमाचौकड़ी मचल रहता है. देश की एगो बड़की पार्टिया के नेताजी लोगन दूसरकी बड़की पार्टिया पर के दिग्गज नेता जी लोगन पर वंशवाद को बढ़ावा देवे का आरोप लगाईते हुए छींटाकशी कईले रहते हैं. छोटकी पार्टी, क्षेत्रीय पार्टी को भी मिया-बीबी, भाई-भौजाई की पार्टी बताईले कटाक्ष करे से तनिको परहेज न करते हैं. लेकिन अपन और सहयोगी पार्टिया में तेहतर गो छेदवा ई लोग के नजरे न आता है. बड़की पार्टिया की एगो सहयोगी क्षेत्रीय पार्टी भी है. चुनाउवा के मौका पर थोक के भाव में डेली मार्केटवा से केरवा के घवद लेले मौहाल बनावइत रहती है. लेकिन ईहो पार्टिया में मिया-बीवी और भईया जी के साथे साथ मुउसा-भतीजा वाली तिकड़िया-चौकड़िया खूबे रंग जमाईले रहती है. जईसे ही चुनाव आता है, ई लोग गांवे-गांवे देर रात तक मौहाल बनावे ला छिछिआईल रहता है. अब ई तिकड़िया में से एगो भईया जी हैं, केरवा प्रमुख जी के मउसा जी के नाम से फेमस हैं...हईयो हैं, लेकिन ऊ मलिकान जी किस्मतवा पता न काहें, केने जाके घुरमुरियाई के सुत गईल है, कहल नहीं जा सकता है. केरवा ब्रांडवाली पार्टिया के ई तीनों नेता-नेताईन मैडम सहिते इहे फेरा में रहते हैं कि पहिले अपना ढींढ़वा भर लीहल जाए, फिर दूसर नेता लोगन के बारे में सोचल जाएगा. साफे-साफे कहते हैं कि मोके ही चाही, दूसर मन से मौके मतलब नखे. वईसे भी ई नेताजी लोगन पीसा फेंको तमाशा दिखो गेम प्लान करके वोटवा के ठगी करे में ओस्ताद हैं. लेकतिन मउसा से लागतार फेले हो जा रहे हैं. पार्टिया के जे प्रमुख महोदय जी हैं, ऊ तो बड़िए मीठा बोलते बतियाते हैं. लेकिन मजाल न कि तिकड़िया के कुछ बोल सकें. आखिर ऊ में से तो एगो मउसा जी भी तो ही हैं. ई तीनों लोग के अपना टिकटवा कंफर्म चाही, बाकी और केकरा के देवे ला है, एकरा से ई लोग के कोई मतलबे न हैं. तीनों कहते हैं- टिकटाव मोके ही चाही, हमके दूसर मन से कोइयो मतलब नखे. अब रउरे मन ही देखू न... ई मउसाजी मन एगो खूबे बड़कावाला गांव से तीन-तीन दफा चुनावी रण में कूद पड़िन. मिया-बीवी और केरवा प्रमुख ने ढेरे जोर लगाईस, लेकिन मउसा मने हिसन पटकालख कि पूछ मत. अब फिरो से चुनाव सामने आईए गेलक तो केरवा ब्रांड पार्टी मन से ढेरे नेताजी मन लोगन के टिकट चाही. लेकिन बड़की वाली पार्टिया के नेताजी लोगन को ई बात हजमे न रहल है कि तीन-तीन दफा पटकाएवाले सहयोगी पार्टी के नेताजी को आखिर किस आधार पर टिकट दिया और दिलाया जाए. ईहां तो जबरदस्ते पेंचवा फसल है. बड़की पार्टी के बड़का-बड़का नेताजी लोगन ई बड़ाका वाला गांव के कोइयो कीमत पर मउसा जी के देवे के तैयार न है. बड़की पार्टिया वाला नेताजी लोग कह रहिस है कि भाई दूसर सीट देख लो, ईहां न सकोगे. तीन-तीन बेर सीटवा के लूज मोशन हो गईस है, अब तो बख्श दो. लेकिन मउसा जी के न जाने काहे ईहे सीटवा से ढेरे पियार हो गईस है. ई सीटवा देने कोईला क्षेत्र भी है, शायद करिया-करिया कोइलवा में से चमकेवाला हीरवा ते तनिका ज्यादा मोह गईस है. इसलिए मउसा जी कहियो रहिन हैं कि ऊ तो हर हाल में ई सीटवा से लड़बे करेंगे. चाहे पार्टियावाले बड़का-बड़का नेताजी केतनो जोर लगा लें, ई सीटवा को केरवा ब्रांड का परंपरागत सीट बतावे में तनिको संकोच न कर रहिन हैं. मतलब साफे-साफ है मिया-बीवी और भईया ऊर्फ मउसा जी का. मउसा जी तीन-तीन बेर ई सीटवा से लड़ाई लड़ चुके हैं, तीनों बेर प्रतिद्वंद्वी से पिटा के मुंह-नाक फोरवावे के बाद भी इंहे से चुनाव लड़े ला लकलकाईल हैं. मउसा जी के पूरा भरोसा है कि बड़की पार्टिया के बइसाखी के सहारे अबकी बेड़ा पारे लगाईए लेंगे. बाकी तो गेटिंग-सेंटिंग ला छोटकी बहू, भाई और भतीजवा तो हईए है. ई केरवा ब्रांड में मिया-बीवी, भईया यानी मउसा जी तो ढेरे दिन से राजनीति चमकाईले हैं. एगो महोदय) मिया जी) सांसद तो बनिए गिये, लेकिन उनको ऊहां मन न लग रहिस है. चाहत तो राज्य के राजनीति में ही सक्रिय रूप से सक्रिय रहे के हैं, लेकिन बेचारे करें तो करें का. सत्ता सुख भोगेवाला बेमारिया इनको भी लगे है. ई लोग तो सत्ता सुख लगी अईसन-अईसन खेला कीहिस है कि पूछिए मत. मेन केरवा कारोबारी यानी प्रमुख महोदय जी तो खुद सत्ता से दूर रहे का नाटक कईले यूपीए फोल्डर में तो नहीं गिये थे, लेकिन सत्ता सुख भोगे लगी छोटका मउसा जी के भेज दीहिन थे. झुठकौली वाला शो-कॉज के खेला कईले थे. ई लोग सोच रहीस था कि जनता-जनार्दन के अंखिया में धूल झोंक लेंगे, लेकिन जनता तो जनता है. इनका तिकड़मवा से वाकिफ थी. तो बेचारे प्रमुख लजवन पचावे लगी शो-कॉज नाटकवा का मंचन कईले थे. अब देखिए ई लोग बड़की पार्टिया से केतना सीटवा फरियाता है, मने केतना लगी मेल ब्लैक करे में सक्सेसफुल हो पाता है, या फिर बिगाईए जाता है, जइसन पिछलका दफा हुईस था.

चुनावी चकल्लस

झारखंड विस नियुक्ति घोटाला की जांच करेगी सीबीआई, हाईकोर्ट ने दिया आदेश

विधि संवाददाता । रांची

झारखंड विधानसभा में हुई अवैध नियुक्ति की जांच की मांग के लिए दाखिल जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है. सोमवार को अदालत ने इस पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया है. इस केस से जुड़े सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने 20 जून को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन और अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने अपनी बहस पूरी की. विधानसभा की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार ने बहस की. इस संबंध में शिव शंकर शर्मा ने जनहित याचिका दाखिल की थी. याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2005 से वर्ष 2007 के बीच में विधानसभा में हुई नियुक्ति में गड़बड़ी हुई है. मामले की जांच के लिए पहले जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद आयोग का गठन किया गया. आयोग ने जांच कर वर्ष 2018 में राज्यपाल को रिपोर्ट भी सौंपी थी. जिसके बाद राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष को कार्रवाई करने का निर्देश दिया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई.

दो पूर्व विधानसभा अध्यक्ष संदेह के घेरे में : उल्लेखनीय है कि विधानसभा जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद आयोग ने राज्यपाल को जो रिपोर्ट सौंपी है, वह करीब 7000 पन्नों की है. रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड विधानसभा में पद नहीं थे, फिर भी नियुक्तियां कर ली गईं. रोस्टर का पालन नहीं किया गया. नियुक्ति में पीक एंड चूज का इस्तेमाल हुआ. विधानसभा कर्मचारियों के रिश्तेदारों की नियुक्तियां की गईं. तत्कालीन विधायक अपर्णा सेनगुप्ता के भाई की भी नियुक्ति हुई. रिपोर्ट में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष इंदरसिंह नामधारी और आलमगीर आलम के खिलाफ भी गंभीर आरोप हैं. दोनों स्पीकर की भूमिका संदेहास्पद बताया गया है. आयोग ने इन दोनों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की अनुशंसा की थी. रिपोर्ट में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शशांक शेखर भोक्ता को भी प्रोन्नति देने में गड़बड़ी के लिए दोषी माना गया है.

नियमावली से छेड़छाड़ : आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि राज्यपाल से स्वीकृत झारखंड विधानसभा की नियुक्ति एवं प्रोन्नति नियमावली में भी छेड़छाड़ की गई. नियमावली में कुछ शब्दों को जोड़ कर दर्जनों कर्मचारियों को प्रोन्नति दे दी गई. सभी के खिलाफ कार्रवाई की जरुरत है.

18 लोगों के रिश्तेदारों की हुई थी नियुक्ति

आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि विधानसभा में 18 ऐसे लोगों की नियुक्ति की गई है, जो किसी न किसी प्रभावशाली व्यक्ति के रिश्तेदार हैं. कोई सहायक के पद पर नियुक्त हुआ तो उनके रिश्तेदारों की अन्य पदों पर नियुक्ति हुई. रिपोर्ट के मुताबिक पलामू जिला के 12 लोगों की नियुक्तियां गलत तरीके से की गई है. जिस दिन डाक से नियुक्ति पत्र भेजा गया, उसके दूसरे दिन अभ्यर्थियों को मिल गया और सभी ने योगदान भी कर लिया.

ब्लैंक आंसरशीट पर नियुक्ति : आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक विधानसभा में चतुर्थवर्गीय कर्मियों की नियुक्ति में नियमों को नजर अंदाज किया गया. इतनी ही नहीं जिल अभ्यर्थियों ने उत्तर पुस्तिका (आंसरशीट) को खाली छोड़ दिया था, उनकी भी नियुक्ति कर ली गई. सबसे अधिक गड़बड़ी ड्राइवरों की नियुक्ति में की गई. जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं थे, उनकी भी नियुक्ति कर ली गई.

बाहरियों की भी नियुक्ति : रिपोर्ट के मुताबिक अधिकतर बिहार के अभ्यर्थियों की नियुक्ति की गई. जिनमें बेगूसराय, मुंगेर, बाढ़ आदि जिले का जिक्र भी रिपोर्ट में है. आयोग ने यह सवाल उठाया है कि जिन अभ्यर्थियों के जाति प्रमाण पर पता बिहार का है, उनकी नियुक्ति झारखंड में कैसे कर ली गई.

25 सितंबर को शपथ लेंगे झारखंड हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव

रांची । झारखंड हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस एमएस राम चंद्र राव 25 सितंबर को शपथ लेंगे. राजभवन में राज्यपाल उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाएंगे. शनिवार को राष्ट्रपति ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में हुई कॉलेजियम की बैठक में लिए गए निर्णय पर मुहर लगाते हुए जस्टिस एमएस राम चन्द्र राव को झारखंड हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किए जाने की अधिसूचना जारी कर दी है. जिसके बाद अब उनके शपथ ग्रहण कार्यक्रम की तैयारी शुरू कर दी गई है.

मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ ईसीआई की याचिका स्वीकार

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने देवघर के पूर्व डीसी मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने और उन्हें चुनावी कार्यों से अलग रखने के आदेश के खिलाफ दायर अपील याचिका स्वीकार कर ली है. इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया-ईसीआई के आदेश के खिलाफ आईएएस मंजूनाथ भजंत्री के मामले में एकल पीठ के आदेश के खिलाफ दायर अपील याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. सोमवार को हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच ने यह फैसला सुनाया है. ईसीआई की ओर से अधिवक्ता राजीव सिन्हा ने पक्ष रखा.

मंत्री इरफान अंसारी की याचिका कोर्ट ने की खारिज

रांची । कांग्रेस के जामताड़ा विधायक और मंत्री इरफान अंसारी को सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है. अदालत ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने दो जुलाई 2022 को सुनीता देवी द्वारा जाति सूचक शब्द का इस्तेमाल करने को लेकर दर्ज करवाई गई प्राथमिकी निरस्त करने की मांग की थी. समेत अन्य गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायतवाद दर्ज कराई थी. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई.

सेवा मुक्त के खिलाफ याचिका पर हुई सुनवाई

रांची। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी को होमगार्ड मुख्यालय द्वारा बिना कोई जांच पड़ताल किए सेवा मुक्त करने के खिलाफ दायर याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार को छह सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन की कोर्ट में हुई. बता दें कि इससे पहले भी राजीव कुमार तिवारी को होमगार्ड विभाग ने बिना कोई स्पष्टीकरण पूछे व बिना किसी जांच पड़ताल किए एक तरफा कार्रवाई कर सेवामुक्त कर दिया था. इस सेवामुक्ति के खिलाफ भी राजीव तिवारी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी.

सैकड़ों समर्थकों के साथ हम में शामिल हुए सुशील कुमार

अपने समर्थकों के साथ सुशील कुमार.

संवाददाता। रांची

रिपब्लिकन पार्टी आठवले के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार उर्फ डब्लू महतो सैकड़ों समर्थकों के साथ सोमवार को हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा- हम पार्टी में शामिल हो गए. वे झारखंड विधानसभा के विधायक क्लब में हम पार्टी की ओर से आयोजित मिलन समारोह में पार्टी की झारखंड इकाई में शामिल हो गये. मिलन समारोह के मौके पर हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार सरकार के मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने डब्लू महतो के पार्टी में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि झारखंड में पार्टी मजबूत हुई है. हम पार्टी में शामिल होने पर डब्लू महतो ने कहा कि केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी और हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संतोष कुमार सुमन ने राजनीति में हमेशा गरीबों, दबे कुचले, दलितों पिछड़ों की चिंता की है. हाशिये पर खड़े लोगों की पीड़ा का दर्द हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा समझती है. इसलिए ही उन्होंने हम पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है.

गृह मंत्री शाह से मिले सुदेश सीट बंटवारे की घोषणा जल्द

रांची । झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी और आजसू पार्टी के बीच सीट शेयरिंग का ऐलान नवरात्रि के दौरान हो सकता है. दोनों पार्टियों के बीच इसे लेकर चल रही बातचीत में आमतौर पर सहमति बनती दिख रही है. नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के साथ चुनाव से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के बाद सोमवार को रांची लौटे आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा, राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात पर सकारात्मक चर्चा हुई है. हम मजबूती के साथ चुनाव में उतरने को तैयार हैं. सीट शेयरिंग पर बातचीत जारी है. मुलाकात के दौरान हिमंत बिस्वा सरमा भी मौजूद रहे.

हाईकोर्ट से सांसद निशिकांत दुबे को राहत

रांची । झारखंड हाईकोर्ट ने गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ 30 सितंबर तक पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश दिया है. दरअसल देवघर स्थित परित्राण मेडिकल ट्रस्ट की सम्पति बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट द्वारा खरीदे जाने के मामले में शिवदत्त शर्मा ने निशिकांत दुबे के खिलाफ जालसाजी का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करवाई है. जिसे रद्द करने के लिए सांसद निशिकांत दुबे ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. निशिकांत दुबे की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पुलिस को उनके खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया है.

गढ़वा विस सीट 1980 के बाद 45 वर्षों से गढ़वा सीट के लिए तरस रही है कांग्रेस

मिथिलेश का जलवा या राजपरिवार लौटेगा?

समीर चक्रवर्ती। रांची

झारखंड के गढ़वा में पिछले चार बार विधानसभा चुनाव में चार अलग-अलग पार्टियों ने जीत का परचम लहराया है. ऐसे में अभी से ही इस बात की चर्चा होने लगी है कि मंत्री मिथिलेश ठाकुर की फिर से वापसी होगी या या कोई अन्य बाजी मार ले जाएगा. झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी और सीएम हेमंत सोरेन के करीबी रहे मिथिलेश ठाकुर ने 2019 के चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर सभी को चौंका दिया था. लेकिन हाल के कुछ राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण संगठन में उनपर कई सवाल उठाये जाने लगे हैं. लोकसभा चुनाव 2024 में भी मिथिलेश ठाकुर के विधानसभा क्षेत्र में इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार को बढ़त नहीं मिली थी. ऐसे में गठबंधन ही नहीं, उनकी पार्टी में भी उनकी भूमिका को लेकर सवाल उठाये जाने लगे थे. अब तो लोकसभा चुनाव में गढ़वा विस क्षेत्र में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को मिले वोट व भाजपा को मिले वोट के आधार पर भी बार-जीत का आकलन होने लगा है.

ठाकुर को इंडिया अलायंस और भाजपा में भी मिलेगी चुनौती : 2019 के विधानसभा चुनाव में मिथिलेश ठाकुर ने 23 हजार से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की थी. लेकिन इस बार मिथिलेश ठाकुर को भाजपा के अलावा इंडिया अलायंस के अंदर भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. गढ़वा सीट पर रंका राजपरिवार के सदस्य राजद के वरिष्ठ नेता गिरिनाथ सिंह चार बार जीत हासिल कर चुके हैं और इस बार वे फिर अपनी राजनीतिक जमीन वापस पाने के प्रयास में जुटे हैं. उनके पिता गोपीनाथ सिंह भी दो बार गढ़वा के विधायक रह चुके हैं और राजपरिवार का इलाके में अब भी काफी प्रभाव माना जाता है. दूसरी ओर भाजपा नेता सत्येंद्रनाथ तिवारी भी कमर कस कर तैयार है. पिछले चुनाव में उन्होंने मिथिलेश ठाकुर को कड़ी टक्कर दी थी. हालांकि चुनाव हारने के बावजूद वे लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं.

1980 के बाद से गढ़वा में कांग्रेस को नहीं मिली जीत : गढ़वा विधानसभा सीट वर्ष 1952 में अस्तित्व में आई. इस सीट पर शुरुआती काल में सर्वाधिक समय 20 वर्षों तक कांग्रेस का कब्जा रहा, लेकिन 1980 के बाद से कांग्रेस इस सीट को जीतने के लिए तरसती रह गयी. करीब 45 वर्षों से कांग्रेस को जीत का इंतजार है. वहीं 2019 में पहली बार जेएमएम ने इस सीट पर जीत हासिल की. इससे पहले लंबे समय तक गढ़वा सीट पर भाजपा और राजद का कब्जा रहा है.

1990 में सिर्फ 300 वोट से कांग्रेस हार गयी थीः 1990 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी युगल किशोर पांडेय भाजपा उम्मीदवार गोपीनाथ सिंह से करीब 300 वोटों से हारे थे, लेकिन इसके बाद कांग्रेस पार्टी दिन प्रति दिन कमजोर होती चली गयी. और अब तो बदले राजनीतिक हालात में चुनाव लड़ने की जगह गठबंधन धर्म का पालन करने तक ही कांग्रेस सिमट कर रह गयी है.

गढ़वा सीट पर आरजेडी का चार बार रहा कब्जा : गढ़वा विधानसभा सीट पर सबसे अधिक चार बार आरजेडी का कब्जा रहा. आरजेडी ने 1993 में हुए उपचुनाव में जीत हासिल करने के बाद 1995, 2000 और 2005 के विधानसभा चुनाव में लगातार जीत दर्ज की. इसके बाद झाविमो, भाजपा और जेएमएम को जीत मिली.

30 वर्षों तक गिरिनाथ सिंह के परिवार का कब्जा रहा : गढ़वा विधानसभा सीट पर करीब 30 वर्षों तक गिरिनाथ सिंह के परिवार का कब्जा रहा है. 1985 और 1990 में गिरिनाथ सिंह के पिता गोपीनाथ सिंह विजयी हुए थे, जबकि 1993 से लेकर दिसंबर 2009 तक गिरिनाथ सिंह को गढ़वा का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला. 2009 के चुनाव में झाविमो के टिकट से चुनाव लड़े सत्येंद्रनाथ तिवारी ने सीट छीनी थी. इसके बाद उन्होंने 2014 के चुनाव में बतौर भाजपा प्रत्याशी जीत हासिल की. इसके साथ ही 1990 के बाद 2009 में भाजपा को गढ़वा में जीत मिली.

2019 में मिथिलेश ठाकुर ने जेएमएम को जीत दिलाई : गढ़वा विधानसभा सीट से 2019 के चुनाव में जेएमएम प्रत्याशी मिथिलेश ठाकुर ने जीत हासिल की. इस तरह से गढ़वा सीट पर जेएमएम को पहली बार जीत मिली. इसके बाद से फिलहाल इस सीट को लेकर भाजपा और झामुमो के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई चल रही है.आरजेडी और कांग्रेस की दावेदारी इस क्षेत्र में अब कमजोर मानी जा रही है और संभावना है कि मिथिलेश ठाकुर ही 2024 के चुनाव में इंडी अलायंस के उम्मीदवार होंगे.

1952 से 1972 तक कांग्रेस का दबदबा : 1952 से लेकर 1972 तक गढ़वा विधानसभा सीट पर कांग्रेस का दबदबा रहा था.। 1952 में पहली बार कांग्रेस के राजकिशोर सिन्हा विधायक बने थे. 1957 में कांग्रेस की राजेश्वरी सरोज दास इस सीट पर विजयी हुईं. 1962 के चुनाव में लक्ष्मी प्रसाद और 1972 में अवध किशोर तिवारी ने जीत दर्ज कर कांग्रेस की यह सीट बरकरार रखी. लेकिन 1977 में जनता पार्टी की लहर में यह सीट कांग्रेस से जनता पार्टी के विनोद नारायण दीक्षित ने छीन ली. इसके बाद 1980 में कांग्रेस की पुनर्वापसी हुई और युगल किशोर पांडेय विजयी रहे.

वर्ष 2019 में गढ़वा विधानसभा चुनाव का परिणाम

उम्मीदवार का नाम	पार्टी	प्राप्त मत
मिथिलेश ठाकुर	जेएमएम	1,06,681
सत्येंद्र नाथ तिवारी	भाजपा	83,159

क्लासिफाइड

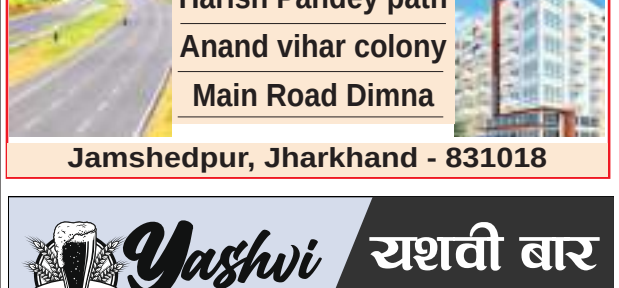

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, मंगलवार 24 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 07 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 166 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

कल्पना ने गढ़वा से भरी हुंकार, कहा-रोक सकते हो तो रोक लो

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान यात्रा का आगाज

आज पलामू के कई क्षेत्रों में होंगे कार्यक्रम

हेमंत ने बकाया मांगा, तो जेल में डाल दिया गया

कल्पना ने कहा कि झारखंड की माटी का लाल यहां की बेटियों-बहनों-माताओं को रोटी देने के लिए हमेशा से प्रतिबद्ध है. कुछ लोगों को ये सुहाता नहीं है कि हमारा झारखंड आगे बढ़े. हमारा खनिज हम भारत सरकार को देते हैं. हम अपना बकाया मांगते हैं, तो इनको तकलीफ हो जाती है. झारखंड के मुख्यमंत्री को जेल में डाल देते हैं. तो अब आप सब को सोचना है. झारखंड को अगर बचाना है, तो आपको अपने हेमंत दादा के साथ खड़े होना है. इस बार जवाब देना है. चाहे कुछ भी हो जाए, झारखंड में हेमंत की सरकार फिर बनाना है.

कौशल आनंद। रांची/गढ़वा

गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के नेतृत्व में सोमवार को गढ़वा जिले के वंशीधर नगर से झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान यात्रा का सोमवार को आगाज हो गया. यात्रा में गढ़वा के बाद रमना, मेराल में कार्यक्रम हुए. इस मौके पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर, बेबी देवी, दीपिका सिंह पांडेय आदि भी मौजूद थे. कई सभाएं हुईं.

कल्पना सोरेन ने अपने संबोधन में भाजपा को ललकारा और हुंकार भरी. कहा कि मैं जब पहली बार गढ़वा आई थी तो हेमंत जी जेल में थे. आज मैं यहां आई हूं, तब हेमंत जी आपके भाई, आपका बेटा बनकर मुख्यमंत्री बनकर हमारे सभी लोगों को मजबूती और सबको ताकत देने का काम कर रहे हैं. उनके जेल से बाहर आने के बाद तुरंत मंईयां योजना की शुरुआत हुई. विरोधी कहते हैं कि चुनाव का समय आ गया, इसलिए ये लोग योजनाएं शुरू कर दिए हैं. ऐसी योजनाएं मध्यप्रदेश, ओड़िशा, महाराष्ट्र में शुरू होती हैं, तो वो संवैधानिक हो जाती है. लेकिन जहां भाजपा की सरकार नहीं है, वहां का एक आदिवासी मुख्यमंत्री अपनी बेटी, दीदी, बहनों को मजबूत करने का काम करता है, तो वह असंवैधानिक हो जाती है. कोर्ट में पीआईएल हो जाती है. अब आपको सबक सिखाना है. उन्होंने ललकारते हुए कहा कि रोक सकते हो, तो रोक लो. ऐसे बिचौलिए सामने आएंगे जो एक तरफ से पीआईएल करेंगे और दूसरी तरफ से आपका वोट मांगेंगे. इनसे सावधान रहना है.

आपके आंसू पोंछने वाला सीएम आगे देखना है या नहीं, यह आप तय करें

कल्पना ने कहा कि चुनाव का समय निकट आ रहा है, आप थोड़ा-सा अपने हाथों को दिल पर रख कर सोचिएगा कि जिस व्यक्ति ने इस झारखंड को उसकी गरिमा लौटाने का काम किया. जिसने अपने बड़ों को पेंशन दी. जिस मुख्यमंत्री ने बच्चों को सावित्री बाई फुले योजना से जोड़ने का काम किया, आपका बिजली बिल माफ कराया, किसान भियों का कर्ज माफ किया,अबुआ आवास देने का काम किया,अपने झारखंडी बच्चों को विदेश में पढ़ने का मौका दिया, जिसने रोजगार सृजन योजना से हमारे भाइयों को जोड़ा है, उस मुख्यमंत्री को आगे देखना है कि नहीं है.

फिर हेमंत बाबू को लाएं पैसा बढ़ाएंगे : बेबी देवी

मुख्य अतिथि महिला, बाल, समाज कल्याण मंत्री बेबी ने खोरठा भाषा में अपना संक्षिप्त भाषण दिया. उन्होंने कहा कि हमलोगों ने देखा कि गरीब महिलाओं के पास अपने बच्चों के लिए पेन और पेंसिल खरीदने के भी पैसे नहीं होते थे. एक-एक रुपए के लिए तरसती थीं. तब हमारे मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना लाए. अगली बार सरकार बनी, तो यह पैसा और बढ़ेगा. आपलोग फिर से हेमंत को सरकार में लाएं.

आज और कल यहां होगी यात्रा : 24 सितंबर को गढ़वा, मझियांव, हैदरनगर, हुसैनाबाद, छतरपुर, नावा मोड़ पाटन, दलित छात्रावास से डाल्टनगंज तक. वहीं 25 सितंबर को मेदिनीनगर, सतबरवा, बकोरिया, लातेहार, चंदवा, बालूमाथ, हेरहंज और पांकी में मंईयां सम्मान यात्रा जारी रहेगी. -शेष पेज 11 पर

'ऑस्कर' में जाएगी 'लापता लेडीज'

नयी दिल्ली। किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म ''लापता लेडीज'' इस साल ऑस्कर पुरस्कारों में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी. फिल्म फेडरनेशन ऑफ इंडिया ने फिल्म को भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में ऑस्कर में भेजा है. किरण राव ने यह इच्छा जताई थी कि उनकी फिल्म को ऑस्कर में भेजा जाए. किरण राव ने कहा कि उनकी यह तमन्ना है कि फिल्म लापता लेडीज ऑस्कर की रेस में शामिल हो. और अब फिल्म फेडरेशन ने फिल्म को ऑस्कर में आधिकारिक एंट्री के रूप में भेजे जाने की पुष्टि कर दी है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	70,500
चांदी (किलो)	91,000

ब्रीफ खबरें

विस नियुक्ति घोटाले की जांच सीबीआई करेगी

रांची। झारखंड विधानसभा नियुक्ति गड़बड़ी मामले में दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने सोमवार को फैसला सुना दिया है. कोर्ट ने इस केस को सीबीआई को देने का आदेश दिया है. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यह सीबीआई को देने को लेकर उचित केस है. पूर्व में कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनवाई पूरी होने के बाद मामलों में सुरक्षित रखा था. - पूरी खबर पेज 2 पर देखें

बिहार के सभी लोग आयुष्मान से जुड़ेंगे

पटना। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने बिहार में सभी राशन कार्ड धारकों को आयुष्मान योजना से जोड़ने का ऐलान किया है. अब बिहार के लाखों राशन कार्ड धारक आयुष्मान योजना के तहत लाभ ले पाएंगे. साल 2018 में केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना शुरू की थी. इस योजना को इस महीने 6 साल पूरे हो चुके हैं. इसी के मौके पर पटना में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने योजना का शुभारंभ किया. उन्होंने योजना का आगाज करते हुए बताया कि बिहार में 58 लाख राशन कार्ड धारकों को आयुष्मान योजना के तहत जोड़ा जाएगा.

सरकार-आपके द्वार : खूंटी में गरजे सीएम हेमंत, कहा

ये लड़ाई व्यापारियों और गरीब आदिवासी के बीच

विशेष संवाददाता। रांची/खूंटी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड अंतर्गत एनएचपीसी मैदान में सोमवार को आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल हुए. सीएम ने खूंटी एवं सिमडेगा जिलों को लगभग 734 करोड़ 55 लाख रुपए की योजनाओं की सौगात दी. विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास एवं लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का किया वितरण. इस मौके पर उन्होंने भाजपा पर जम कर प्रहार किया और बड़ी घोषणाएं की.

उन्होंने कहा कि जिस दिन केंद्र से हमारा बकाया एक लाख 36 हजार करोड़ रूपए मिल गए, उसी दिन से मंईयां सम्मान योजना की राशि एक हजार से बढ़ा कर दो हजार रुपए कर देंगे. मैंने फिर केंद्र सरकार को पत्र लिखा है. हो सकता है कि यह पैसा लेने के लिए हमें लंबी लड़ाई भी लड़नी पड़ी. भाजपा वाले लोग बोलते हैं कि हम मंईयां सम्मान योजना वोट लेने के लिए लाए हैं. बेईमानों तुमने कभी गरीबों को कुछ दिया नहीं, और आज हम दे रहे हैं तो तकलीफ हो रही है. आज भी हमारे गांव के लोग छोटी-छोटी जरूरत के लिए कर्जा लेते हैं. लेकिन हम आपको यकीन दिलाते हैं कि आने वाले पांच साल में हम आपको इतना मजूबत कर देंगे कि आपको किसी के आगे हाथ फैलाने की जरूरत नहीं होगी. इसके अलावे पूर्व में घोषित अगली सरकार बनने पर सालाना एक लाख का वादा भी पूरा करेंगे.

उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि आदिवासी सीएम को हटाने के लिए एक दर्जन सीएम लगे हुए हैं. मुझे जेल में डाल दिया था ये लोग पांच महीने के लिए. मगर आप जैसी मां बहनों का आशीर्वाद जिसके ऊपर रहे, उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता. पूरे राज्य में बड़ा-बड़ा नेता आ रहा. हिंदू-मस्लिम, दलित -पिछड़ा, आदिवासी-सरना की लड़ाई लगवाने में ये लोग माहिर हो गया है. लेकिन हमारी एकता ही हमारी ताकत है. हमलोग बिरसा मुंडा के पद चिन्हों पर चलने वाले हैं. हम न कभी किसी से डरे हैं न किसी के सामने झुके हैं, न झुकेंगे. आप लोग हौंसला बुलंद रखिए. आपलोग मजबूती से खड़े रहिए. एक मुख्यमंत्री को हटाने के लिए एक दर्जन से अधिक मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री तक लगे हुए हैं. देखते हैं इन पूंजीपतियों के पास ज्यादा ताकत है या गरीब आदिवासी मुख्यमंत्री के पास.

आपकी योजना को ये लोग कानूनी पचड़े में उलझाते हैं : उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग हमारे कामों से जलने लगे हैं. तरह-तरह के झूठे आरोप लगा कर हमारे साथ चोर-पुलिस खेलने लगे. कोर्ट कचहरी करते रहे. हम आपको हक अधिकार देने का काम करते थे और ये लोग वो अधिकार कैसे आप तक नहीं पहुंचे, इसके लिए काम करते थे. ये लोग तरह-तरह का पचड़ा लगा कर काम नहीं होने देना चाहते थे. हम नौकरी देते हैं, तो कोर्ट कचहरी चले जाते हैं. मंईयां योजना चला रहे हैं, तो इसके लिए भी कोर्ट चला गया है.

उलिहातू जाते हैं, मगर आदिवासी दिवस पर पीएम शुभकामना नहीं देते : हेमंत ने सीधे पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री उलीहातू जाते हैं. भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थी जाते हैं. फर्जी मिट्टी का टीका लगाते हैं. योजना की शुरुआत करते हैं. लेकिन आदिवासी दिवस पर प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति शुभकामनाएं नहीं देते हैं. सरना धर्म कोड को लेकर कितनी जद्दोजहद कर रहे हैं, लेकिन ये लोग दे नहीं रहे हैं.

खुशियों के पल: खूंटी के तोरपा में लाभुक महिलाओं ने सीएम को सौंपी उनकी तस्वीर.

सीएम ने की बड़ी घोषणाएं

1. जिस दिन केंद्र से हमारा बकाया आ गया, उसी दिन से मंईयां सम्मान राशि दो हजार रुपए कर देंगे
2. एक आदिवासी मुख्यमंत्री को हराने के लिए पीएम, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, कई मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री जुटे हुए हैं
3. खूंटी के तोरपा में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में सीएम ने खूंटी और सिमडेगा जिले के लिए 734 करोड़ की दी सौगात

तुम खरीदते थक जाओगे, हम बिकेंगे नहीं : ये लोग बोलते हैं कि संथाल, बिहार, बंगाल का अलग राज्य बना दो. ये व्यापारी लोग यहां आकर इस राज्य को बांटने का प्रयास कर रहे हैं. धन बल से इनको लगता है कि ये सब कर लेंगे. साग सब्जी तो खरीदते हैं, आदमी भी खरीद लेंगे, ऐसा सोचते हैं. आप सुनते होंगे कि कभी इस नेता को खरीद लिया, कभी उस नेता को खरीद लिया. लेकिन हम लोग स्वाभिमानी हैं, तुम कितनों को खरीदोगे. तुम्हारे खरीदते-खरीदते जिंदगी खत्म हो जाएगी लेकिन झारखंडी खत्म नहीं होंगे और बिकेंगे भी नहीं. ये व्यापारियों और गरीबों की लड़ाई है.

परिवर्तन रैली : खूंटी में जेपी नड्डा ने भरी हुंकार, कहा

मां-बेटी-रोटी व आदिवासी अस्मिता की रक्षा की यात्रा

ब्यूरो प्रमुख। खूंटी/रांची

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि झामुमो, कांग्रेस और राजद ने झारखंड के विकास में ग्रहण लगाने का काम किया. हेमंत सोरेन ने भी कांग्रेस से सीखने में कोई कसर नहीं छोड़ी. जेएमएम भी भ्रष्टाचारी पार्टी बन गई. उन्होंने परिवारवाद को बढ़ावा दिया. भाई-भतीजावाद को पनाह दी. युवाओं के साथ छल किया और अपने ही परिवार में जो पराये दिखे उन्हें दरकिनार किया. नड्डा ने कहा कि झारखंड को कांग्रेस, जेएमएम और आरजेडी से मुक्ति दिलाने का काम करना होगा. उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन यात्रा मां, बेटी-रोटी और आदिवासी अस्मिता की रक्षा की यात्रा है. ये यात्रा आदिवासी की जमीन को हड़पने से बचाने की यात्रा है. जेपी नड्डा सोमवार को खूंटी में आयोजित भाजपा की परिवर्तन रैली को संबोधित कर रहे थे.

इससे पहले जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को जीत दिलाने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि आप सभी के आशीर्वाद से नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के पीएम बने हैं. मैं लोकसभा चुनाव के दौरान भी झारखंड आया था और चुनावी सभाएं की थीं. उस समय भी हमें मालूम था कि इंडी अलायंस द्वारा किस तरह से झूठ फैलाया जा रहा है, लोगों को बरगलाया जा रहा है. मैं झारखंड की जनता को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने इंडी अलायंस की एक नहीं सुनी और यहां से भाजपा को जीत दिलाई.

कांग्रेस को बताया महाभ्रष्ट पार्टी : जेपी नड्डा ने कांग्रेस को सबसे महाभ्रष्ट पार्टी बताया और कहा कि कांग्रेस राष्ट्र विरोधी तत्वों व अलगाववादी तत्वों की पोषक है. उन्होंने प्रदेश-देश को भाई भतीजावाद, तुष्टीकरण की राजनीति, भ्रष्टाचार, परिवार वाद से ग्रसित किया. ये कहते थे कि हम हर परिवार को एक-एक लाख रुपए देंगे. क्या आपको मिल गया? इन्होंने अपने घोषणा पत्र में कहा था कि हम चूल्हा भत्ता देंगे. पीएम मोदी ने घर-घर में गैस सिलिंडर पहुंचा दिया लेकिन इनका चूल्हा भत्ता नहीं मिला.

क्या चंपाई सोरेन और सीता सोरेन आदिवासी नहीं हैं: जेपी नड्डा ने पूछा कि क्या चंपाई सोरेन आदिवासी नहीं थे, क्या सीता सोरेन आदिवासी नहीं हैं, उन्हें अपमानित क्यों किया गया? उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जो भगवान बिरसा मुंडा के गांव गये. उनके गांव की मिट्टी को नमन किया. एक आदिवासी बेटी को देश का राष्ट्रपति बनाया गया.

आदिवासियों की रक्षक सिर्फ भाजपा : जेपी नड्डा ने कहा कि आदिवासियों की रक्षा यदि कोई कर सकता है तो भाजपा ही कर सकती है. झारखंड राज्य गठन का काम अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में हुआ. उन्होंने केंद्र की योजनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि हमने अपने इस 100 दिन के कार्यकाल में तीन करोड़ मकानो की स्वीकृति दी है. 100 दिन के अंदर 70 साल से अधिक के बुजुर्गों के लिए पांच लाख तक इलाज की सुविधा मुफ्त की है. अब 25 हजार गांवो में सड़क बनाने का काम हो रहा है.

झारखंड में लगा भाजपा के बड़े नेताओं का जमावड़ा: भाजपा की परिवर्तन यात्रा में सोमवार को दिग्गज नेताओं का जमावड़ा लगा. सीएम हेमंत सोरेन को घेरने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा खूंटी आए. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बहरागोड़ा पहुंचे. पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर हुसैनाबाद और मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव बरकट्ठा पहुंचे.

श्रद्धासुमन: खूंटी में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद नड्डा और हिमंता.

बोले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

1. झामुमो, कांग्रेस और राजद ने मिलकर राज्य के विकास पर लगा दिया है ग्रहण
2. कैसी सरकार है, यहां रोहिंग्याओं को बसाया जा रहा है.
3. जैसे लोकसभा चुनाव में जीत दिलाई, वैसे ही विधानसभा चुनाव में भी समर्थन दें

झारखंड में आदिवासियों की संख्या घटी : जेपी नड्डा ने कहा कि आज झारखंड में आदिवासियों की संख्या 44 प्रतिशत से घट कर 28 प्रतिशत रह गई है. उन्होंने पूछा कि ये कैसी सरकार है और प्रदेश का प्रशासन किस प्रकार से काम कर रहा है? रोहिंग्याओं को यहां बसाया जा रहा है. लोग गलत तरीके से शादियां कर रहे हैं. आदिवासियों की जमीनों को हड़पा जा रहा है. ये सब काम सुनियोजित तरीके से हो रहा है और यहां की सरकार ये होने दे रही है. इससे पहले खूंटी पहुंचने के बाद नड्डा ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. उनके साथ असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मंत्री अर्जुन मुंडा समेत कई अन्य नेता भी मौजूद थे.

खच्चर खाते-मनी लांड्रिंग के बारूद पर बैठे हैं बैंक

अंशुमान तिवारी

खाता, खाता फरेब... क्या बैंक मनी लॉन्ड्रिंग के बारूद पर बैठे हैं? बैंकों के भीतर बेचैनी खौल रही है. पता नहीं किस खाते को, किसी खाते को, कोई तीसरा इस्तेमाल कर रहा है? किसका खाता, खच्चर यानी म्यूल एकाउंट बन गया है, किसी को पता नहीं. खच्चर खातों के सैलाब के आगे केवाईसी और डिजिटल पहरेदारी सर पीट रही है.ये क्या तिलिस्म है

बायोकैश ने बीते दिसंबर में भारत में 350 मिलियन बैंक संचालनों को खंगाला था. पता चला कि 55 फीसदी संचालन वास्तविक खाताधारक नहीं, बल्कि कोई तीसरा (थर्ड पार्टी) कर रहा था. आरबीआई ने बीती जुलाई में म्यूल एकाउंट्स को लेकर खतरे का सायरन बजाया. बात आई गई हो गई, मगर, इन खच्चर खातों का पानी गले तक आ गया है. बैंकों के सतर्कता तंत्र की सांस अटकी है.

म्यूट एकाउंट्स की दोनों किस्में भारत में फल-फूल रही हैं. तमाम लोगों के खाते खच्चर बना लिये गए हैं, जो भुगतानों को इधर-उधर करने के लिए इस्तेमाल हो रहे हैं. न बैंकों को पता है न खाताधारकों को. दूसरी किस्म ऐसे खातों की है ही जिन्हें जरायम इस्तेमाल के लिए खोला जा रहे हैं.

भारत साइबर अपराधियों का अभयारण्य है, जो म्यूल अकाउंट के रास्ते बैंकों के सिस्टम में पैठ गए हैं. इन खच्चर खातों का इस्तेमाल भ्रष्टाचार का पैसा लेने, बेनामी निवेश करने, नकदी को घुमा कर सफेद करने के लिए हो रहा है. एनएसडीक्यू ग्लोबल फाइनांसियल क्राइम की 2023 की रिपोर्ट ने बताया था कि दुनिया में इन खच्चर खातों के जरिए 3.1 ट्रिलियन डॉलर की मनी लॉन्ड्रिंग हुई. 47 प्रतिशत वित्तीय अपराधों में इन्हीं खातों का इस्तेमाल हुआ.

फ्रॉड प्रिवेंशन प्लेटफार्म ब्यूरो ने बैंकों में करीब तीन लाख म्यूल अकाउंट पकडे. एजेंसी बता रही है कि केवल 10 फीसदी खच्चर खाते अभी रिपोर्ट हुए हैं. नए खातों के 50 फीसदी आवेदन म्यूल होने का खतरा है. बैंक खाते चुटकियों में खुलते हैं. खाते खोल कर बैंक बेफिक्र हो लेते हैं. बहुतेरे लोग यह माने बैठे हैं कि केवाईसी और डिजिटल संचालनों के कारण सब धतकरम बंद हो गए हैं. मगर आरबीआई को खुद लंबे समय के बाद यह अहसास हुआ कि उसके केवाइसी नियमों और डिजिटल किले में छेद नहीं बल्कि सुरंगे बन गईं हैं, जिनसे मनी लॉन्ड्रिंग के कारवां गुजर रहे हैं.

खच्चर खाते पकड़ने के लिए आरबीआई ने कवायद (एआई) शुरू की है. नतीजे अभी दूर हैं. सतर्क रहिए, कहीं आपका खाता खच्चर न बन जाए !

उससे कहो खुलूस से लूटा करे मुझे
मेरी फरेब खाने की आदत नहीं गई – मुबारक सिद्दीकी...

नोटः लेखक वरिष्ठ पत्रकार और आर्थिक मामलों के जानकार हैं. यह लेख उनके सोशल मीडिया एकाउंट एक्स से लिया गया है.

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री अपने पास रखा, तो जाएंगे जेल

- चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखना और डाउनलोड करना दोनों अपराध

एजेंसियां। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़ी सामग्री डाउनलोड करना और उसे अपने पास रखना दोनों अपराध है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर कोई व्यक्ति इस तरह की सामग्री को मिटाता नहीं है या पुलिस को इसके बारे में सूचना नहीं देता, तो पॉक्सो एक्ट की धारा 15 इसे अपराध करार देती है.

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस बारे में मद्रास हाईकोर्ट का फैसला पलट दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानूनन ऐसी सामग्री को रखना भी अपराध है. हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज केस यह कहते हुए निरस्त कर दिया था कि उसने चाइल्ड पोर्नोग्राफी सिर्फ डाउनलोड किया और अपने पास रखा. उसने इसे किसी और को नहीं भेजा.

पॉक्सो एक्ट में बदलाव की दी सलाह : सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को सलाह दी है कि वह पॉक्सो एक्ट में बदलाव कर चाइल्ड पोर्नोग्राफी शब्द की जगह चाइल्ड सेक्सुअली अब्यूसिव एंड एक्सप्लोसिव मटेरियल लिखे. चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के सदस्य जस्टिस जेबी पारदीवाला ने 200 पन्ने का फैसला लिखा है. कहा कि जब तक पॉक्सो एक्ट में बदलाव को संसद की मंजूरी नहीं मिलती है, तब तक के लिए एक अध्यादेश लाया जाए. कोर्ट ने देश भर की अदालतों को भी सलाह दी है कि वह अपने आदेशों में सीएसएईएम ही लिखें.

पॉक्सो एक्ट की उपधारा 1 अपने आप में पर्याप्त : पॉक्सो एक्ट की धारा 15 की उपधारा 1 बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री रखने को अपराध करार देती है. इसके लिए 5 हज़ार रुपए के जुर्माने से लेकर 3 साल तक की सज़ा का प्रावधान है. धारा 15 की उपधारा 2 में ऐसी सामग्री के प्रसारण और उपधारा 3 में व्यापारिक इस्तेमाल को अपराध कहा गया है. मद्रास हाई कोर्ट ने उपधारा 2 और 3 को आधार बनाते हुए आरोपी को राहत दी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि उपधारा 1 अपने आप में पर्याप्त है.

किसी ने वॉट्सऐप पर भेजा तो क्या फंसेंगे

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ये जरूरी नहीं कि आपके फोन में अगर चाइल्ड पोर्न है, तो आप अपराधी हो जाएंगे. लेकिन यदि आपको कोई चाइल्ड पोर्न फॉर्वर्ड करता है और आप उसे डाउनलोड कर लेते हैं या फिर देखते हैं, तो आप अपराध की श्रेणी में आ जाएंगे. अदालत ने साफ किया कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और उसे देखना पॉस्को एक्ट के तहत अपराध की श्रेणी में रखा गया है.

-शेष पेज 11 पर

ब्रीफ खबरें

बिजली व्यवस्था की मांग को ले ग्रामीणों का प्रदर्शन

केंदुआ। गोधर रवानी बस्ती में बिजली व्यवस्था सुव्यस्थित करने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कुसुंडा रेलवे साइडिंग में प्रदर्शन करते हुए कोयला की ढुलाई को ठप करा दिया. कोल ट्रांसपोर्टिंग को लगभग छह घंटे तक बंद रखा. रात में बस्ती के पांच सौ केवीए का ट्रांसफार्मर जलने से बिजली की आपूर्ति ठप पड़ गयी गर्मी में लोगो को रात गुजारनी पड़ी. ग्रामीणों ने एनजीकेसी गोधर प्रबंधन से तत्काल आसपास से बिजली देने की मांग की. कोलियरी के प्रोजेक्ट ऑफिसर अनिल कुमार सिंह, मैनेजर एमएल राम ने ग्रामीणों से बात कि लेकिन ग्रामीण तत्काल बिजली देने की मांग पर अड़े रहे।तब प्रबंधन ने एक दो दिनों के अंदर बिजली आपूर्ति करने का आश्वासन दिया.

खरखरी में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

मधुबन। बाघमारा प्रखण्ड अंतर्गत खरखरी पंचायत सचिवालय में रविवार को झारखंड सरकार के महत्वाकांक्षी योजना आपकी योजना, आपकी सरकार,आपके द्वार का कार्यक्रम का आयोजन किया गया. सर्व प्रथम खरखरी पंचायत के मुखिया कुंदन रजक, पशुपालन पदाधिकारी डॉक्टर सुमीर मंडल, नोडल पदाधिकारी मो शाहबुद्दीन, बीटीएम शक्तिपाद महतो, अंचल लिपिक निलाम्बर कुमार व पंचायत सचिव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया. कार्यक्रम में अबुआ आवास, राशन कार्ड,सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि, पेंशन, मनरेगा, कृषि, शिक्षा, मनरेगा, स्वस्थ्य विभाग, आधार कार्ड, मुख्यमंत्री मंईया योजना, बिजली बिल विभाग आदि का स्टॉल लगाया गया.

29 सितंबर को डांडिया नाइट पर झूमेगा धनबाद

धनबाद। सहयोग फाउंडेशन की ओर से 29 सितम्बर को धैया स्थित आमंत्रण में शाम चार बजे से नवरात्र डांडिया नाइट का आयोजन किया जाएगा. इस दौरान महिलाएं और युवतियों की टीम डीजे की धुन पर डांडिया प्रस्तुत करेगी. समाप्ति के बाद सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा. समारोह में मुख्य रूप से जॉली छाबड़ा शामिल होंगे. यह जानकारी सहयोग फाउंडेशन के सदस्यों ने सोमवार को धैया स्थित आमंत्रण में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर दी. फाउंडेशन की अध्यक्ष नीतू तिवारी ने कहा कि एक सौ से अधिक महिलाएं और युवतियां डांडिया में भाग लेने के लिए अब तक रजिस्ट्रेशन करा चुकी है. फिलहाल रजिस्ट्रेशन जारी है. 27 सितंबर रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख है. उन्होंने कहा कि सहयोग फाउंडेशन विगत चार वर्षों से धनबाद और आस पास के क्षेत्रों में सामाजिक कार्यों में सक्रिय है.

सेंधमारी कर चोरी करने का प्रयास

कतरास। रविवार की देर रात चोरों के दल ने बीसीसीएल गोविंदपुर क्षेत्र के बंद साउथ गोविंदपुर कोलियरी के बंद स्टोर कीपर गोदाम में सेंधमारी कर चोरी का प्रयास किया. कर्मियों ने इसकी सूचना प्रबंधन को दी. प्रबंधन के अनुसार चोरो ने जहा सेंधमारी की वहा कर्मियों की कई फाइल है.बगल में कीमती लोहा है.स्थानीय पुलिस को आवेदन दिया गया है.सोनारडीह ओपी प्रभारी अरुणिमा बेग ने बताया कि चोरी के के प्रयास का आवेदन दिया गया है. बम फोड़े जाने की बात पूरी तरह से अफवाह है.

भूली ए ब्लॉक में दुर्गा पूजा की भव्य तैयारी, भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र

26 ढाक से बने भव्य पंडाल में विराजेंगी मां

संवाददाता। भूली

शारदीय नवरात्रि के अवसर पर भूली क्षेत्र में बने पूजा पंडाल भक्तों को दूर दराज से खींच लाता है. भूली के पूजा पंडाल को देखने भक्त धनबाद ही नही बल्कि झारखंड के विभिन्न जिलों के साथ पड़ोसी राज्य बंगाल से भी हजारों की संख्या में भक्त मां दुर्गा का दर्शन और भव्य पूजा पंडाल का अवलोकन करने आते हैं. इस वर्ष भूली में पूजा समितियों द्वारा भव्य पूजा पंडाल का आयोजन किया जा रहा है. भूली के पूजा पंडाल में कहीं ढाक की अनुकृति में बने पूजा पंडाल में दुर्गा विराजेंगी तो कही झारखंड विधानसभा की आकृति में बना पंडाल में मां दुर्गा का दर्शन होगा तो वहीं मां दुर्गा झारखंड हाई कोर्ट में भी विराजेंगी तो कहीं काल्पनिक भव्य पंडाल माता दुर्गा का निवास होगा. श्री श्री सर्वजनिक दुर्गा पूजा समिति ए ब्लॉक इस वर्ष 26 ढाक से बने भव्य पंडाल में मां विराजमान होंगी. पंडाल के शीर्ष में नटराज विराजमान रहेंगे. निकास द्वार पर वीणा के साथ मां सरस्वती के दर्शन होंगे वहीं मुख्य द्वार के उपर ढाक में भगवान श्री कृष्ण नृत्य करते दिखेंगे. यह 70 फीट ऊंचा और 60 फीट चौड़ा होगा. पंडाल की लागत 8 लाख. पंडाल बनाने का जिम्मा भूली के ज्योति आर्ट डेकोरेटर को दिया गया है. प्रतिमा निर्माण की जिम्मेदारी धनबाद के प्रसिद्ध मूर्तिकार दुलाल पाल को दी गई है, प्रतिमा की लागत 81 हजार. वहीं विद्युत सज्जा की व्यवस्था भूली के फरहीन लाईट की होगी. विद्युत सज्जा एवं ध्वनि की लागत 2.51 लाख. कुल वजट 15 लाख. पूजा समिति द्वारा थाना मैदान मे भव्य मेला लगाया जाएगा. मेले मे ब्रेक डांस, तारामाची, मौत का कुआं, ड्रेगन के अलावा बच्चों के लिए छोटे-छोटे कई तरह के झूले लगाए जाऐंगे. मेले परिसर मे मीना बाजार भी लगेगा. पूजा कमिटी के सचिव मोनू पांडेय ने बताया की यहां प्रतिदिन होने वाले मां की आरती का अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा.

समिति के सदस्य

अध्यक्ष अजीत सिन्हा, सचिव मोनू पांडेय, कोषाध्यक्ष रविशंकर तिवारी, उपाध्यक्ष आकाश बाल्मिकी, रिक्की श्रीवास्तव, उप-सचिव रौशन कुमार, पंकज सिंह, धर्मवीर सिंह, उप-कोषाध्यक्ष रोहन श्रीवास्तव, मुकेश कुमार, सतीश सिंह, सीता साव, मीडिया प्रभारी अंबर कलश तिवारी, अमर मित्रा, बिल्टू बनर्जी, आदि.

झमाडा के मृत कर्मचारियों के आश्रितों ने सीएम का फूंका पुतला

- अनुकंपा के आधार पर नौकरी की मांग को लेकर वर्ष 2022 से दे रहे धरना

संवाददाता। धनबाद

अनुकंपा के आधार पर नौकरी की मांग को लेकर वर्ष 2022 के 22 फरवरी से धरना पर बैठे झमाडा (धनबाद) के मृत कर्मचारियों के आश्रितों ने सोमवार को रणधीर वर्मा चौक पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्य के मुख्य सचिव और झमाडा एमडी का पुतला फूंका. प्रदर्शनकारियों में शामिल अज़हर ने बताया कि हमलोग अनुकंपा के आधार पर नौकरी की मांग को लेकर 23 सितंबर 2024 से लगातार धरनारत हैं. गणना करें तो धरना देते हुए 945 दिन पूरा हो चुका है. झमाडा प्रबंधन कर्मचारी की कमी को पूरा करने के लिए बाहरी मजदूरों और झमाडा के ही सेवानिवृत कर्मियों को दोबारा काम पर रख कर सेवा ले रहा है, लेकिन मृत कर्मचारियों के आश्रितों को नियुक्ति नहीं दी जा रही है. अभी हमलोगों ने रणधीर वर्मा चौक पर प्रदर्शन कर पुतला फूंका है. हमारी मांगें नहीं मानी गई तो आगामी दिनों आंदोलन को तेज करते हुए सामूहिक रूप से मुंडन कराएंगे.

विधायक मद से पीसीसी पथ निर्माण का शुभारंभ

महुदा। बाघमारा विधायक ढुलु महतो के अनुशंसा पर विधायक मद से कांड्रा पंचायत के उपर टोला से बोरा बांध तक पीसीसी पथ निर्माण हेतु एक शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर मुखिया रिंकु देवी, पंसस सुभाष महतो एवं भाजपा के जिला उपाध्यक्ष धनेश्वर महतो ने नारियल फोड़कर कार्य का शिलान्यास किया. मुखिया रिंकु देवी ने बताया कि ग्रामीणों को बोरा बांध एवं काली मंदिर जाने में काफी कठिनाई होती है. इस समस्या को तत्कालिन विधायक ढुलु महतो के पास रखा गया था. उन्होंने उसी दौरान स्वीकृति प्रदान कर दी थी. जिसका आज शिलान्यास किया जा रहा है. मौके पर धुरन हरि, सुधीर महतो, श्यामलाल महतो, हरिलाल दास, प्रदीप महतो, कालीपद महतो, भरत महतो, गोपन कर्मकार, संजय महतो आदि मौजूद थे.

कोल कर्मी के बोनस पर फैसला 29 को

खास बातें

- नई दिल्ली में होगी जेबीसीसीआई की बैठक
- 90 हजार से अधिक बोनस मिलने की उम्मीद

संवाददाता। धनबाद

जेबीसीसीआई का बैठक 29 सितंबर को नई दिल्ली में होगा आयोजित. बैठक में कोल इंडिया मजदूरों को मिलने वाली बोनस पर सहमति बनेगी. इसको लेकर सोमवार को कोल इंडिया मुख्यालय ने सभी ट्रेड यूनियन के प्रतिनिधि और कोल कंपनी के संबंधित अधिकारी को नोटिस जारी कर दिया है.

पांच से सात हजार अधिक बोनस मिलने का अनुमान

कोल इंडिया द्वारा इस दुर्गा पूजा में मिलने वाली बोनस की राशि के लिए लाखों कोल कर्मी की उम्मीद जगी हुई है .बीते 2022-23 में कोलकर्मी को जहां 85000 रुपया बोनस मिला था,वहीं ऐसी संभावना है की यह राशि इस बढ़ कर 90 हजार या उससे अधिक हो सकती है .बीसीसीएल के करीब 34 हजार कर्मचारियों को बोनस का लाभ मिलेगा.

बैठक में ये रहेंगे मौजूद

नई दिल्ली में आयोजित होने वाली जेबीसीसीआई की बैठक में सीआईएल के और से निदेशक विनय रंजन, बीसीसीएल के और से निदेशक कार्मिक मुरली कृष्णा रमैया,सीसीएल डीपी हर्ष नाथ मिश्रा,ईसीएल के निदेशक फाइनेंस अंजर आलम सहित सभी कोल कंपनी के प्रतिनिधि शामिल होंगे. इसके अलावा बीएमएस सुधीर एच गुर्दे,नाथूलाल पांडे एचएमएस, डी रामानंदन सहित अन्य मौजूद होंगे.

एसएनएमएमसीएच के नए प्राचार्य डॉ. केके लाल ने पदभार किया ग्रहण

- डॉक्टरों ने गुलदस्ता भेंटकर किया स्वागत

संवाददाता। धनबाद

शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) के नए प्राचार्य डॉ. केके लाल ने सोमवार को पदभार ग्रहण किया. उन्हें पदभार पूर्व प्राचार्य डॉ. ज्योति रंजन प्रसाद ने ग्रहण कराया. इस अवसर पर एसएनएमएमसीएच के सभी डॉक्टर और कर्मी उपस्थित थे.

पदभार ग्रहण के बाद डॉ लाल ने एसएनएमएमसीएच का निरीक्षण कर डॉक्टरों के साथ बैठक की तथा एमबीबीएस और पीजी में नामांकन को लेकर तैयारी की समीक्षा की. नए प्राचार्य के रूप में अपनी प्राथमिकता स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि मेरा उद्देश्य यहां मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना है, जिससे आगे चलकर वे बेहतर डॉक्टर बन सकें. पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ लाल को गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया गया.

स्वागत करने वालों में मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. यूके ओझा, हड्डी रोग विभाग के डॉ. डीपी भूषण, सर्जरी विभाग के डॉ. डीके गिंदोरिया, माइक्रोबायोलॉजी विभाग के डॉ. एसके सिन्हा, डॉ. सुमन, डॉ. रवि भूषण, डॉ. ऋषभ राणा समेत अन्य डॉक्टर शामिल थे. डॉक्टरों ने गुलदस्ता देकर नए प्राचार्य का स्वागत किया.

खेलगांव में बीसीसीएल कप टूर्नामेंट का समापन

रांची. झारखण्ड की दोनों वर्गों की टीम ने पारा श्रो बॉल नेशनल टूर्नामेंट में 2-0 की धमाकेदार जीत से अगले चरण में स्थान बनाई, जबकि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, तमिलनाडु और राजस्थान को प्रथम चरण में एक जीत एवं एक हार का सामना करना पड़ा.देर रात को कॉर्टर फाइनल के मैच आयोजित किए जाएंगे, जबकि फाइनल मैच कल अपराह्न होंगे. प्रतियोगिता में मेजबान झारखण्ड के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तराखंड, तमिलनाडु, पुडुचेरी, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर के 20 टीमें (10 पुरुष 10 महिला) भाग लें रहीं हैं. सामान्य लोगों के लिए दिव्यांगजन तभी तक बेचारा हैं जब तक वे उनके योग्यता और हुनर से रूबरू नहीं होते. इस वर्ष दिव्यांगजन खिलाड़ियों ने पारा ओलिम्पिक में बेहतर प्रदर्शन किया है. बचपन से संघर्ष और विपरीत परिस्थितियों का सामना उन्हें मानसिक संबल प्रदान करती है. आम व्यक्ति एवं खिलाड़ी भी उनसे हौसला न खोने का जज्बा हासिल करना सीख सकते हैं. यह उद्गार बीसीसीएल के निदेशक कार्मिक मुरली कृष्ण रमैया, धनबाद ने पारा श्रो बाल फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के तत्वावधान में पारा ओलंपिक एसोसिएशन ऑफ़ झारखण्ड के द्वारा हरिवंश टानाभगत इंडोर स्टेडियम खेलगांव में तीसरे पारा श्रो बॉल राष्ट्रीय प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि भविष्य में बीसीसीएल ऐसे आयोजन को प्रायोजित कर गौरान्वित महसूस करेगी. निर्मला रावत, निदेशक पारा श्रो बाल फेडरेशन ऑफ़ इंडिया ने कहा कि हाल के वर्षों में झारखण्ड, जम्मू एवं कश्मीर, पुडुचेरी, उत्तराखण्ड जैसे राज्यों ने पारा खेलों में उल्लेखनीय प्रगति की है. अगर सरकार का साथ मिले तो अगले ओलिम्पिक में हम पदक भी ला सकते हैं. फेडरेशन के अध्यक्ष डॉक्टर अल्बर्ट प्रेम कुमार, उदयवीर, सुधा लील्हा, मुकेश कंचन ने भी खिलाड़ियों को संबोधित किया.

धनबाद में युवकों ने थामा कांग्रेस का दामन

संवाददाता। धनबाद

सोमवार को बेकारबांध वार्ड नंबर 20 में कांग्रेस का बूथ कमेटी के अभियान को मजबूत के संदर्भ में धनबाद नगर कांग्रेस अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह के नेतृत्व में सैंकड़ों युवाओं ने कांग्रेस का दामन थामा. इस मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष संतोष सिंह ने सभी को माला पहना कर सदस्यता ग्रहण कराया सिंह ने अपने संबोधन में मोदी पर तंज कसते हुए कहा 100 कडोड़ के हेलीकॉप्टर में उड़ कर 5 कड़ोड की बी एम डबलू कार में चल कर लाखों रूपिए के पंडाल में खड़े हो कर कहते हैं की मैं फकीर हुं, जब फकीर ऐसे होते हैं तो, अमीर कैसे होते हैं,, ये जानना चाहता हूं,, इस मौके पर कारकारी अध्यक्ष रशीद राजा अंसारी वरिष्ठ कांग्रेस नेता नवनीत नीरज, दिनेश सिंह, शशि यादव समेत अन्य कांग्रेसी उपस्थित हुए. कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष मिर्तुंज्जय सिंह ने किया. इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसी नेताओं ने वार्ड नंबर 20 के मनोनीत वार्ड अध्यक्ष गोलू यादव और उपाध्यक्ष विश्वजीत सिंह को माला पहनकर स्वागत किया गया.

सैकड़ों युवाओं ने थामा भाकपा माले का दामन

मैथन। एग्यारकुण्ड प्रखंड क्षेत्र के डुमरकुंडा उत्तर पंचायत के न्यू लाइकडीह एवं जूनकुंदर में भाकपा माले का मिलन समारोह आयोजन हुआ. जिसकी अध्यक्षता संतु चटर्जी व संचालन मनोरंजन मलिक ने किया. समारोह में चिरकुंडा शहीद चौक से मोटरसाइकिल जुलूस के साथ पूर्व विधायक अरुप चटर्जी पहुंचे, जहां उनको फूलों का हार पहनाकर गर्म जोशी से स्वागत किया. समारोह में भाजपा - झामुमो छोड़कर दर्जनों युवाओं ने पूर्व विधायक अरूप चटर्जी के प्रति आस्था जताते हुए माले का दामन थामा. सभी युवाओं को माला पहना कर पूर्व विधायक अरुप चटर्जी ने भाकपा माले में स्वागत किया. मौके पर चटर्जी जी कहा कि आपके हर सुख दुख में पार्टी कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी. हम मजदूरों के लिए हमेशा लड़ाई लड़ते आए हैं और मजदूरों के लिए हमेशा लड़ाई लड़ते रहेंगे.

पोषण माह अभियान के तहत डीसी ने वृद्धाश्रम में किया पौधरोपण

खास बातें

- बुजुर्गों से मुलाकात कर पूछा हालचाल

संवाददाता। धनबाद

महिला एवं बाल विकास विभाग की महत्वाकांक्षी योजना पोषण माह अभियान के तहत डीसी माधवी मिश्रा एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर ने सबलपुर स्थित वृद्धाश्रम में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सोमवार को पौधरोपण किया. इस दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित लोगों से जिला स्तर पर इस अभियान को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की. डीसी ने कहा कि वातावरण शुद्ध रखने के लिए पर्यावरण की रक्षा हम सबकी जिम्मेवारी है. स्वस्थ जीवन शैली के लिए वातावरण प्रदूषण मुक्त होना जरूरी है. यह तभी संभव है जब हम अधिक से अधिक पेड़ लगाएंगे. पौधरोपण के बाद उपायुक्त ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से मुलाकात कर हालचाल पूछा. इस दौरान कई बुजुर्गों ने उनसे वृद्धाश्रम में एक एम्बुलेंस, चापानल एवं कुछ अलमारी उपलब्ध कराने की मांग की. डीसी ने बुजुर्गों को भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन जल्द मांगों को पूरा करेगा. साथ ही बुजुर्गों ने उपायुक्त को वृद्धाश्रम में मिलने वाली सुविधाएं जैसे अच्छी तरह से देखभाल और खानपान, मनोरंजन के लिए समय-समय पर आयोजित किए जाने वाले भजन समेत अन्य गतिविधियों के बारे में अवगत कराया. डीसी के वृद्धाश्रम आने पर बुजुर्गों ने खुशी व्यक्त की और आशीर्वाद दिया. जाते-जाते उपायुक्त ने बुजुर्गों को भरोसा दिया कि देखरेख में किसी तरह की कमी नहीं होगी.

पहला कदम में वर्ल्ड साइन लैंग्वेज सेलिब्रेशन

धनबाद। नारायणी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चो की स्कूल पहला कदम में सोमवार को वर्ल्ड साइन लैंग्वेज डे यानी एक दिन उनके नाम जो बोल सुन नही सकते उनके लिए सभी बच्चो और स्कूल के ऑडियोलॉजिस्ट तथा सभी शिक्षको ने दीप प्रज्वलित कर के सेलिब्रेट किया पहला कदम स्कूल में सांकेतिक भाषा का इस्तेमाल कर के मूक बधिर बच्चो की पढ़ाई करवाई जाती है. मूक बधिर बच्चे सांकेतिक भाषा की मदद से अपनी भावनाएं प्रकट कर सकते है. सांकेतिक भाषा मूक बधिर लोगो को अपनी रोजमर्रा के जीवन में लोगो से वार्तालाप करने में मदद करती है. बच्चो ने साइन लैंग्वेज में अपनी भावनाओं की प्रस्तुति की. साईन लैंग्वेज मूक बधिर लोगों के लिए संचार का मुख्य साधन होता है और सांस्कृतिक विविधता को समझने और स्वीकार करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है. आज के ही दिन ऋषि अष्ट वक्र जयंती मना, उनकी तस्वीर में माल्यार्पण किया.

भाजपा की परिवर्तन यात्रा में झारखंड सरकार पर जमकर हमला

भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाता रहूंगा : सांसद

- बंगाल में दीदी, झारखंड में दादा लूटतंत्र में शामिल : दिलीप

संवाददाता । निरसा बाजार

20 सितंबर को गिरिडीह के जमुआ विधानसभा अंतर्गत झारखंडी धाम से निकली भाजपा की परिवर्तन यात्रा सोमवार को निरसा पहुंची. परिवर्तन यात्रा के निरसा पहुंचते ही हजारों दो पहिया के साथ कार्यकर्ता तेतुलिया मोड़ व निरसा चौक में गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. ततपश्चात उपचुरिया के राज ग्राउंड में आयोजित जनसभा में वक्ता हेमंत सोरेन सरकार पर जमकर भड़ास निकाली. सांसद ढुल्लू महतो ने झारखंड सरकार के साथ-साथ अपने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में टिकट कटवाने के लिए हमारे विरोधी गोलबंद होकर केंद्रीय नेताओं पर दबाव बनाया. जब वे सफल नही हुए तो हमे हारने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा लगा दो परन्तु धनबाद की जनता ने हम पर विश्वास दिखाते ह हुए हमें दिल्ली भेजने का काम किया. जनता ने जिस विश्वास और आशा के साथ मुझे सेवा करने का मौका दिया मैं उन्हें कभी भी निराश नहीं करूंगा. सांसद महतो ने कोयलांचल में कोयला चोरी पर कहा की विधायक रहते ही हमने कोयला चोरी पर आवाज उठाया. परिणाम स्वरूप सरकार के इशारे पर तत्कालीन एसएसपी ने मुझपर एक नही बल्कि 25, 30 झूठा मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने का काम किया. भ्रष्टाचार के खिलाफ हमने हमेशा आवाज उठाया, उठाऊंगा और उठाते रहूंगा इसके लिए मुझे जेल तो क्या जान भी देनी पड़ी तो पीछे नहीं हटूंगा. सभा को संबोधित करते हुए सांसद दिलीप घोष ने कहा कि ना सहेंगे, ना कहेंगे, हम झारखंड को बदलकर रहेंगे. उन्होंने कहा कि बंगाल को दीदी और झारखंड को दादा दोनों लोकतंत्र को ताख पर रखकर लूटतंत्र को बढ़ावा देकर भ्रष्टाचार की गंगोत्री में डुबकी लगा रहे हैं. दीदी और दादा दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड को भाजपा ने बनाया है. शिबू सोरेन से लेकर हेमंत सोरेन तक ने झारखंड को लूटा है. झारखंड में सरकार प्रश्नपत्र लीक होने से नहीं रोक पाई तो इंटरनेट बंद कर दिया, ताकि अपनी नाकामी छुपा सके. वहीं उत्पाद सिपाही भर्ती के दौरान 17 युवकों की मौत हो गई है, इस मौत के लिए झारखंड सरकार जिम्मेदार है. सभा को कुलटी विधायक अजय पोद्दार, विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने भी संबोधित किया. मौके पर काजल नाग, प्रशांत बनर्जी, जय प्रकाश सिंह, सबिता देवी, दीपा दास, रानी केराइ रमेश पांडे समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे.

एटक यूनियन का अधिकारियों की मनमानी के खिलाफ प्रदर्शन

कतरास कोलियरी में उत्पादन ठप

संवाददाता ।तेतुलमारी

बीसीसीएल मुख्यालय के अधिकारियों के द्वारा किए जा रहे मनमानी के खिलाफ एटक यूनियन ने मोर्चा खोल दिया है . अधिकारियों की मनमानी से नाराज़ एटक समर्थकों ने सोमवार को कतरास क्षेत्र संख्या 4 वेस्ट मोदीडीह कोलियरी के एकेडब्लूएमसी परियोजना का उत्खनन कार्य ठप कर दिया, इतना ही नहीं समर्थक चालिस नंबर पार्किंग स्थल भी गये और वाहनों का परिचालन भी रोक दिया. यूनियन के वरीय नेता लक्ष्मण महतो ने कहा कि बीसीसीएल के मुख्यालय के अधिकारी मनमानी करते हैं. किसी भी कोल कर्मी का काम करने से आनाकानी करते हैं, समय देकर टाल दिया जाता है. कोल कर्मी की मृत्यु होने पर उसकी कागजात को अपने पास रख लेते हैं और मनमानी तरह से उसके स्वजनों से पेसै की उगाही करते हैं, यही हाल कोलियरी स्तर के भी भी आधिकारी कर रहे हैं. कर्मियों की पदोन्नति एवं उसका आवास जर्जर हो गया है लेकिन उसकी मरमती नहीं करते हैं, कई कर्मियों की आवास बरसात में गिर गया जिसकी शिकायत कर्मियों ने पदाधिकारी से किया लेकिन समाधान करने की दिशा में आज तक कोई पहल नहीं किया गया. उन्होंने प्रबन्धन को चेतावनी देते हुए कहा कि समस्या का समाधान शीघ्र नहीं कराया गया तो हम लोग कतरास क्षेत्र का उत्पादन कार्य अनिश्चितकाल के लिए ठप कर देंगे और आंदोलन करने को विवश होंगे. करीब चार घंटे के बाद कतरास क्षेत्रीय कार्यालय में एपीएम रामानुज प्रसाद, पीओ मोहन मुरारी के साथ यूनियन समर्थकों की वार्ता हुई जिसमें दूरभाष पर मुख्यालय के वरीय पदाधिकारी शीघ्र समस्या का समाधान करने की बात कही, तब जाकर काम सामान्य हो गया.

अनियंत्रित ट्रैक्टर होटल में घुसा, एक घायल

तेतुलमारी। सिजुआ राजगंज मार्ग के सुभाष चौक के समीप सोमवार को अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर होटल में घुस गया . जिससे होटल में बैठे दीपक साव गंभीर रूप से जख्मी हो गये. घटना मे होटल पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गया.सूचना पाकर पुलिस पहुंची और जख्मी को इलाज के लिए भेजा तथा ट्रैक्टर को अपने साथ थाना ले गई, इधर होटल संचालक प्रभु सिंह ने क्षतिग्रस्त हुए सामानों की कीमत करीब पच्चीस हजार रूपए बताई है, लोगो ने बताया कि ट्रैक्टर होटल से थोड़ी दूर पर खड़ी थी, तभी एक व्यक्ति ने उसे स्टार्ट कर दिया और चलाने लगा. अचानक उसका ब्रेक फेल हो गया और अनियंत्रित होकर होटल में जोरदार धक्का मार दिया, जिससे वहां रखे कई बर्तन वह अन्य जरूरी सामान क्षतिग्रस्त हो गया. उसके बाद कुछ ट्रैक्टर ग्रिल दुकान के समीप निर्माण कर रखें दो दरवाजे पर टकरा गया जिससे वह भी क्षतिग्रस्त हो गया. घटना के बाद वहां भीड़ लग गई और लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दिया. उक्त ट्रैक्टर तेतुलमारी के बिगहा निवासी राम सिंह की बताई जा रही है

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in धनबाद, मंगलवार 24 सितंबर 2024 आश्विन कृष्ण पक्ष 07 संवत 2081 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ वर्ष : 2, अंक : 166 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

धनबाद में छह डेंगू के नए मरीजों की पुष्टि

धनबाद। धनबाद में डेंगू के मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है. सोमवार को डेंगू के छह नए मरीजों की पुष्टि हुई है. मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी लैब द्वारा स्वास्थ्य विभाग को भेजी गई रिपोर्ट से यह पुष्टि हुई है. स्नेहा कुमारी (13 वर्ष), दीपक सोरेन (10 वर्ष), विकास कुमार मंडल (29 वर्ष), साजिया खातून (14 वर्ष), रोशन कुमार सिंह (19 वर्ष) और नाजिया परवीन (22 वर्ष) की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है.

आंदोलनरत श्रमिकों से मिले विधायक राज

धनबाद। बीसीसीएल में काम करनेवाली इंदू आउटसोर्सिंग के हटाए गए 150 कर्मचारियों के समर्थन में विधायक राज सिन्हा सोववार को कोयला भवन के निकट पहुंचे. काम से हटाए गए कोयला मजदूर यहां 18 सिंतबर से क्रमवार भूख हड़ताल कर रहे हैं. मौके पर मौजूद कोयला श्रमिकों ने कहा कि आउटसोर्सिंग कंपनी ने मजदूरों को छह पूर्वक काम से हटा दिया है. सभी के सामने रोजी-रोटी की समस्या खड़ी हो गई है. काम पर रखे जाने तक आंदोलन जारी रहेगा. श्रमिकों से मिलने के बाद विधायक ने कोयला नगर के अधिकारियों के साथ बात की.

आईएसएम में कोयला और कार्बन कैप्चर पर कार्यशाला

धनबाद। आईआईटी-आईएसएम में स्वच्छ कोयला और कार्बन कैप्चर के उपयोग और भंडारण तकनीक पर छह दिवसीय शॉर्ट टर्म कार्यक्रम की शुरुआत सोमवार को हुई. कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के 26 फैकल्टी सदस्य भाग ले रहे हैं. कार्यक्रम का उद्घाटन प्रोफेसर सोमनाथ चट्टोपाध्याय ने किया. कार्यक्रम के बारे में उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य स्वच्छ कोयला और कार्बन कैप्चर के उपयोग और भंडारण तकनीक के क्षेत्र में हाल में हुई प्रगति की जानकारी देना है. कार्यक्रम को प्रोफेसर मृणालिनी पांडेय, प्रोफेसर आदित्य कुमार, प्रोफेसर ए समंता ने भी संबोधित किया.

रागिनी ने बुधन के परिजनों से मिलकर शोक व्यक्त कीं

झरिया : शनिवार की देर रात अपराधियों ने रेस्टोरेंट संचालक और सिंह मैंशन समर्थक बुधन मंडल को रंगदारी के लिए गोली मार दी. उपचार के लिए डॉक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर किया, जहां रागिनी सिंह के सहयोग से उन्हें दुर्गापुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. रविवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. बुधन मंडल के देहांत के बाद उनका पार्थिव शरीर उनके आवास पहुंचा, जहां भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह ने उनके परिजनों से मिलकर शोक संतृप्त संवेदनाएं व्यक्त की और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया. कहा कि झरिया में पिछले पांच वर्षों में अपराधिति का मनोबल बढ़ा है और सत्ता के प्रभाव में अपराधी बड़े घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं.

विवाद : 71 डिसमिल जमीन पर पीलर लगाने का आरोप, कॉलेज को 75 करोड़ की योजना है स्वीकृत

पीके राय कॉलेज की जमीन पर आईआईटी आइएसएम का कब्जा

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव

अमित सिन्हा

खास बातें
- मामला पहुंचा राजभवन
- राज्यपाल ने धनबाद डीसी को दिया जांच का आदेश

धनबाद। पी के राय कॉलेज की 71 डिसमिल जमीन आईआईटी आइएसएम प्रबंधन द्वारा कब्जा करने का मामला राजभवन पहुंच गया है. मामले को लेकर राज्यपाल संतोष गंगवार ने धनबाद डीसी माधवी मिश्रा को जांच के लिए लिखा है. पी के राय कॉलेज की प्राचार्या कविता सिंह ने इस मामले में बताया कि सरकार द्वारा 2019 में उन्हें 71 डिसमिल जमीन दी गई थी. इस पर नई बिल्डिंग बनाने का प्रस्ताव है, मानव संसाधन विकास विभाग की ओर से 75 करोड़ की योजना भी स्वीकृत की जा चुकी है जिसका कार्य आने वाले बर्ष की प्रथम तिमाही से शुरू होगा. इसी बीच आईआईटी आइएसएम द्वारा जमीन के आगे दीवार खड़ी कर दी गई थी. शिकायत करने पर दीवार तो हटा दी गई है लेकिन इसके बाद पूरी जमीन पर कब्जा करने की नीयत से पिलर गाड़ कर तार से घेराबंदी की जा रही है इसकी शिकायत राज्यपाल से की गई थी. उन्होंने बताया कि 71 डिसमिल जमीन के साथ ही 7.64 एकड़ जमीन के आवंटन की प्रक्रिया भी चल रही है. उक्त 7.64 जमीन भागा माइनिंग स्कूल के प्राचार्य आवास के नाम पर थी जो कि सरकारी जमीन है जिसे पी के राय कॉलेज को दिए जाने की प्रक्रिया अभी चल ही रही है. इधर आईआईटी आइएसएम द्वारा दीवार दिए जाने से 71 डिसमिल जमीन के साथ ही 7.64 एकड़ जमीन पर भी आइआइटी आइएसएम प्रबंधन का कब्जा हो जाता.

पूर्व में भी किया गया कॉलेज की जमीन पर कब्जा

पी के राय की प्राचार्या ने बताया कि पूर्व में भी कॉलेज की जमीन पर आईआईटी आइएसएम ने कब्जा कर अपना भवन बना दिया है. उन्होंने बताया कि कॉलेज की साढ़े नौ एकड़ जमीन पर कब्जा कर आईआईटी ने बिल्डिंग खड़ी कर दी है. उक्त जमीन की भी जांच की जानी चाहिए. उन्होंने राज्यपाल से मांग की है कि जमीन की नापी करा कर सही हाथों में जमीन को सौंप दिया जाए. कविता सिंह के कहा कि आईआईटी आइएसएम प्रबंधन से उनकी कोई शिकायत नहीं है. लेकिन जिसकी जमीन हो उसे मिलनी चाहिए.

रास्ते के लिए 10 फिट जमीन नहीं छोड़ रहा आईआईटी आइएसएम

पी के राय कॉलेज की प्राचार्या कविता सिंह ने बताया कि कॉलेज में घुसने का मुख्य मार्ग काफी संकरा हैं कॉलेज परिसर में दाखिल होने का रास्ता मात्र 13 फिट चौड़ा है. कॉलेज में अगलगी या अन्य किसी तरह की अप्रिय घटना होने पर अग्निशमन विभाग की गाड़ी कॉलेज परिसर में दाखिल नहीं हो सकेगी. उन्होंने आईआईटी आइएसएम प्रबंधन को कई बार पत्र लिख कर 10 फिट जमीन कि मांग की है ताकि रास्ते की चौड़ाई 20 फिट की जा सके.हालांकि आईएसएम प्रबंधन द्वारा अब तक इसपर कोई पहल नहीं कि गई है.

नए एसडीओ ने किया पदभार ग्रहण

धनबाद : धनबाद अनुमंडल के नए अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार ने सोमवार संध्या अनुमंडल कार्यालय में पदभार ग्रहण किया. इस अवसर पर निवर्तमान अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत किया.
इस अवसर पर कार्यपालक दंडाधिकारी रवींद्रनाथ ठाकुर, कार्यपालक दंडाधिकारी नारायण राम, एनडीसी दीपक दुबे, अंचल अधिकारी पुटकी विकास आनंद के अलावा अनुमंडल कार्यालय के सभी कर्मचारी मौजूद थे.

बुधन का शव आते ही लोगों ने की सड़क जाम

सांसद ढुलू ने दिलाया न्याय का भरोसा

- प्रदर्शनकारियों ने गुड्डू सिंह को फांसी दो के लगाए नारे

संवाददाता। झरिया

सोमवार की शाम को बुधन मंडल का शव धनसार पहुंचने पर परिजन और समर्थकों ने शव को धनसार थाना के समीप रखकर सड़क जाम कर दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर नारेबाजी की.
इस दौरान सैकड़ों की संख्या में मृतक के समर्थक सड़क पर उतर आए, जिससे झरिया-धनबाद मुख्य मार्ग पर परिचालन पूरी तरह से ठप हो गया. पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचकर मृतक के परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे सांसद ढुलू महतो को बुलाने की मांग पर अड़े रहे.
पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर जाम स्थल के आसपास वाहनों को रोक दिया. प्रदर्शनकारी लगातार गुड्डू सिंह को फांसी दो के नारे लगा रहे थे. बाद में सांसद ढुलू महतो मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को समझा-बुझाकर जाम हटवाया. इसके बाद परिजन शव को लेकर अपने घर चले गए और दाह-संस्कार की तैयारी में जुट गए.
सांसद ढुलू महतो ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए दो दिनों के अंदर नियोजन के आधार पर एक नौकरी और उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया. उन्होंने अपराधियों को कानूनी सजा दिलवाने की भी बात कही. इसके बाद मृतक के परिजन और समर्थक शांत हुए और सड़क जाम हटाया जा सका.

पुलिस छावनी में तब्दील हुआ क्षेत्र

सोमवार को तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया. धनसार, धनबाद, झरिया, बोर्रागढ़, तीसरा थाना समेत आस-पास के कई थानों की पुलिस को मौके पर बुला लिया गया. बुधन मंडल का शव दुर्गापुर से धनसार पहुंचने की सूचना मिलने के बाद जिला प्रशासन ने पुलिस लाइन से अतिरिक्त बल मंगवा लिया, ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे और रविवार की तरह कोई बवाल न मचे. रविवार को बुधन मंडल की मौत की सूचना मिलते ही भारी संख्या में स्थानीय लोगों ने धनसार थाना का घेराव कर प्रदर्शन शुरू कर दिया था. इस दौरान आक्रोशित लोगों ने टायर जलाकर कई वाहनों में तोड़फोड़ की और पुलिस पर पथराव भी किया था. कल की घटना को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया.

क्षेत्र में सभी दुकानें रही बंद

सोमवार को धनसार में दुकानें बंद रहीं, और लोग डरे सहमे दिखे. रविवार की देर शाम को हुई तोड़फोड़ और पत्थरबाजी के कारण क्षेत्र का माहौल तनावपूर्ण बना हुआ था. दुकानदारों को आशंका थी कि सोमवार को भी तोड़फोड़ जैसी घटना न हो जाए, इसलिए वे सावधानी बरतते हुए अपनी दुकानें नहीं खोलीं. सोमवार को बुधन मंडल का शव धनसार पहुंचने की सूचना मिलते ही उनके समर्थकों और स्थानीय लोगों की भीड़ जुटने लगी थी. इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया था.

राजनीति, वर्चस्व या रंगदारी क्यों हुई हत्या?

बुद्धन मंडल की हत्या ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं और पुलिस इस मामले की जांच कई दिशाओं में कर रही है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांच में राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता, कोयला कारोबार में वर्चस्व, और रंगदारी जैसे कारणों की संभावना पर विचार किया जा रहा है. हालांकि, हत्या के पीछे का असली कारण पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा.

बंदूक से फायरिंग का वीडियो सुर्खियों में

बस्ताकोला के कोल डंप में जनता श्रमिक संघ और संयुक्त मोर्चा के बीच हुए खूनी संघर्ष में बुधन मंडल का फायरिंग करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिससे वह सुर्खियों में आ गया था. इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लेकिन तीन महीने बाद ही वह जेल से रिहा हो गया था. उस घटना के बाद से बुधन मंडल की लोकप्रियता में इजाफा हुआ था, जिससे वह कई लोगों के निशाने पर आ गया था.

ठीकेदार से 1 करोड़ की रंगदारी मांगी, पुलिस ख़ोज में जुटी

संवाददाता। केंदुआ

खास बातें
- भोजूडीह रेस्टुरेंट में चेक लेकर आने को कहा था
- दी धमकी- पैसे नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने होंगे
- पुलिस ने मोबाइल नंबर की लोकेशन बोकारो में पाई

मुनिडीह वाशरी के ठीकेदार सह दी झाकोमयू के शाखा सचिव शंकर गोराईं से सोमवार को 11 बजे मोबाइल 9229027889 से एक करोड़ रुपये रंगदारी मांगी गई.कहा गया कि एक करोड़ का चेक भोजूडीह के रेस्टुरेंट में लेकर पहुँचो.फोन करनेवाले ने धमकी व गली देते हुए कहा कि मुनिडीह वाशरी में काम करना आफत हो जाएगा पैसा नहीं देने पर गम्भीर परिणाम भुगतना पड़ेगा,काम करना है कि नहीं यहां रहना है कि नहीं मोबाइल पर धमकीपूर्ण रंगदारी मांगने की ठेकेदार ने मुनिडीह ओपी में लिखित शिकायत की है.शिकायत मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गयी,मोबइल पर कॉल करनेवाला का दोपहर ढाई बजे लोकेशन चास, बोकारो मिला.शुरू में मोबाइल ऑन था पर कुछ देर बात ही ऑफ हो गया दोपहर में ठीकेदार साथियों के साथ वाशरी परिसर में बात कर रहा था तभी उसके मोबाइल पर अनजान कॉल आया नाम पूछने पर कहा छोड़िए हम जो बोल रहे है सुनो...भोजूडीह रेस्टुरेंट में बैठे हैं,एक करोड़ का चेक लेकर आओ....मीटिंग करो...करीब चार से पांच मिनट बात करने के बाद ठेकेदार ने फोन डिस्कनेक्ट कर दिया तब पुनः दो बार रिंग आया,लेकिन ठेकेदार ने फोन नही उठाया तीसरी बार फोन आया तो रिसीव करने उधर से कहा गया कि भोजूडीह नही आ सकते तो मुनिडीह आ जाईये उधर से पूछा गया कि मुनिडीह में रेस्टुरेंट है जब बताया गया कि नही तब फोन करनेवाले ने कहा कि हमलोग छोटा मोटा आदमी है क्या ? इसके बाद फोन काट दिया. इस संबंध में मुनिडीह ओपी प्रभारी सन्तोष महतो ने कहा कि लिखित शिकायत मिलने के बाद पुलिस की जांच शुरू हो गयी है,मोबाइल पर नजर रखी जा रही है,शिकायत मिलने के बाद से पुनः कोई कॉल नहीं आया है.

झामुमो ने दिसंबर में, तो भाजपा ने कम चरण में चुनाव की मांग की

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा और राजनीतिक दलों के साथ विचार-विमर्श के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में भारत के निर्वाचन आयोग की 12 सदस्यीय टीम रांची में है. सोमवार सुबह दिल्ली से रांची पहुंची टीम में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह संधू, वरीय उप निर्वाचन आयुक्त धर्मेंद्र शर्मा, नितेश व्यास, मनीष गर्ग और उप निर्वाचन आयुक्त संजय कुमार शामिल थे. सबसे पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त रांची के होटल रेडिशन ब्लू में राज्य के प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. इसमें छह राष्ट्रीय पार्टी भाजपा, कांग्रेस, सीपीआई (एम), आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और नेशनल पीपुल्स पार्टी के अलावा तीन क्षेत्रीय पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा, आजसू पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल के प्रतिनिधि शामिल रहे. प्रत्येक दल के प्रतिनिधि को अपनी बात रखने के लिए 12 मिनट का समय दिया गया था. सभी दलों ने चुनाव को लेकर अपनी-अपनी बातें रखीं.
भाजपा ने चुनाव आयोग के समक्ष कम से कम चरण में विधानसभा चुनाव कराने का सुझाव दिया. साथ ही मांग की कि झारखंड की गृह सचिव को चुनाव कार्य से अलग रखा जाए. आयोग के साथ बैठक में भाजपा के प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद और विधि प्रकोष्ठ के सुधीर श्रीवास्तव शामिल थे. उन्होंने गृह सचिव वंदना दादेल द्वारा पार्टी के झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और सह प्रभारी असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा शर्मा पर लगाए गए सांप्रदायिकता फैलाने के आरोपों को गलत बताया. भाजपा नेताओं ने कहा कि वंदना सत्ताधारी दल के लिए काम कर रही हैं. भाजपा ने बांग्लादेशी घुसपैठ का भी मुद्दा उठाते हुए फर्जी मतदाता बनने की जांच कराने की भी चुनाव आयोग से मांग की.

औरंगजेब के भाई ने धनबाद, तेनुघाट जेलर व अधीक्षक पर ठोका हत्या का मुकदमा

संवाददाता। धनबाद

नन्हे हत्याकांड में जेल में बंद मोहम्मद औरंगजेब की जेल में मौत के मामले ने एक नया मोड़ ले लिया है. सोमवार को मृतक औरंगज़ेब के भाई साजिद अली ने तेनुघाट व धनबाद जेल के अधीक्षक, धनबाद जेल के जेलर, तेनुघाट जेल के जेलर नीरज कुमर जमादार धर्मेंद्र कुमार ,जेल डॉक्टर, एवं धनबाद जेल के बडाबाबू के खिलाफ हत्या, रंगदारी, आपराधिक षडयंत्र, सरकारी सेवक द्वारा गलत सूचना देने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया है. साजिद के अधिवक्ता उदय कुमार भट्ट ने बताया कि धनबाद के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने मुकदमे की सुनवाई के लिए 24 सितंबर की तारीख निर्धारित की है.

क्या है आरोप : अदालत में दायर शिकायत वाद में साजिद ने आरोप लगाया है कि उसका भाई नन्हे हत्याकांड में जेल में बंद था . अमन सिंह की हत्या के बाद उसके भाई को जेल प्रबंधन द्वारा शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा.साजिश के तहत उसे तेनुघाट जेल भेज दिया गया. उस समय जेल प्रबंधन द्वारा अदालत में यह लिखित दिया गया की बंदी को पूरी सुरक्षा दी जाएगी . साजिद ने आरोप लगाया है कि तेनुघाट जेल में जेलर और जमादार औरंगजेब को बेरहमी पूर्वक मारपीट करते थे और 30 हजार रुपए घर से मंगवाने का दबाव देते थे. इनकार करने पर जेलर के कहने पर जमादार धर्मेंद्र कुमार औरंगजेब को लाठी से बेरहमी पिटता था .साजिद ने आरोप लगाया है कि धनबाद जेल का बड़ा बाबू हमेशा तेनुघाट के जमादार को फोन कर औरंगजेब को प्रताड़ित करने के लिए कहता था . 3 अप्रैल 24 को साजिद के पिता के द्वारा इसकी शिकायत अदालत में की गई थी वहीं 2 अप्रैल 24 को साजिद के मां ने भी जेल आईजी ,झारखंड उच्च न्यायलय एवं धनबाद के न्यायालय में भी यह शिकायत किया था और आशंका जताई थी कि तेनुघाट जेल में औरंगजेब की हत्या कर दी जाएगी. साजिद ने आरोप लगाया है कि औरंगजेब ने जेल से फोन कर बताया था कि तेनुघाट जेल में जेलर नीरज कुमार ,जमादार धर्मेंद्र कुमार उसकी हत्या करवा देंगे यदि वह रूपया नहीं देगा. साजिदने आरोप लगाया है कि रंगदारी का रूपया नहीं देने के कारण आरोपियों ने षड्यंत्र के तहत 22 अगस्त 24 को उसके भाई औरंगजेब की जेल में हत्या कर दी तथा साक्ष्य छुपने के लिए बीमारी के कारण मौत बताया.

बंगाल की विश्व मंच पर उज्ज्वल छवि, सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसर

सीएम ममता सेमीकंडक्टर फैक्ट्री के लिए जमीन देगी

संवाददाता। आसनसोल

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सेमकंडक्टर फैक्ट्री लगाने के लिए जमीन देने को तैयार है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच इसी सप्ताह बातचीत में फैक्ट्री लगाने पर सहमति बनी है. ममता बनर्जी ने नाईहाटी ओर राजारहाट के इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग कलस्टर में 40 एकड़ से अधिक जमीन देने की योजना पर सहमत हैं. इस प्रोजेक्ट पर 60, 000 करोड़ रुपये निवेश होने की संभावना है. यदि सेमीकंडक्टर फैक्ट्री स्थापित होती है, तो कोलकाता और बंगाल को क्या लाभ होगा? पहला लाभ यह होगा कि यह विश्व के चिप उत्पादन मानचित्र में एक स्थायी स्थान सुनिश्चित करेगा, जिससे कोलकाता और बंगाल एक ग्लोबल कंपिटेंस सेंटर बन जाएगा.

खास बातें
- पीएम मोदी—जो बाइडेन में समझौता
- 60,000 करोड़ निवेश की संभावना

दूसरा लाभ यह होगा कि यह हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा. प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, ग्लोबल फाउंड्रीज जो फैक्ट्री यहां स्थापित करना चाहती है, वह असल में एक सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट है, जो अधिक संख्या में लोगों को रोजगार दे सकता है और इसके आधार पर कई अनुषंगी उद्योग भी विकसित हो सकते हैं, जैसे कि सिंगूर में टाटा के नैनो फैक्ट्री के मामले में हुआ था. तीसरा लाभ यह होगा कि इस परियोजना के जरिए 60,000 करोड़ का भारी निवेश आने की संभावना है, जो पूरी तरह से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश होगा, जिसकी बंगाल में बहुत जरूरत थी. इससे बंगाल की छवि विश्व मंच पर उज्ज्वल होगी. चौथा, सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट की स्थापना का प्रस्ताव राष्ट्रीय सुरक्षा, अगली पीढ़ी के टेलीकम्युनिकेशन और ग्रीन एनर्जी के विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए है. इसमें एडवांस्ड सेंसिंग, कम्युनिकेशन और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स पर जोर दिया जाएगा, जो कोलकाता और बंगाल में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसर खोलेगा. चाहे सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट राजारहाट में बने या नाईहाटी में, यह केंद्र सरकार के इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के साथ-साथ थर्डटेक और यूएस स्पेस फोर्स से भी सहायता प्राप्त करेगा. यह कोलकाता में स्पेस रिसर्च के लिए नए अवसर प्रदान करेगा. नबन्ना (राज्य सचिवालय) के अधिकारी स्वीकार कर रहे हैं कि बंगाल में ऐसी प्रतिष्ठित परियोजना बनाने की संभावना पहले कभी नहीं बनी थी. ग्लोबल फाउंड्रीज टेस्ला और नासा जैसी संस्थाओं के लिए चिप का उत्पादन करती है, और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों, विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहनों में चिप का उपयोग बढ़ रहा है. हालांकि, कोलकाता में यह निवेश स्वतः नहीं आ रहा है. इसके लिए ममता बनर्जी की सरकार ने लगभग दो साल पहले से ही तैयारी शुरू कर दी थी.

डीओ ऑफर घटाने पर असंगठित मजदूरों ने किया जमकर बवाल

संवाददाता। बरोरा

बीसीसीएल एरिया वन और ब्लॉक टू क्षेत्र के अंतर्गत संचालित कई कोलियरियों में डीओ ऑफर घटाने के विरोध में लोकलसेल असंगठित मजदूरों ने कोलियरी का कार्य बाधित कर जमकर बवाल काटा. मजदूरों ने परियोजना का चक्का जाम कर दिया और परिवहन वाहनों को जहां-तहां खड़ा करवा दिया. इस दौरान मजदूरों ने विरोध-प्रदर्शन कर प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरना पर बैठ गए. मजदूरों ने स्थानीय बीसीसीएल प्रबंधन पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी मनमानी तरीके से कोलियरी के रोड सेल का कोयला डीओ आवंटन को अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया है. जबकि बीसीसीएल के 12 एरिया में से सबसे ज्यादा गुणवत्ता और

ज्यादा मात्रा में कोयला इसी परियोजना में उपलब्ध है. यहां लगभग पांच हजार से अधिक लोकलसेल मजदूर हैं, जो सभी कोलियरियों के मुकाबले सबसे ज्यादा हैं. मजदूर नेता किशोर सिंह ने कहा कि इस परियोजना को संचालित करने के लिए सैंकड़ों रैयतों ने अपनी जमीन दी और कई गांव विस्थापित हुए. इसके बदले में स्थानीय ग्रामीणों को समुचित रोजगार दिया जाना तय हुआ था, पर स्थानीय प्रबंधन के मनमानी रवैये से परिस्थिति यह बन चुकी है कि अब यह विस्थापित ग्रामीण जिन्हें कोलडम्प में रोजगार मिल था, वो भी छीना जा रहा है. मजदूरों ने स्थानीय प्रबंधन को सीधी चेतावनी दी है कि जब तक हम मजदूरों की बात प्रबंधन नहीं सुनती है और हमारी मांग को पूरा करते हुए कोयला आवंटन बढ़ाया नहीं जाएगा, तब तक परियोजना अनिश्चितकाल के लिए चक्का जाम रहेगी.

ब्रीफ खबरें

तोपचांची में मनी बिनोद बाबू की जयंती

तोपचांची । तोपचांची में भी बिनोद बाबू की जयंती मनाई गई. इस अवसर पर जदयू के प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया. मौके पर दीप नारायण सिंह ने कहा कि बिनोद बाबू ने गांव के लोगों के बीच शिक्षा का अलख जगाया और पढो और लड़ो का नारा दिया. झारखंड अलग राज्य निर्माण में उनके संघर्ष को भुलाया नहीं जा सकता. माल्यार्पण करने वालों में सहदेव प्रसाद सिंह, गोपाल चन्द्र गोप, दीपक कुमार महतो, अशोक कुमार दास, तारा बाबू, सपन दुबे, प्रदीप कुमार सिंह, प्रिंस कुमार, सुभाष सिंह समेत पार्टी के अन्य कार्यकर्ता शामिल थे.

भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा की तैयारी को लेकर बैठक

धनबाद। जगजीवन नगर स्थित विधायक राज सिन्हा के आवासीय कार्यालय में भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को लेकर सोमवार को बैठक हुई. बैठक में संकल्प यात्रा की अब तक की तैयारी पर चर्चा हुई. चर्चा के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को आवश्यक निर्देश दिए. बैठक की अध्यक्षता भाजपा महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने की. मौके पर विधायक राज सिन्हा, जिला प्रभारी सुनील पासवान, मानस प्रसून, अभिमन्यु कुमार, नरेंद्र त्रिवेदी, अनिल सिन्हा, पुरुषोत्तम रंजन बबलू, मनोज सिंह, गोबिंदा राउत, सूरज पासवान, संजय कुशवाहा, सुन्नी रवानी, किशोर मंडल, निर्मल प्रधान, रवि सिन्हा, सोनू सिंह समेत पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

भारतीय मजदूर संघ करेगा विशाल प्रदर्शन

धनबादः भारतीय मजदूर संघ की औद्योगिक इकाई अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ ने केन्द्र सरकार और कोल इण्डिया की मजदूर विरोधी नीतियों के विरोध में आंदोलन का ऐलान किया है। इसी कड़ी में, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड में 26 सितंबर को क्षेत्रीय मुख्यालय पर और 30 सितंबर को कोयला भवन पर विशाल प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री उमेश कुमार सिंह ने कहा कि यह आंदोलन शुद्ध रूप से उद्योग और श्रमिक समस्याओं को लेकर है, जिसमें सरकार देश के कोयला मजदूरों के अस्तित्व को समाप्त करना चाहती है। उन्होंने सभी श्रमिकों से अपील की है कि वे अधिक संख्या में आंदोलन में भाग लें।

26 तक भरें यूजी सेमेस्टर 2 का परीक्षा फॉर्म

धनबाद । बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय धनबाद (बीबीएमकेयू) व बोकारो के डिग्री कॉलेजों के यूजी सेमेस्टर टू सत्र 22-25/26 के छात्र-छात्राओं का परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि 26 सितंबर है. 500 रुपए विलंब शुल्क के साथ 27 से 29 व एक हजार विलंब शुल्क के साथ 30 सितंबर से 1 अक्तूबर तक फॉर्म भरने का समय निर्धारित किया गया है.

भाजपा की परिवर्तन यात्रा गिरिडीह से पहुंची धनबाद, सरकार बदलने का आह्वान

क्षेत्रीय पार्टियों की सरकारें झूठी - खूनी: दिलीप घोष

खास बातें

- ममता दीदी से चोरी और सीनाजोरी सीखकर आते हैं हेमंत और झारखंड में करते हैं लागू

संवाददाता। धनबाद

धनबादः झारखंड की झामुमो की सरकार हो या फिर बंगाल में टीएमसी की सरकार, सभी क्षेत्रीय पार्टियों की सरकार लुटेरी और खूनी है। ऐसी लुटेरी और खूनी सरकारों को बदल दीजिए। यह बातें भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने कही। वह सोमवार को दोपहर टुंडी थाना मोड़ में भाजपा की परिवर्तन यात्रा को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। परिवर्तन यात्रा गिरिडीह से टुंडी होते हुए धनबाद जिले में पहुंची है। इस यात्रा में मुख्य रूप से प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष व कोडरमा के पूर्व सांसद डा. रविंद्र कुमार राय चल रहे हैं। यात्रा की शुरूआत गृह मंत्री अमित शाह ने बीस सितंबर को गिरिडीह के झारखंडधाम से की थी। दिलीप घोष ने कहा कि क्षेत्रीय पार्टियों की सरकारों की लूट के कारण सोना का बंगाल लूट खसोट का बंगाल बन गया है। यही हाल झारखंड का है। झामुमो-कांग्रेस की सरकार के कारण झारखंड पांच साल में पीछे चला गया। इस कार्यकाल में साढ़े सात हजार हत्याएं हुई। साढ़े सात हजार बेटियों से दुष्कर्म हुआ। इसके पीछे आदिवासियों का रहनुमा बने लोग हैं। यह लुटेरों और खुनियों की सरकार है। जल्द से जल्द विदाई जरूरी है। ससम्मन विदाई जरूरी है। झारखंड को उन्नत प्रदेश बनाने की जरूरत है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि हेमंत दीदी से चोरी और सीनाजोरी सीखकर आते हैं। बंगाल में दीदी के कई मंत्री, विधायक जेल में हैं। जेल का भात खाना पड़ रहा है।

आदिवासी-कुर्मी बहुल टुंडी में भाजपा की सभा से मूलवासी अनुपस्थित

टुंडी में हुई भाजपा की परिवर्तन यात्रा एवं सभा में मुट्ठी भर आदिवासी और कुर्मी महतो जुटे, लेकिन मूलवासी अनुपस्थित रहे। टुंडी विधानसभा में आदिवासी एवं कुर्मी महतो की बहुलता है, इसके बावजूद भाजपा इन मूलवासियों को साधने में असफल दिख रही है। विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा की परिवर्तन यात्रा से भाजपा को सत्ता परिवर्तन की बहुत बड़ी उम्मीद है, लेकिन टुंडी में सोमवार को हुई सभा में मुट्ठी भर ही आदिवासी व कुर्मी महतो जुटे। यह सवाल उठता है कि जब भाजपा मूलवासियों को अपने साथ लाने में सफल नहीं हो पा रही है तो परिवर्तन यात्रा से सत्ता परिवर्तन कैसे संभव होगा। भाजपा के सूत्र बताते हैं कि ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि कार्यक्रम का प्रभारी उसे बनाया गया जिसकी पहुंच टुंडी के मूलनिवासियों तक थी ही नहीं।

भाजपा की परिवर्तन यात्रा गोविंदपुर पहुंची, बेरोजगारों के मुद्दे पर चर्चा

गोविंदपुर । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की परिवर्तन यात्रा सोमवार को गोविंदपुर पहुंची। यहां टुंडी रोड सीमा पर भाजपाइयों ने परिवर्तन रथ का स्वागत किया। इसके बाद गोविंदपुर से बरवा पूर्व तक रोड शो किया गया, जिसमें पूर्व सांसद डॉ रविंद्र कुमार राय ने झारखंड के बेरोजगारों के मुद्दे पर चर्चा की। डॉ रविंद्र कुमार राय ने कहा, ₹झारखंड अब और अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेगा। आगामी चुनाव में जनता सत्ता परिवर्तन करेगी और भाजपा के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।₹उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड के बेरोजगारों को ठगा है। उन्होंने कहा, ₹नौकरी नहीं दी गई और सरकार पर्चा लीक करने वाले गिरोह को शह देती है।₹इस अवसर पर सांसद ढुलू महतो ने पश्चिम बंगाल के नेता दिलीप घोष और डॉ रविंद्र राय का स्वागत किया। यात्रा में किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू, ग्रामीण जिलाध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, यात्रा प्रभारी बलदेव महतो समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

बीएसके कॉलेज के प्राचार्य को बदलने की मांग की

एनएसयूआई ने बीबीएमकेयू कुलपति को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। धनबाद

मैथन। बीएसके कॉलेज मैथन एनएसयूआई के अध्यक्ष रितिक चटर्जी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) के कुलपति डॉ. रामकुमार सिंह से मुलाकात कर सोमवार को ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में मैथन कॉलेज के प्राचार्य को बदलने की मांग की गई है. ज्ञापन सौंपने के बाद रितिक चटर्जी ने कहा कि प्राचार्य लंबे समय से कॉलेज से अनुपस्थित रह रहे हैं. पता चला है कि उन्हें स्वास्थ्य समस्या है, जिस वजह से वे कॉलेज नहीं आ रहे. उनके लगातार अनुपस्थित रहने से कॉलेज में कामकाज प्रभावित हो रहा है. साथ ही कॉलेज के शैक्षणिक स्तर में गिरावट आई है. छात्रों के साथ-साथ शिक्षक भी परेशान है. उन्होंने कहा कि उनकी अनुपस्थिति में कॉलेज का कामकाज रुकना नहीं चाहिए. जब तक वे पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो जाते तब तक उन्हें प्राचार्य के कार्यभार से मुक्त कर किसी दूसरे को प्राचार्य का दायित्व सौंपा जाए, जिससे कॉलेज का कामकाज सुचारु रूप से चल सके.

झारखंड में परिवर्तन की तैयारी, भाजपा युवा मोर्चा ने कसी कमर : रुपेश सिन्हा

खास बातें

- स्वास्थ्य विभाग की टीम लगभग 5 घंटे बाद मृतक के घर पहुंची और मौत की जानकारी ली

संवाददाता। धनबाद

भारतीय जनता युवा मोर्चा धनबाद महानगर की बैठक भाजपा कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता नित्यानंद मंडल ने की। इस अवसर पर भाजपा अध्यक्ष श्रवण राय, प्रदेश महामंत्री रुपेश सिन्हा, मानस प्रसून, प्रभारी सुनील पासवान ने अपने विचार व्यक्त किए। रुपेश सिन्हा ने कहा, ₹झूठ की बुनियाद पर बनी हेमंत सरकार का परिवर्तन तय है। युवा मोर्चा संगठन की रीढ़ है और राज्य की जनता हेमंत सरकार से परिवर्तन करने का मन बना लिया है। हेमंत सरकार ने 5 लाख युवाओं को सालाना नौकरी देने का झूठा वादा किया था, लेकिन आज तक इसका कोई संकेत नहीं दिखा।₹ उन्होंने आगे कहा, ₹किसान, व्यापारी, सभी हेमंत सरकार से त्रस्त हैं। इसलिए राज्य की जनता हेमंत सरकार से उब चुकी है और परिवर्तन करना चाहती है।₹ श्रवण राय ने कहा, ₹झंडा, पोस्टर, फ्लेक्स से भरा दिखेगा पूरा धनबाद। हेमंत सरकार का जाना तय है। आगामी 26 तारीख को परिवर्तन रैली में जोरदार स्वागत करने का निर्णय लिया गया है।₹ बैठक में तमाल राय, सुभम बनर्जी, संतोष झा पिंटू, अमलेष सिंह, रवि मिश्रा, आयुषी गुप्ता, दिनेश रवानी, जीत सोनी, सोनू चंद्रवंशी, नीरज शर्मा, भगीरथ दास, शिवम सिंह, शिवम रवानी, विद्युत हजारी, अमित सिन्हा, साकेत श्रीवास्तव, आमोद साहू, बेबी यादव, शीबू झ, कौशल सिंह समेत कई पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक का संचालन महामंत्री तमाल राय ने किया। नित्यानंद मंडल ने कहा, ₹युवा मोर्चा पूरी मुस्तैदी के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कटिबद्ध है। जब तक हेमंत गठबंधन सरकार नहीं जाती, तब तक युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को चैन नहीं है।

न्यूज अपडेट

बीसीसीएल कर्मचारियों के लिए स्ट्रेस मैनेजमेंट सेमिनार का आयोजन

धनबाद । धनबाद में इस्कॉन धनबाद द्वारा जगजीवन नगर स्थित इस्कॉन मेडिटेशन सेंटर में बीसीसीएल कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय स्ट्रेस मैनेजमेंट सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में इस्कॉन धनबाद के अध्यक्ष नामप्रेम प्रभुजी और उपाध्यक्ष दामोदर गोविंद प्रभुजी ने विशेष रूप से भाग लिया। सेमिनार में नामप्रेम प्रभुजी ने कहा, ₹अपेक्षाओं और वास्तविकता के बीच के अंतर को ही स्ट्रेस या तनाव कहा जाता है। बदलाव का भय इसका सबसे बड़ा कारण है। मेडिटेशन और भक्ति योग के द्वारा इसका निदान संभव है।₹ सेमिनार में बीसीसीएल कर्मचारियों ने अपने व्यवहारिक जीवन से संबंधित प्रश्न पूछे और उनके उत्तर भी पाए। इसके बाद, म्यूजिक और मंत्र मेडिटेशन का वास्तविक अनुभव कराया गया और इस्कॉन स्पेशल महा प्रसाद की सुविधा भी प्रदान की गई। इस्कॉन मेडिटेशन सेंटर सदा ही बीसीसीएल और जगजीवन नगर के निवासी कर्मचारियों की सेवा में समर्पित रहा है। यहां प्रतिदिन मेडिशन सेशंस, साप्ताहिक मोटिवेशनल सेशंस आदि का आयोजन किया जाता है।

अनुपमा सिंह ने गोधर एटवाल 25 नंबर के प्रभावितों की समस्याओं का समाधान करने का किया वादा

केंदुआ । राकोमयू की कार्यकारी अध्यक्ष अनुपमा सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने गोधर एटवाल 25 नंबर में भू धँसान से प्रभावित लोगों से मुलाकात की। उन्होंने कुसुंडा क्षेत्र के जीएम से वार्ता कर सभी पीड़ितों को अविलंब सुरक्षित स्थान पर बसाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि 45 परिवार प्रभावित हैं, जिनके घरों में दरारें पड़ी हुई हैं और कई मकान ध्वस्त हो चुके हैं। वहां गैस के रिसाव और भूसंधान की समस्या भी है। उन्होंने कहा कि जब तक पुनर्वास नहीं होता, तब तक सुरक्षात्मक उपाय करते हुए पीड़ितों की जान-माल की रक्षा की जाए।

जलेश्वर महतो ने कहा, बिनोद बाबू के बताए रास्ते पर चलने की जरूरत

मधुबन। मधुबन थाना क्षेत्र के नावागढ़ मोड़ चौक पर सोमवार को बिनोद बिहारी महतो की 101 वीं जयंती मनाई गई. इस अवसर पर उनकी आदमकद प्रतिमा पर पूर्व मंत्री सह झारखण्ड प्रदेश कंग्रेस के कार्यकरी अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने माल्यार्पण किया. बिनोद बाबू को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उनके बताए रास्ते पर चलने की जरूरत है. वे मजदूरों के हित में जीवनपर्यंत संघर्ष करते रहे. श्रध्दांजलि देने वालों में समाजसेवी डेगलाल महतो, गोपाल महतो, शेख रहीम, कुलदीप महतो, नंदलाल महतो, दयाल महतो, मुकतेश्वर महतो, चेतलाल महतो, वंशी महतो, भवानी ठाकुर, साधु चरण महतो, मोहन दसौंधी, भारत महतो, संजय यादव, याकूब अंसारी, राजेश महतो समेत अन्य लोग शामिल थे.

पीएनएम कॉलेज गोमो में मनी बिनोद बाबू की जयंती

गोमो । पीएनएम कॉलेज गोमो में भी बिनोद बाबू की जयंती मनाई गई. इस अवसर पर उनके चित्र पर कॉलेज के शिक्षकों समेत छात्र-छात्राओं ने श्रध्दासुमन अर्पित किए. प्राचार्य डोमन हजाम ने कहा कि बिनोद बाबू झारखंड आंदोलन के प्रणेता थे. उन्होंने पढ़ो और लड़ो का नारा दिया था. जीवनपर्यंत उन्होंने लोगों को शिक्षित करने का प्रयास किया. वे वकालत करने से लेकर गिरिडीह से सांसद भी बने. उनकी जयंती के अवसर पर हमें लोगों को शिक्षित करने करने का संकल्प लेना चाहिए. श्रध्दासुमन अर्पित करने वालों में प्रोफेसर मृदुल चार्ली, प्रोफेसर विनय कुमार वैद्य समेत कॉलेज के अन्य शिक्षक और छात्र-छात्रा शामिल थे.

मानाटांड़ चौक पर मनी जयंती

तोपचांची । तोपचांची प्रखंड के मानटांड़ चौक स्थित बिनोद बिहारी महतो की प्रतिमा पर टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने माल्यार्पण किया. उन्होंने कहा कि बिनोद बाबू के संघर्ष को हम झारखंडियों को अपने जीवन में उतारने की जरूरत है. उन्होंने पढ़ो और लड़ो का संदेश दिया था. माल्यार्पण करने वालों में जगदीश चौधरी, मदन महतो, अंगेश महतो समेत सैंकड़ों झामुमो कार्यकर्ता शामिल थे.

बिनोद बिहारी महतो की जयंती पर गरजे आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, कहा-

सत्ता की लोभ में भटक गया है झामुमो

संवाददाता। तोपचांची

तोपचांची। झारखंड के पुरोधा बिनोद बिहारी महतो की 101 वीं जयंती के अवसर पर आजसू पार्टी की ओर से सोमवार को झारखंड नवनिर्माण संकल्प सभा का आयोजन तोपचांची के पावापुर में किया गया. सभा को संबोधित करते हुए आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो हेमंत सरकार पर जमकर बरसे. कहा कि आज का दिन झारखंड के लिए ऐतिहासिक है. झारखंड अलग राज्य बनाने का निर्णय जिस धरती पर लिया गया उसी धरती पर खड़ा होकर बिनोद बाबू को याद कर रहा हूं. जिस व्यक्ति की सोच से झामुमो का जन्म हुआ उस पार्टी की राज्य में सरकार है. सत्ता की लोभ में यह पार्टी अपने मूल उद्देश्य से भटक गई है. बिनोद बाबू मात्र नाम नहीं, बल्कि विचारधारा थे. जब कभी गांव में रहने वाली महिलाओं के अधिकारों को दबाया जाएगा तब-तब बिनोद बाबू याद किए जाएंगे. सुदेश महतो ने कहा कि जब इस क्षेत्र में बाहर की कंपनियां आई थी तब बिनोद बाबू सामने आए थे. उस समय उनके साथ कॉमरेड एके राय और शिबू सोरेन भी साथ थे. इन तीनों ने मिलकर लाल झंडा और हरा झंडा को एकीकृत किया. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के दिमाग में कभी नहीं आया कि यहां के मजदूरों को हक मिले. जो सरकार राज्य की जनता को अधिकार नहीं दे सकती उसे सत्ता में रहने का कोई हक नहीं है. हेमंत सरकार की मंईयां योजना के बारे में उन्होंने कहा कि इसे लागू करने के लिए गलत समय चुना गया. सुदेश महतो ने कहा कि बिनोद बाबू की जयंती के अवसर पर आज संकल्प लेने का दिन है. हमलोग उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प लें. खेत, खलिहान, किसान और नौजवान आजसू की प्राथमिकता है. आज क्रांति का रूप बदल गया है. बिनोद बाबू ने जिस क्रांति की रूपरेखा तैयार की थी पता नहीं वह कहां चल गया? अगर राज्य को मजबूत बनाना है तो राज्य के नवनिर्माण का संकल्प लें. यह काम झामुमो नहीं कर पाएगी. आजसू का इतिहास संघर्ष का रहा है. आजसू से जुड़े सवाल परीक्षाओं में पूछे जा रहे हैं. इस पार्टी ने झारखंड आंदोलन को जिया है. यह आंदोलनकारियों की धरती है. यहां शहीद जीवलाल महतो, सुरेश महतो समेत अन्य आंदोलनकारियों ने जन्म लिया.

झामुमो ने किया विनोद बाबू को नमन

धनबाद । झामुमो ने झारखंड के भीष्म पितामह कहे जाने वाले स्व० बिनोद बिहारी महतो की 101वीं जयंती मनाई . धनबाद स्टेशन रोड स्थित उनके आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर झामुमो नेताओं ने विनोद बाबू को श्रद्धांजलि दी . मौके पर पूर्व मंत्री सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, जिलाध्यक्ष लखी सोरेन, जिलासचिव मन्नू आलम, केंद्रीय सदस्य अमितेश सहाय, केंद्रीय सदस्य धरनीधर मंडल, जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, जिला उपाध्यक्ष कालीचरण महतो, जिला संगठन सचिव मदन महतो, पूर्व केंद्रीय सदस्य जग्गू महतो, बसंत महतो, जिला परिषद सदस्य सह महिला नेत्री लक्ष्मी मुर्मू, हराधन रजवार, महानगर अध्यक्ष मन्टू कुमार चौहान, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सद्दाम हुसैन सहित अन्य उपस्थित थे .

आसनसोल

अध्यक्ष बने सरदार अमरजीत सिंह भरारा

रानीगंज। ब्रिटिश जमाने का प्रतिष्ठित आसनसोल क्लब का मेनेजिंग कमेटी का चुनाव में सर्वाधिक वोट सरदार अमरजीत सिंह भरारा को मिले। उन्हें दो वर्षों के लिए अध्यक्ष बनाया गया है। 21 सितंबर को हुए मतदान में अमरजीत सिंह भरारा को 347 वोट मिले। क्लब के सदस्यों ने अमरजीत सिंह को समर्थन दिया एवं अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण कराया। वरिष्ठ सदस्य पवन गुटगुटिया ने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि अमरजीत सिंह भरारा कलब को और भी चार चांद लगाएंगे। क्लब का चौतरफा विकास होगा। वही बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। अमरजीत सिंह ने कहा कि कलब के सदस्यों के आशीर्वाद से ही मुझे अध्यक्ष बनने की जिम्मेदारी मिली है। सदस्यों का सहयोग लेकर क्लब के विकास में अभूतपूर्व योगदान दूंगा।

जल निकासी,नाले की मरम्मत को लेकर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

संवाददाता। पुरुलिया

पुरुलिया। पश्चिम बंगालः पुरुलिया के हुचुक पाड़ा के शेख बेशी बायलेन के निवासियों ने सोमवार को बस स्टैंड के पास सड़क जाम कर दिया, जल निकासी व्यवस्था के नवीनीकरण की मांग को लेकर। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि पार्षद विभासरंजन दास ने समस्या का समाधान नहीं किया. निवासियों ने बताया कि पुरुलिया वार्ड नंबर 5 के हुचुक पाड़ा के शेख बेचु बाईलेन इलाके में लगभग सौ परिवार रहते हैं। यहां ढेर सारे फ्लैट और होटल हैं, जिसके कारण नाले में काफी गंदा पानी जमा हो रहा है। वह गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। कई वर्षों से नालों का जीर्णोद्धार नहीं होने से अब यह समस्या और भी जटिल हो गयी है। निवासियों की शिकायत है कि वे लंबे समय से स्थानीय पार्षद विभासरंजन दास को समस्या बताते रहे हैं, लेकिन पार्षद ने कोई कार्रवाई नहीं की। निवासियों ने यह भी शिकायत की कि उन्होंने हर साल चुनाव आने पर जल निकासी की समस्या को हल करने का वादा किया था, लेकिन वोट खत्म होने के बाद वह नजर नहीं आए। सड़क जाम के बाद पुरुलिया नगर पालिका अध्यक्ष नवेंदु महाली ने इलाके का दौरा किया और जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। इसके बाद मोहल्लेवासियों ने सड़क जाम हटाया। नगर पालिका अध्यक्ष नवेंदु महाली ने कहा, ₹हम जल निकासी व्यवस्था को सुधारने के लिए काम करेंगे। हम समझते हैं कि यह समस्या लंबे समय से चली आ रही है और हम इसे जल्द से जल्द हल करने का प्रयास करेंगे।

सांकतोड़िया में सुभाष सेतु की मरम्मत में लापरवाही का आरोप

पुरुलिया। तृणमूल माइनॉरिटी सेल के सचिव अमजद अंसारी ने सुभाष सेतु की मरम्मत में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वर्षों से ब्रिज की अवस्था सुरक्षित नहीं है। जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं, जिनमें से रॉड निकला हुआ दिखाई देता है। उन्होंने आसनसोल पीडब्ल्यूडी और पुरुलिया प्रशासन से आग्रह किया कि ब्रिज की समुचित मरम्मत की जाए ताकि यह राहगीरों और वाहन चलाचल के लिए सुरक्षित हो। दुर्गा पूजा के आगमन को देखते हुए उन्होंने ब्रिज पर लाइट की व्यवस्था करने का भी आग्रह किया ताकि वाहनों और यात्री वाहनों के आवागमन में कोई दिक्कतें न हों।

आसनसोल रेल मंडल अधिकारियों ने बराकर स्टेशन का दौरा किया

संवाददाता। बराकर

बराकरः आसनसोल रेल मंडल के अधिकारियों ने स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत बराकर रेलवे स्टेशन का दौरा किया। इस दौरान डीएफएम आलोक कुमार सिंह और एपीओ ने स्टेशन के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया, जिनमें बुकिंग कार्यालय, आरक्षण कार्यालय, प्लेटफार्म, आर्ट गैलरी, शौचालय और गार्डन शामिल थे। आसनसोल रेल मंडल द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत रेल मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर जाकर स्वच्छता से संबंधित विषयों पर विशेष नजरदारी की जा रही है। इसी क्रम में बीते शनिवार को आसनसोल रेल मंडल के डीएफएम आलोक कुमार सिंह तथा एपीओ बराकर रेलवे स्टेशन पहुंचे। बराकर रेलवे स्टेशन प्रबंधक मदन गोपाल केसरी ने उनका स्वागत किया और स्टेशन के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण करवाया। इस दौरान अधिकारियों ने बराकर रेलवे स्टेशन के बुकिंग कार्यालय, आरक्षण कार्यालय, स्टेशन के दोनों प्लेटफार्म, आर्ट गैलरी, शौचालय तथा रेलवे स्टेशन पर बने गार्डन और बलतोडिया जाने वाले रेलवे पुल सहित अन्य विभागों का भी निरीक्षण किया।

सुविधाओं में सुधार के लिए विधायक प्रतिनिधि ने की वार्ता

बराकर : आसनसोल रेल मंडल के कुल्टी रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधा को लेकर विधायक प्रतिनिधि मनमोहन राय ने स्टेशन मास्टर राजीव साव से मुलाकात की। इस दौरान कुल्टी रेलवे स्टेशन के सुंदरीकरण, लाइट व्यवस्था, यात्रियों के बैठने के लिए समुचित व्यवस्था, और पीने के लिए आरओ का जल की व्यवस्था करने पर विस्तार से चर्चा हुई। विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार के नेतृत्व में सभी स्टेशनों का सौंदरीकरण और अन्य सुविधाओं का कार्य जोर-शोर से चल रहा है, जिसे देखते हुए कुल्टी रेलवे स्टेशन पर भी इन सुविधाओं को अभिलंब चालू करने के लिए रेलवे स्टेशन के मास्टर से मुलाकात की गई।

ब्रीफ खबरें

आद्रा रेल मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा

बोकारो। सोमवार को रेलवे स्टेशनों और इकाइयों में रीसाइकिल और आर्ट ऑफ वेस्टेज उत्पादों की बिक्री अभियान आयोजित किया गया।उद्देश्यः पर्यावरण संरक्षण, कचरे का पुनः उपयोग, और स्वच्छता जागरूकता।विभिन्न इकाइयों और स्टेशनों पर रीसाइकिल उत्पादों और कलात्मक वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई गई।रेलवे परिसरों, प्लेटफार्मों, ट्रेनों और सार्वजनिक स्थानों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया।रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से भाग लिया और यात्रियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया।यह अभियान महात्मा गांधी की जयंती (2 अक्टूबर) तक जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर बैठक

साहिबगंज। उपायुक्त हेमंत सती, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से समहरणालय सभागार में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यक्रम एवं सुरक्षा संबंधी लेकर विचार विमर्श जिला स्तरीय सभी पदाधिकारियों के साथ की. उपायुक्त ने सुरक्षा व विधि व्यवस्था, सेफ हाउस, पार्किंग, फोर्स डेप्लॉयमेंट, सड़क सैनिटाइजिंग, शिलान्यास, उद्घाटन, परिसंपत्तियों का वितरण एवं पूर्व में तैयारी के अनुरुप तैयारी सुनिश्चित करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए. कार्य को ससमय पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया.

विधायक ने किया पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के सिंहपुर में गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने सोमवार को मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना अन्तर्गत बोकारो जिला कसमार प्रखंड अन्तर्गत गोरियाकुदर शिवालय चौक से सिंहपुर होते हुए पकरीबांध तक पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. उक्त पथ निर्माण कार्य ग्रामीण विकास विभाग कार्य प्रमंडल बोकारो की ओर से बनाया जाएगा. इस कार्य में पथ निर्माण के अलावे 106 मीटर गार्डवाल व तीन छोटे-छोटे पुलिया का भी निर्माण होगा. इस दौरान गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने कहा कि अपने वादे के अनुसार कसमार प्रखंड के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य किया जा रहा है. जल्द ही और कई बड़ी योजनाओं का भी शुभारंभ कसमार प्रखंड में होगा. सभी गांवों में प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्यों को गति दिया जाएगा.

जनता दरबार में 82 मामलों की उपायुक्त ने की सुनवाई

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सोमवार को उपायुक्त विजया जाधव ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की. आयोजित जनता दरबार में आमजनों की भीड़ उमड़ी थी. इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 82 से ज्यादा लोगों की क्रमवार समस्याओं/शिकायतों पर सुनवाई किया. साथ ही संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया. इसके अलावा दर्जनों मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन उपायुक्त द्वारा किया गया.

अधिवक्ता विकास चंद्र झा के निधन पर शोक

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के मंजूरा निवासी 56 वर्षीय वरीय अधिवक्ता विकास चंद्र झा का निधन सोमवार को हो गया. उनके असामयिक निधन पर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी. वे पिछले 24 साल से तेनुघाट कोर्ट में अधिवक्ता के रूप में कार्य कर रहे थे. बताया जाता है कि वे लंबे समय से सुगर एवं बीपी के मरीज थे. वे नियमित इलाज के लिए दिल्ली गए थे, जहाँ उनका निधन हो गया. वे अधिवक्ता के अलावे मंजुरा पंचायत में विधि परामर्शी के रूप में भी सेवा देते थे. सोमवार शाम एम्बुलेंस से उनका पार्थिव शरीर मंजुरा लाया गया. उनके निधन पर स्थानीय जिप सदस्य अमरदीप महाराज, पूर्व प्रमुख विजय किशोर गौतम, जेएलकेएम नेता गुणानंद महतो, अमरलाल महतो, विनय कुमार, प्रकाश चंद्र झा समेत अन्य दर्जनों लोगों ने शोक व्यक्त किया है.

गावां में पीएम आवास में गड़बड़झाला, प्रखंड कार्यालय से हो रही मनमानी

चयनित नहीं होने वाले लाभुकों को भेजी जा रही राशि

- आवास योजना के कम्प्यूटर ऑपरेटर, प्रखंड कॉर्डिनेटर की भूमिका संदिग्ध

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

गिरिडीह जिले के गावां प्रखंड में पीएम आवास योजना में भारी गड़बड़ी देखने को मिल रही है. यहां प्रखंड कार्यालय से आवास योजना में भारी गड़बड़ी हो रही है. प्रखण्ड से वैसे लाभुकों को भी पीएम आवास योजना की राशि का भुगतान हो जा रहा है, जिनका चयन पंचायत स्तर से किया ही नहीं गया और ना ही उन लाभुकों का कोई रेकड़ तैयार किया गया. बावजूद इसके प्रखण्ड कार्यालय में आवास योजना से जुड़े कर्मचारियों को मनमानी के कारण पंचायत कार्यालय से बाईपास कर अपने चहेतों को अबुआ आवास योजना का लाभ दिया जा रहा है.

ऐसा ही एक मामला गावां प्रखण्ड के बादीडीह पंचायत में सामने आया है. यहां पर मुखिया और पंचायत सेवक की जानकारी के बगैर ही दो लोगों को पीएम आवास योजना का पहली किस्त का भुगतान कर दिया गया.

मालूम हो कि 13 सितंबर को गावां प्रखंड के बादीडीह पंचायत के पीएम आवास योजना के लाभुकों को पहली किस्त का भुगतान प्रखण्ड कार्यालय से किया गया. इसमें उक्त पंचायत के रूबी देवी और डब्लू यादव को भी आवास योजना की राशि भेजी गई, जबकि इन दोनों लाभुकों का चयन पंचायत स्तर पर नहीं किया गया था और ना ही इनका रेकड़ ही प्रखंड कार्यालय को पंचायत स्तर से मुहैया करवाई गई थी. वावजूद इन दोनों को आवास योजना की राशि भेज दी गई.

प्राप्त जानकारी के अनुसार रूबी देवी के पति सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं, वहीं डब्लू यादव का पहले से ही पक्का मकान बना हुआ है. इसी कारण पीएम आवास योजना की लिस्ट में नाम रहने के वावजूद पंचायत स्तर पर इन दोनों को पीएम आवास के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था. लेकिन प्रखण्ड कार्यालय में पीएम आवास योजना से जुड़े कम्प्यूटर ऑपरेटर सह लेखा सहायक अजय यादव और आवास योजना के ब्लॉक कॉर्डिनेटर से सांठगांठ कर इन दोनों लाभुकों ने पीएम आवास की पहली किस्त ले ली. विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिन दो लाभुकों को नियम विरूद्ध पीएम आवास की राशि का भुगतान किया गया है, उसमें से एक लाभुक रूबी देवी अजय यादव (आवास योजना का कम्प्यूटर ऑपरेटर सह प्रखंड लेखा सहायक) की भाभी हैं. संभावना जताई जा रही है कि इस पूरे गड़बड़ी में अजय की ही भूमिका संदिग्ध रही होगी.

क्या कहते हैं बीडीओ

गावां बीडीओ महेंद्र रविदास ने कहा कि बादिडीह पंचायत में पीएम आवास योजना में हुए गड़बड़ी संज्ञान में है और प्रखण्ड स्तर पर एक जांच टीम गठित कर मामले की जांच करवाई जा रही है. जांच रिपोर्ट में जो भी कर्मी दोषी होंगे, उनपर विभागीय कार्रवाई होगी साथ ही लाभुकों से राशि की रिकवरी भी की जाएगी.

क्या कहती है मुखिया

बादिडीह पंचायत की मुखिया मुन्नी कुमारी ने कहा कि मेरे पंचायत में दो लोगों को नियम विरुद्ध पीएम आवास योजना की पहली किस्त का भुगतान हुआ है. भुगतान होने के 2 घंटे बाद ही मैंने इस मामले की जानकारी गावां बीडीओ को लिखित रूप से देकर इसपर कार्रवाई की मांग की हूं. कहा कि बगैर पंचायत स्तर से लाभुक का चयन हुए और बगैर रेकड़ के ही प्रखंड से आवास योजना की राशि का भुगतान होना बड़ी गड़बड़ी है. इसमें दोषी लोगों लर कार्रवाई होनी चाहिए.

प्रोडक्शन रिलेटेड पे के लिए कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के सामने मजदूरों ने जताया आक्रोश

संवाददाता। बोकारो

बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ के आह्वान पर एसएमएस 2 और सीसीएस के कर्मचारियों ने प्रोडक्शन रिलेटेड पे के लिए सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया. एसएमएस 2 और सीसीएस विभाग के विभिन्न अनुभागों में कार्यरत कर्मियों ने मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के सामने पहली बार सैंकड़ों की संख्या जुटकर अपनी माँगों हेतु आक्रोश जताया.

गौरतलब है कि सेल प्रबंधन द्वारा तीन यूनियनों की सहमति तथा एनजेसीएस संविधान का उल्लंघन कर एक तरफा तरीके से एएसपीएलआईएस फॉर्मूले को लागू करने से सभी बीएसएल कर्मियों में आक्रोश है. एक तरफ कोयला, नालको, टाटा स्टील, एनएमडीसी कर्मियों को लाखों रुपया बोनस के रुप में दिया जा रहा है तो दूसरी तरफ सेल कर्मियों को मात्र 20 से 23 हजार रुपया देकर उनके हक से वंचित किया जा रहा है.

सभा को संबोधन करते हुए अध्यक्ष हरिओम ने कहा कि पिछले तीन सालों से सेल का टर्न ओवर एक लाख करोड़ रुपया से अधिक है तथा 6 सालों का एबीटा 79000 करोड़ रुपया से अधिक है, फिर भी हमें बोनस के रुप में चुरन राशि दिया जा रहा है. पांचों एनजेसीएस यूनियनें आपसी मिलीभगत से एक तरफ मैनेजमेंट के प्रस्तावों का समर्थन करती है तो दूसरी तरफ कर्मचारियों को धोखा देती है.

महासचिव दिलीप कुमार ने कहा कि प्रोडक्शन रिलेटेड पे कर्मचारियों का हक है. छोटे अधिकारी से लेकर चेयरमैन तक को पीबीटी का 5 प्रतिशत पीआरपी के रुप में कंपनी कभी घाटे में नहीं आती है लेकिन कर्मचारियों के लिए घाटे का रोना अब नहीं चलेगा.

सभा को उपाध्यक्ष मो० मुस्ताक आलम, वरिष्ठ सदस्य अर्जुन महतो, संजय कुमार, रवि ने भी संबोधित किया तथा अपनी माँगों के लिए उपस्थित कर्मचारी समूह ने नारे भी लगाये.

अंचल की कार्यशैली के खिलाफ आजसू का विरोध मार्च

जमुआ (गिरिडीह)। अंचल कार्यालय जमुआ में व्याप्त भ्रष्टाचार और जमुआ अंचलाधिकारी की कार्यशैली को लेकर आजसू पार्टी जमुआ की विरोध मार्च के बाद प्रखण्ड मुख्यालय के मुख्य द्वार पर एक दिवसीय धरना दिया गया. धरना के बाद बीडीओ को ज्ञापन सौंपा. आजसू कार्यकर्ताओं का विरोध मार्च आजसू कार्यालय से चौक होते हुए जमुआ थाना एवं प्रखण्ड मुख्यालय में धरना में तब्दील. विरोध मार्च में अंचलाधिकारी संजय पांडेय के खिलाफ जमुआ सीओ हाय हाय, सीओ होश में आओ, दाखिल खारिज व अन्य कार्यों में पैसा लेना बंद करो, गरीबों का शोषण बंद करो सहित कई नारे लगाया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जमुआ सीओ की काली करतूत से जमुआ के आम आवाम त्रस्त है. कहा कि अंचल के किसी भी काम के लिए सीओ दलाल रखा है. यहां बिना पैसा दिए कोई कार्य नहीं होता है. कहा कि सीओ के कई कारनामों के साक्ष्य आजसू के पास है. कहा कि ऐसे पदाधिकारियों को बर्खास्त किया जाना चाहिए. धरना में आजसू के जिला कार्यकारी अध्यक्ष शंकर यादव, अजय द्विवेदी, बिनोद तुरी, मोहम्मद जावेद, खुशी दास, सुजीत सिंह, चमक गोस्वामी, भोला राम, राजेंद्र राम सहित दर्जनों लोग शामिल थे.

मंत्री ने किया फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन

संवाददाता। डुमरी (गिरिडीह)।

स्व जगरनाथ महतो स्मारक समिति डुमरी द्वारा केबी हाई स्कूल के मैदान में सोमवार से पांच दिवसीय टाइगर जगरनाथ महतो मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन मंत्री बेबी देवी एवं मंत्री पुत्र झामुमो युवा नेता अखिलेश महतो राजू ने फीता काटकर एवं फुटबॉल को किक मारकर किया . 32 टीमों की सहभागिता से आयोजित टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार 50 हजार व कप, द्वितीय पुरस्कार 30 हजार व कप, तृतीय पुरस्कार एवं चतुर्थ पुरस्कार 10 हजार रुपये रखा गया है. उद्घाटन मैच शू मार्शल क्लब कानाडीह एवं सोरेन एफसी जीतकुंडी के बीच खेला गया. जिसमें कानाडीह 3 गोल से जीत हासिल किया. इस दौरान एलआरडीसी जीतराय मुर्मू 20 सूत्री अध्यक्ष डेगलाल महतो, झामुमो नेता राजकुमार पांडेय, प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो, भोला सिंह टूर्नामेंट के प्रबंधक पंकज महतो, खेल संचालक उपेंद्र महतो, बबलू रजक, रितिक कुमार, आयोजन कमेटी अध्यक्ष मिथलेश महतो, उपाध्यक्ष हेमलाल हांसदा, सचिव भोली महतो, कोषाध्यक्ष उमाशंकर महतो, क्षेत्र प्रबंधक सोनू सोहेल, राजकुमार मेहता, मुखिया नूरुद्दीन अंसारी, घनश्याम महतो, असलम अंसारी, नारायण महतो, मुखिया रीना कुमारी, जगदीश महतो, अर्जुन महतो आदि दर्जनों खेल प्रेमी उपस्थित थे.

जमुआ विधानसभा क्षेत्र- तीन टर्म के विधायक हैं केदार हाजरा

केदार हाजरा को चुनौती दे पाएंगे डॉ. शैलेंद्र?

अभय वर्मा। गिरिडीह

चुनावी मौसम में कई को अपनों से चुनौती मिल रही है. इन्हीं में शामिल है जमुआ विधानसभा क्षेत्र. यहां इन दिनों डॉ. शैलेंद्र कुमार चौधरी का नाम खासा चर्चित हो रहा है. फिलहाल फेसबुक पर शहर के मशहूर चिकित्सक सह भाजपा नेता डॉ. चौधरी हाजरा के समक्ष चुनौती पेश कर रहे हैं. हालांकि भाजपा सूत्र की मानें तो किसी भी भाजपाई सिटिंग विधायक की टिकट आलाकमान इस बार नहीं कटेगी. आगामी विधानसभा चुनाव में राज्य में भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीच जोरदार टक्कर की संभावना जताई जा रही है. दोनों पक्षों के सहयोगी दल इस महासमर में सारथी की भूमिका निभाएंगे. यहां सबसे बड़ी बात यह है कि डॉ. चौधरी ऐसे विधायक के समक्ष चुनौती पेश कर रहे हैं जिनके नाम भाजपा की ओर से हैट्रिक जीत दर्ज है.

मालूम हो कि जमुआ विधानसभा क्षेत्र से केदार हाजरा भाजपा की टिकट पर 2005, 2014 और 2019 तीन बार जीत दर्ज की है. 2019 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के डॉ. मंजू कुमारी ने हाजरा को कड़ी चुनौती दी थी, पर अंततः मंजू को करीबी हार नसीब हुई. इस बार चुनाव से पूर्व भाजपा के भीतर ही हाजरा को चुनौती दी जा रही है. यह भी सच है कि भाजपा में कई ऐसे उदाहरण हैं कि जब तीन से पांच बार रहे संसद और विधायक की टिकट काटी गई है, पर हाजरा के साथ एक प्लस प्वाईंट यह है कि जब भाजपा में 2006 का बवंडर उठा, तब भी हाजरा भाजपा का दामन थामें रहे.

मालूम हो कि 2006 में जब बाबूलाल मरांडी ने भाजपा को अलविदा कहा था, तब गिरिडीह में ऐसा राजनीतिक जलजला आया कि दर्जन भर प्रखंड अध्यक्ष और जिला स्तरीय नेताओं ने भाजपा को छोड़ मरांडी के साथ हो लिए थे, तब भी हाजरा भाजपा की डोर थामें रहे थे. हालांकि हाजरा तब भी बाबूलाल के खास थे, बावजूद उन्होंने पार्टी को तवज्जों दी. ऐसी स्थिति में भाजपा में केदार की अनदेखी की जा सकती है, इसकी कम संभावना है. वहीं चुनौती दे रहे डॉ. चौधरी की अब तक ना कोई राजनीतिक पहचान बनी है और ना ही सामाजिक कार्यों में कोई उल्लेखनीय उपलब्धि रही है. कोरोना काल हो या आम दिन इलाज की शहर में सबसे ऊंची कीमत वसूली है. यह फेसबुक पर लगातार आ रही कमेंट से भी जाहिर है. हालांकि डॉ. चौधरी व्यवस्था सुधार का दावा कर आम लोगों के दिलों में स्थान बनाने का प्रयास कर रहे हैं, पर उनके दावों पर कितनों को यकीन है यह भविष्य बताएगा. पर उससे पूर्व डॉ. चौधरी को चुनावी टिकट की जरूरत है. क्या यह संभव हो पाएगा? सबसे बड़ा सवाल यही है. सवाल यह भी की केदार की अनदेखी की गई तो पार्टी में तीन दशक से काम कर रहे दारा हाजरा क्यों नहीं? दारा हाजरा की भी जमुआ विधानसभा क्षेत्र में जबरदस्त पकड़ है.

डीपीएस बोकारो में चार दिवसीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता 24 से, 1200 खिलाड़ी लेंगे भाग

ऐतिहासिक आयोजन की तमाम तैयारियां पूरी : डॉ. गंगवार

- झारखंड–बिहार से 64 स्कूलों के खिलाड़ी 27 तक दिखाएंगे अपना दमखम

संवाददाता। बोकारो

डीपीएस बोकारो की मेजबानी में इस्पात नगरी बोकारो खेल-जगत के एक वृहद आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है. विद्यालय परिसर में चार दिवसीय सीबीएसई क्लस्टर- 3 अंतर विद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता 24 सितंबर (मंगलवार) से शुरू हो रही है. आगामी 27 सितंबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में झारखंड, बिहार के सीबीएसई संबद्ध कुल 64 विद्यालयों से लगभग 1200 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं. क्लस्टर लेवल पर सफल होने वाली टीमों को सीबीएसई नेशनल टूर्नामेंट में भाग लेने का मौका मिलेगा. बालिका वर्ग के लिए इंदौर (मध्य प्रदेश) में आगामी 9-13 अक्टूबर तथा बालकों के लिए आगरा (उत्तर प्रदेश) में 14-20 अक्टूबर को राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता होगी.

डीपीएस बोकारो के प्राचार्य एवं प्रतियोगिता आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. ए एस गंगवार ने सोमवार को प्रेसवार्ता में इस आशय की जानकारी दी. उन्होंने इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता की मेजबानी डीपीएस बोकारो को मिलना गर्व का विषय बताया. उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के ऐतिहासिक, भव्य और सफल आयोजन की तमाम तैयारियां पूरी कर ली गई है. इसके लिए पूरा विद्यालय परिवार प्रतिबद्ध है. खिलाड़ियों के ठहरने, खाने-पीने आदि की समुचित व्यवस्था विद्यालय परिसर में ही की गई है. उनकी सभी सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा गया है. खिलाड़ियों के जत्थे का आना सोमवार सुबह से ही शुरू हो गया.

डॉ. गंगवार ने बताया कि प्रतियोगिता अंडर- 14, अंडर- 17 और अंडर- 19 आयु वर्गों में हो रही है, जिसमें कुल 121 टीमें हिस्सा ले रही हैं. अंडर- 14 आयु वर्ग के बालक वर्ग में 19, बालिकाओं में 14, अंडर- 17 आयु वर्ग के बालक वर्ग में 31, बालिका वर्ग में 16 तथा अंडर- 19 बालक वर्ग में 24 एवं बालिकाओं में 17 टीमें भाग लेंगी. विद्यालय परिसर स्थित कुल तीन बास्केटबॉल कोर्ट में रोजाना 25-30 तथा पूरी प्रतियोगिता के दौरान कुल 116 मैच खेले जाएंगे. इनमें रांची, बोकारो, धनबाद, पटना, गोपालगंज, गया, मुजफ्फरपुर, जमशेदपुर, पूर्णिया, कटिहार, मुंगेर, बक्सर, सिवान, दरभंगा, लोहरदगा समेत झारखंड-बिहार से विभिन्न जिलों के सैकड़ों प्रतिभागी अपने दमखम दिखाएंगे.

उन्होंने बताया कि 24 सितंबर को प्रातः 9.00 बजे भव्य समारोह के साथ प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ होगा. उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व ओलंपियन एवं झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष हरभजन सिंह होंगे. जबकि, सम्मानित अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय साइक्लिस्ट एवं स्पेशल ओलंपिक के ऑफिशियल सतबीर सिंह सहोता उपस्थित रहेंगे. वहीं, 27 सितंबर को अपराह्न बेला में विजेता टीमों को पुरस्कार वितरण के साथ समारोहपूर्वक प्रतियोगिता का समापन होगा. समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भारतीय बास्केटबॉल की बालिका टीम के कोच उमाकांत सिंह शिरकत करेंगे. मालूम हो कि सीबीएसई की क्लस्टर स्तरीय यह प्रतियोगिता प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती है. गत वर्ष जमशेदपुर में इसका आयोजन किया गया था.

प्रेसवार्ता में प्राचार्य डॉ. गंगवार के अलावा आयोजन समिति के उपाध्यक्ष एवं विद्यालय के उप प्राचार्य अंजनी भूषण, उप प्राचार्या मनीषा शर्मा व शालिनी शर्मा तथा आयोजन सचिव एवं डीपीएस बोकारो के वरिष्ठ क्रीड़ा शिक्षक ब्रजेश कुमार सिंह भी उपस्थित थे.

फोरलेन सड़क के लिए घर खाली करने का आदेश

कसमार (बोकारो)। भारत माला परियोजना के अन्तर्गत जैनामोड़-गोला ओरमांझी सेक्शन पर फोर-लेन सड़क का निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है. इसके लिए भू-अर्जन द्वारा जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरा करने के बाद मुआवजा राशि का भुगतान भी कर दिया गया है, लेकिन मुआवजा राशि के भुगतान के बाद भी रैयतों द्वारा मकान खाली नहीं की जा रही है. सोमवार को बेरमो एसडीएम ने कसमार थाना क्षेत्र के कमलापुर क्षेत्र में पड़ने वाली फोर-लेन सड़क किनारे बने मकानों को एक सप्ताह के अंदर ध्वस्त करने का निर्देश रैयतों को दिया है. एसडीएम ने रैयतों को नोटिस भेजते हुए कहा है कि जिला भू-अर्जन कार्यालय द्वारा रैयतों को मुआवजा राशि का भुगतान कर देने के बाद भी मकानों को तोड़ा नहीं जाना आदेश की अवहेलना है. उन्होंने नोटिस जारी करते हुए बताया है कि कमलापुर निवासी रैयत सुमन देवी, लखीचरण नायक, मनी देवी, चांदमनी देवी, सुनीता देवी, ललीता कुमारी, सरिता कुमारी, संतोष कुमार महतो, शांति देवी, निमिया देवी, लखीराम महतो, मनोज कुमार महतो, तारा देवी सभी कमलापुर मौजा के रैयत हैं. जिनका मुआवजा राशि का भुगतान विभाग द्वारा कर दिया गया है, लेकिन रैयतों द्वारा अभी तक अपनी संरचना नहीं हटाया गया है. एसडीओ ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी को नोटिस के माध्यम से पत्र निर्गत होने के एक सप्ताह के अंदर रैयत को अपनी भूमि या भूमि पर निर्मित संरचना स्वयं हटाने का निर्देश दिया गया है. अन्यथा विभाग विधिसम्मत कारवाई करेगी.

स्व बिनोद बिहारी महतो को दी गई श्रद्धांजलि

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के खुदीबेड़ा स्थित हिसीम चौक में सोमवार को विनोद बिहारी महतो के प्रतिमा स्थल पर सोमवार को आजसू पार्टी की कसमार प्रखंड कमेटी ने झारखंड आंदोलन के प्रणेता स्वर्गीय विनोद बिहारी महतो की 101वीं जयंती मनायी. मौके पर मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक डॉ लंबोदर महतो समेत अन्य पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने विनोद बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ लंबोदर ने कहा कि विनोद बाबू के सपनों के अनुरूप झारखंड का निर्माण करने के लिए उनके पढ़ो और लड़ो का नारा आज भी प्रासंगिक है और उसे मजबूत करने की जरूरत है. मौके पर पूर्व जिप सदस्य विमल कुमार जायसवाल, आजसू के जिला प्रवक्ता उमेश कुमार जायसवाल, प्रखंड महेंद्रनाथ महतो, डॉ जीतलाल महतो, घनश्याम महतो, चंद्रदेव चौधरी, सूरज टुडू, संजय जायसवाल, डॉ अखिलेश्वर महतो, मधुसूदन झा, शिशुपाल महतो, कपिल सिंह, शुभम झा, विवेक ठाकुर, कृष्ण रंजन शर्मा, सुजीत महतो, राजेश मुर्मू, ललन महतो, रूपेश कुमार महतो, उमेश महतो आदि मौजूद थे.

साहिबगंज शहर के कई मोहल्ले में घुसा बाढ़ का पानी

साहिबगंज। साहिबगंज शहर के हब्बीपुर, पाइप रोड, भरतिया कॉलोनी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से पानी भर गया है. इस साल तीसरी बार गंगा का जल स्तर खतरे के निशान को पार कर गया है. दरअसल, गंगा का जल स्तर बढ़ने का सिलसिला पिछले करीब एक सप्ताह से जारी है. बीते 16 अगस्त के बाद गंगा का जल स्तर घट कर खतरे के निशान से नीचे व चेतावनी रेखा के पास पहुंच गया था. करीब सप्ताह भर से फिर एका एक जल स्तर बढ़ने से दियारावासी परेशान हैं. केलाई समेत अन्य फसल फिर से डूब गई हैं. हरप्रसाद समेत अन्य दियारा क्षेत्र में गंगा से कटाव भी खूब हो रहा है. केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार, शनिवार को यहां जलस्तर 27.92 मी. पर था. सोमवार की सुबह 28.17 मी. तक पहुंच गया. इस साल अब तक गंगा का अधिकतम जलस्तर 28.10 मीटर तक ही गया था. उसके बाद घटने लगा था. सोमवार को इस साल के अधिकतम जलस्तर पर आ गया है. बताया गया कि गंगा के ऊपरी इलाकों बक्सर, पटना आदि में पानी घट रहा है.

झारखंड स्टेट की चैंपियन बनी देवघर की सोनी गुप्ता

देवघर। 8 दिवसीय रांची नामकुम स्थित आर के आनंद लॉन बॉल स्टेडियम में आयोजित 14वीं राज्य स्तरीय लॉन बॉल प्रतियोगिता में देवघर ने अपना लोहा मनवाया. 16 से 24 सितंबर चलने वाले इस प्रतियोगिता में झारखंड से करीब 60 से 70 खिलाड़ियों ने भाग लिए, उसमें कई नेशनल और इंटरनेशनल खिलाड़ी भी शामिल थे. एकल इवेंट में देवघर की सोनी गुप्ता ने अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी सरिता कुमारी को 21-18 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया. वहीं छोटी कुमारी ने एक सिल्वर और 2 ब्रोंज मेडल जीता, शुभम सांडिल्य ने ब्रोंज, सूरज केसरी ने भी अपने-अपने इवेंट फोर्स में सिल्वर और ट्रिपल में ब्रोंज पदक जीता.

विधायक प्रतिनिधि ने जलापूर्ति योजना का लिया जायजा

कथारा। बेरमो विधायक प्रतिनिधि विल्सन फ्रांसिस उर्फ बबलू ने जारंगडीह स्थित बेरमो बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजना की फिल्टर प्लांट का जायजा लेने पहुंचे और 10 दिनों से 12 पंचायतों में बाधित जलापूर्ति की कारणों की जानकारी कार्य कर रहे लोगों से प्राप्त किया. जहां कार्य देख रहे विशेष कुमार ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब होने की वजह से पंचायतों में जलापूर्ति बाधित की समस्या उत्पन्न हुई है. वहीं बेरमो विधायक प्रतिनिधि विल्सन फ्रांसिस ने बताया कि बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह के निर्देश पर फिल्टर प्लांट का जायजा लेने पहुंचे थे. दरअसल उक्त समस्या की जानकारी बेरमो विधायक को पंचायत के लोगों द्वारा प्राप्त हुई थी. जिस मामले पर संज्ञान लेते हुए वास्तविक कारणों की जानकारी मुहैया कराने की निर्देश प्राप्त होते ही जायजा करने पहुंचे हैं और वर्तमान समय में जो स्थिति है उससे बेरमो विधायक को अवगत कराया जायेगा. मौके पर ललित रजक, जितेन्द्र पासवान भी मौजूद थे.

संकल्प सृजन ने किया दंत चिकित्सा शिविर आयोजित

बोकारो। राष्ट्रीय सेवा भारती एवं नीति आयोग से संबद्ध सामाजिक संस्था संकल्प सृजन झारखंड प्रदेश के तत्वावधान में बोकारो महानगर की ओर से सुपोषण माह के तहत दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन संस्था के स्थानीय कार्यालय में किया गया. भारत क्लिनिक की डॉ० तान्या गोहिल एवं उनके टीम के श्रेष्ठ चिकित्सकों द्वारा शिविर के माध्यम से लगभग 300 (बच्चे, बडे, बुजूर्ग) लोगों के दांत, मसूढा एवं संबंधित अन्य कठिनाइयों की सुक्ष्मता से जांच कर समाधान बतलाया गया. विशेष रूप से खान पान की ओर ध्यान इंगित कराते हुए डॉ० ऋचा चौरसिया ने सावधानी बरतने एवं मुँह की सफाई पर ध्यान देने की बात कही. मिठाई, चाकलेट, जंक फूड, अधिक बिस्किट आदि के सेवन से दाँतों में सडन पैदा होती है। डॉ० तान्या गोहिल ने उपस्थित मरीजों को दाँतो की समस्या व सामाधान से संबंधित बातें बतलाते हुए प्रतिदिन नियमित रूप से दो बार दाँतों की अच्छी सफाई पर ध्यान देने की बात कही.

बेरमो में स्व बिनोद बिहारी महतो की 101वीं जयंती मनी

कथारा। झामुमो फुसरो नगर कमिटी की ओर से मकोली मोड़ स्थित बिनोद बिहारी महतो चौक में स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो की 101 वीं जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया. मौके पर उपस्थित लोगों ने बिनोद बिहारी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया. झामुमो जिला अध्यक्ष हीरालाल मांझी ने कहा कि स्वर्गीय विनोद महतो झारखंड के लिए आजीवन संघर्ष किया, आज उनके अधूरे सपने को पूरा करने की जिम्मेदारी है. इस जिम्मेदारी को निर्वहन करना ही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी. मुख्य अतिथि ढोरी क्षेत्र के महाप्रबंधक रंजय सिन्हा ने कहा कि पढ़ो और लड़ो का नारा देने के साथ सामाजिक कुरीतियों के अलावा महाजनी शोषण का भी तीव्र विरोध कर बिनोद बिहारी ने लोगों के साथ आंदोलन चलाया. यही कारण है कि धनबाद और इसके आसपास जिलों के ग्रामीण जागरूक हुए हैं.

राजमहल परियोजना में पौधरोपण

ललमटिया। ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड की ओर से ईसीएल की राजमहल परियोजना क्षेत्र में स्वच्छता ही सेवा 2024 कार्यक्रम को लेकर एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधरोपण अभियान चलाया गया. सोमवार को ललमटिया कोलियरी के महाप्रबंधक प्रभारी रूपानंद नायक के नेतृत्व में शुरू किए गए कार्यक्रम के तहत पौधा का वितरण भी किया गया. पौधरोपण अभियान के तहत ढाई सौ से अधिक फलदार व छायादार पौधा राजमहल परियोजना के ओसीपी कार्यालय तथा आरसीएमएल कार्यालय में लगाया गया.

गिरिडीह के जशपुर में स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम

गिरिडीह। गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गिरिडीह प्रखंड के जशपुर पंचायत के ग्राम बल्हो में सोमवार को स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में सदर विधायक के प्रतिनिधि के रूप में झामुमो नेता कृष्ण मुरारी शर्मा, गिरिडीह प्रखंड प्रमुख पुनम देवी, जशपुर पंचायत की मुखिया बुधनी देवी, मटरूखा पंचायत के मुखिया रविंद्र कुमार ने मुख्य रूप से भाग लिया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गिरिडीह सदर प्रखंड के प्रमुख पुनम देवी ने कहा कि इस तरह की बैठकों से स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरुकता आती है और लोग बीमारियों से बचते है. कार्यक्रम में झामुमो नेता गौरीशंकर यादव, सीएचओ प्रार्थना, आरूषि कुमारी, काजल कुमारी, एकजुट के डीपीसी दीपक सिन्हा, सहिया साथी मीना देवी, रिंकी देवी, सोनी देवी, सहिया दीदी निलम देवी, प्रमिला टुडू, पानमुनी देवी, तब्सुम खातुन, तलत प्रवीन, शबनम प्रवीण, ममता देवी, बीणा देवी, रीना देवी, रीता देवी, निरंजन मंडल, राजू दास मुरलीधर, अशोक मंडल, सागर दास, चांद टुडू, श्यामलाल टुडू, नंदकिशोर सिंह आदि मौजूद थे.

श्रीलंका में दिसानायके

नव उदारवादी आर्थिक नीतियों से बढ़ती असमानता के कारण आम लोगों के राजनीतिक रूझानों में तेजी से बदलाव हो रहा है. शासक समूहों को इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. श्रीलंका में कम्युनिस्ट नेता अनुरा कुमारा दिसानायके का राष्ट्रपति चुना जाना अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की शर्तो से पैदा होने वाली गरीब और मध्यवर्गीय जनता के रोष का नतीजा है. एक ओर दुनिया के चार बड़े देशों भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान का मंच क्वाड चीन को घेरने की रणनीति पर तेजी से कार्यरत हैं. दूसरी ओर श्रीलंका में चीन समर्थक दिसानायके की जीत का भारत और पश्चिमी दुनिया के साथ संबंधों पर पर असर को ले कर विशेषज्ञों का अनुमान सकारात्मक नहीं है. श्रीलंका में दो साल पहले जिस तरह जनता के विद्रोह के कारण तत्कालीन राष्ट्रपति राजपक्षे देश छोड़ कर भाग गए थे, उसके बाद विक्रमसिंघे ने दो सालों तक शासन किया और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास किया. विक्रमसिंघे ढाई प्रतिशत की विकास दर लाने में कामयाब तो हुए, लेकिन इस बीच आईएमएफ की शर्तो के कारण देश में आम लोगों का जीवन स्तर प्रभावित हुआ. मंहगाई की एक नई लहर श्रीलंका को घेरे हुए है. इस बीच दिसानायके ने नवउदारवादी आर्थिक नीतियों से अलग देश की जनता के हित में आर्थिक नीतियों का वायदा कर लोगों का दिल जीता . उनके वायदे में अडानी के प्रोजेक्ट का भी मामला है, जिसे वे रद्द करने की बात कर रहे है. चुनावों के समय दिसानायके की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें पिछले दिनों दिल्ली आमंत्रित किया गया था. भारत ने उनके रुख में नरमी लाने की कोशिश की है. चुनाव अभियान के दौरान भी दिसानायके की यह नरमी देखने को मिली. वे सभी पड़ोसी देशों के साथ बराबरी के स्तर पर दोस्ताना रिश्ते की बात कर रहे हैं. दिसनायके जनता विमुक्ति पेरामुना (पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट) के नेता हैं, जो श्रीलंका में एक मार्क्सवादी-लेनिनवादी कम्युनिस्ट पार्टी है. पार्टी पहले एक क्रांतिकारी आंदोलन थी और श्रीलंका सरकार के खिलाफ दो सशस्त्र विद्रोहों में शामिल थीः एक बार 1971 में (एसएलएफपी), और दूसरा 1987-89 में (यूएनपी). लेकिन इसके बाद से जविपे की नीतियों में बहुत बदलाव आया है. पिछले चुनाव में इस पार्टी को मात्र साढ़े तीन प्रतिशत वोट हासिल हुए थे. लेकिन नवउदारवादी आर्थिक नीतियों का परिणाम यह हुआ कि यह पार्टी सत्ता तक पहुंच गयी. अगले साल श्रीलंका में संसदीय चुनाव होने को हैं. दिसानायके को उसके पहले अपने वायदों के अनुरूप लोगों की जिंदगियों में मौजूद समस्याओं के हल की दिशा में तेज कदम उठाना होगा.

> चुनावों के समय दिसानायके की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें पिछले दिनों दिल्ली आमंत्रित किया गया था. भारत ने उनके रुख में नरमी लाने की कोशिश की है. चुनाव अभियान के दौरान भी दिसानायके की यह नरमी देखने को मिली.

सुभाषित

विद्या ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मं ततः सुखम्॥

सुखी होने के लिए विद्या की आवश्यकता अनिवार्य है भले ही वह किसी भी प्रकार की हो और उसके साथ ही विनय भी अति आवश्यक है. विनय हीन विद्या किसी काम की नही है. यदि आपके पास विद्या है तो उससे आपमें विनय आएगा और विनय से आप किसी योग्य बनेंगे आपमे पात्रता आएगी और पात्र होनेसे धन अपने आप ही आपके पास आएगा ओर धन होगा तो आप धर्म कार्य कर पाएंगे और कार्य से आपको आनंद स्वरूप सुख की प्राप्ति होगी तो इस तरह से विद्या अर्जन अति आवश्यक है.

चुनावी घोषणाएं और हमलोग

महाराष्ट्र और झारखंड राज्यों के लिए भी राजनीतिक दलों की राम रसोई में सुस्वादु सुमधुर और स्वरुचि के पकवान बन रहे होंगे, बस घोषणाओं की प्रतीक्षा है. यहां भी घोषणा पत्र बड़े दम-खम के साथ जारी किये जाएंगे. अभी पार्टियां इस बात का सुराग लगाने में परेशान है कि कोई मुद्दा विरोधी लपक मत लें, अन्यथा हाथ मलते रह जाएंगे! महत्वपूर्ण यह है कि नीति, सिद्धांत और कार्यक्रमों का संयोजन ऐसा हो कि जीवन का कोई कोना अछूता न रह जाए.

चुनाव चाहे पंचायत के मुखिया सरपंच का हो या सर्वोच्च लोकसभा का, घोषणाओं, वादों, आश्वासनों, संकल्पों या प्रतिबद्धताओं (नाम जो चाहे रखिए) का महत्व बहुत बढ़ गया है! इस सर्वाधिक चुनावी महत्व के दस्तावेज की तैयारी में लोक भागीदारी की खूब चर्चा होती है तो बड़े-बड़े विशेषज्ञों की राय ली जाती है. राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, राज्य दलों की कौन कहे घोषणा पत्र की रेस में छुटभैया दलों और यहां तक कि निर्दलीय भी अब पीछे नहीं रहे हैं. स्वतंत्र भारत में चुनाव तो 1952 से होते हैं, पर उन दिनों राष्ट्रीय पार्टियां ही दलीय नीतियों, सिद्धांतों एवं कार्यक्रमों के आलोक में घोषणा पत्र को महत्व देती थीं. इस रेस में कुछ खास को छोड़कर राज्य स्तरीय पार्टियां आमतौर पर घोषणा पत्र जारी नहीं करती थीं. बाद में धीरे-धीरे प्रतिबद्धताएं बढ़ती गईं और चुनावी आश्वासनों ने आसमान छू लिया. खासकर लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव में तो घोषणा पत्र ब्रह्मास्त्र जैसे लगने लगे. इसे ऐसा दागा जाने लगा मानो वादों, आश्वासनों के बल-बूते ही वोट रूपी वृक्ष के सारे फल झोली में टपक पड़ेंगे !..और फिर पांच वर्षों का क्या कहना? यह मतदाताओं के बीच भरोसा जगाने वाला अद्भुत काल्पनिक मोदक है, जो सारी इच्छाओं, आकांक्षाओं, आवश्यकताओं और मनोकामनाओं को पूरा करने में सक्षम है! इसमें मतदाताओं अर्थात नागरिकों को कुछ नहीं करना है, सब कुछ सरकार में आने पर स्वतः दलों की सरकार कर देगी! आप हाथ पैर हाथ धरे बैठे रहिए, आपके घर में लक्ष्मी, सरस्वती सबको ये राजनीतिक दल स्वतः उतार देंगे.

अभी चार राज्यों में चुनाव की घड़ी आई है, जिनमें दो अर्थात जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में जनता अपने भाग्य विधाताओं के चुनाव में परेशान है. महाराष्ट्र और झारखंड चुनावी मैदान में कूदने के लिए कमर कस कर तैयार हैं. जम्मू कश्मीर और हरियाणा, जहां चुनाव हो रहे हैं, के मतदाताओं के सामने घोषणाओं के मोदक स्वर्णिम तश्तरियों में परोसे जा रहे हैं. महाराष्ट्र और झारखंड राज्यों के लिए भी राजनीतिक दलों की राम रसोई में सुस्वादु सुमधुर और स्वरुचि के पकवान बन रहे होंगे, बस घोषणाओं की प्रतीक्षा है. यहां भी घोषणा पत्र बड़े दम-खम के साथ जारी किये जाएंगे. अभी पार्टियां इस बात का सुराग लगाने में परेशान है कि कोई मुद्दा विरोधी लपक मत लें, अन्यथा हाथ मलते रह जाएंगे! महत्वपूर्ण यह है कि नीति, सिद्धांत और कार्यक्रमों का संयोजन ऐसा हो कि जीवन का कोई कोना अछूता न रह जाए. युवा शक्ति, महिला, कृषक, व्यवसाय, उद्यमी, कार्यरत, बेरोजगार, गरीब, अमीर, सभी सेवी वर्ग, सेवाएं अर्थात सामाजिक जीवन का कोई भी पक्ष छूटने न पाए.

• देश-काल

अयोध्या नाथ मिश्र

प्रायः इस दौर में सत्ताधारी दल और विपक्ष अर्थात संभावित सरकार और प्रतिपक्ष पर लोगों की विशेष नजर रहती हैं. जम्मू कश्मीर में तो लंबे अरसे के बाद चुनाव हो रहे हैं. चुनाव में सीधे तौर पर दो मोर्चे नहीं हैं, पर भाजपा और कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस दो धड़े स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं .हां ,तीसरे चौथे तौर पर क्षेत्रीय दल और कुछ स्वतंत्र प्रत्याशी माहौल को ठंडे में गर्म कर रहे हैं. दूसरा महत्वपूर्ण राज्य, जहां चुनावी दौर जारी है, वह है हरियाणा. हरियाणा अपनी उद्यमशीलता, कृषि सेवाओं और उत्पादकता के लिए प्रसिद्ध है. यहां भारतीय जनता पार्टी लगातार दो बार सत्तारूढ़ हो चुकी है. दोनों ही राज्यों में घोषणा पत्रों का गर्जन-तर्जन जोर-जोर से सुनाई पड़ रहा है. 90 में से 31 सीटों पर चुनाव लड़ रही कांग्रेस पार्टी ने एक ओर जहां बेरोजगारों को 3500 बेरोजगारी भत्ता देने की बात की है तो सेब का समर्थन मूल्य 72 रुपये और किसानों को 4000 के अतिरिक्त वित्तीय सहायता, अल्पसंख्यक आयोग का गठन, सभी खेतों को सिंचाई, राज्य को पूर्ण दर्जा, 30 दिनों के अंदर एक लाख सरकारी नौकरियों के द्वार खोलने के साथ-साथ कई लाभों की घोषणाएं की हैं. तो दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी भी पीछे नहीं. उसने पांच लाख रोजगार, साल में दो एलपीजी मुक्त, कालेज छात्रों को तीन हजार महीना यातायात भत्ता और दसवीं के छात्रों को लैपटॉप तथा अटल आवास योजना के तहत बेघर को घर के लिए जमीन देने की घोषणा तक की है. इतना ही नहीं, हर परिवार की श्रेष्ठ महिला को सालाना 18 हजार रुपए सहायता के साथ-साथ पर्यटन, उद्योग व्यापार आदि क्षेत्रों में अनेक लोक लुभावनी घोषणाएं की हैं. हरियाणा भी इसमें पीछे नहीं है. देश में विकास की पहली पंक्ति में खड़ा हरियाणा किसी चुनावी समर्थन का मोहताज नहीं है, पर यहां भी घोषणाओं की झड़ी लगी हुई है. आखिर क्यों न हो, चुनाव का यह एक प्रमुख पहलू जो बन गया है.

पहले के चुनावों में राजनीतिक दल खासकर राष्ट्रीय राजनीतिक दल अपनी नीतियों, सिद्धांतों एवं उसपर आधारित कार्यक्रमों की पहुंच जनता तक बढ़ाने के लिए घोषणा पत्र जारी करते थे. बाद के वर्षों में कुछ राज्य स्तरीय दल भी घोषणा पत्र राज्य के परिप्रेक्ष्य में ही सही, जारी करने लगे. चुनावों में दलीय घोषणा पत्र जारी करना कहीं से भी गलत या अतिरेक नहीं है. समय-समय पर इसके प्रसंग में न्यायिक संदर्भ एवं चुनाव आयोग द्वारा सम्यक मार्गदर्शन के सिद्धांत जारी किए गए हैं और कहीं-कहीं निदेश भी दिये गये हैं, परंतु इसके लिए कोई हार्ड लाइन तय नहीं की गई है. यह दलों के विवेक एवं सैद्धांतिक-वैचारिक विमर्श पर अधिक निर्भर करता है कि वे इसे किस सीमा तक ले जाते हैं. लोकतंत्र में लोक ही सर्वोपरि होता है. जनता सभी बिंदुओं पर विचार कर प्रतिनिधि प्रणाली के तहत लोकसभा और विधानसभाओं के लिए अपने प्रतिनिधि का चयन करती है और एक दलीय या संयुक्त बहुमत के आधार पर सरकारों का गठन होता है. चुनाव में प्रायः राजनीतिक दल अपने मतदाताओं के अधिक करीब आते हैं. सुख-दुख में आत्मीय होने का प्रयत्न और व्यवहार करते हैं तथा तमाम व्यावहारिक-अव्यावहारिक घोषणाएं और आश्वासन की बातें करते हैं. आखिर ऐसा क्यों? लंबें अरसे तक भारतीय राजनीति को लोक सेवा के रूप में देखा जाता रहा है, परंतु सेवा से पेशा बनी राजनीति को बार-बार अपनी प्रतिबद्धताएं दुहरानी पड़ती हैं. एहसास करना पड़ता है कि हम तुम्हारे लिए कुछ कर रहे हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

अस्तित्व का शाश्वत नियम

जीवन रचना की सभी परवर्ती प्रक्रिया मूलतः अस्तित्व में पहले से विराजमान होती है. वह एक विचार या इच्छा के रूप में मौजूद होती हैं. अस्तित्व के सभी पदार्थ, परमाणु या पूरे ब्रह्मांड में सक्रियता और निष्क्रियता का भाव रहता है. हमारे सांसों के उतार-चढ़ाव, हृदय के आरोह-अवरोह, ऋतुओं के आगमन और प्रस्थान, दिन और रात, पूर्णिमा से घटते और अमावस्या से बढ़ते चंद्रमा की कलाओं में जड़ता और गतिशीलता का यह भाव कार्य करता है. यह अस्तित्व का शाश्वत नियम है, जो अविनाशी है. अस्तित्व के साथ जुड़े सभी चराचर तत्व शुरूआत में ऊर्जा या मानस भाव में परिव्याप्त होते हैं. उस जगत में व्यक्ति के विचार के अनुसार ही आकृति बन जाती है. ऊर्जा जगत में विचार शरीर के निर्माण पश्चात हम सूक्ष्म जगत यानी देह से निर्लिप्त इच्छा जगत में यात्रा करते हैं. यहां सूक्ष्म इच्छाओं की काया बनती है. फिर वही सूक्ष्म काया स्थूल जगत में ईथरीय काया धारण करती है. व्यक्ति एक साथ तीनों जगत में रहता है. स्थूल जगत में देह के साथ, सूक्ष्म जगत में अपनी इच्छाओं के साथ और मनस यानी ऊर्जा जगत में अपने विचारों के साथ. अस्तित्व के इस असीम नदी में हम सब बह रहे हैं. जिनके साथ संबंध रहे या जिनके साथ संबंध होंगे. निरंतर की इस यात्रा में हम कई बार देह के बिना ही अपने संवाद को पहुंचा देते हैं, कई बार देह के बिना ही संबंध जोड़ लेते हैं. मदद करते हैं. कई बार हम बिना किसी कारण के ही एक दूसरे को सहयोग करते हैं. यह केवल रक्त या संबंध का परिणाम नहीं होता है. बल्कि यह कुछ और भी होता है... जन्म-जन्मांतरों के संबंध. जिसके कारण अनायास ही करुणा, प्रेम और सहयोग करते हैं. इस कारण अस्तित्व में जीवन और मृत्यु जैसी कोई चीज नहीं होती है. अस्तित्व के केंद्र की ओर जाना ही जीवन का धर्म है. सूक्ष्म से विशालतम तत्व गतिमान है और अपने केंद्र की ओर गतिशील भी है. उनका एकमेव लक्ष्य उस परमगुरुत्व केंद्र की ओर गमन करना, जो सदैव एवं सभी को अपनी ओर आने का आमंत्रण दे रहा है. वह खींच रहा है. और हर पल अपने विविध सौंदर्य और गुणों से केंद्र की ओर आने के लिए आकर्षित कर रहा है. जीवन के रूप में ऊर्जा स्वतंत्र है कि वह अपने परम गुरुत्व केंद्र की ओर जाए, या इस अनंत अस्तित्व में भटकता रहे.

खेती के लिए घातक हैं जीएम फसलें

• कृषि क्षेत्र

भारत डोगरा

जेनेटिकली मोडीफाईड फसलें (जीएम) एक बड़े विवाद का विषय रही हैं. हाल ही में मैक्सिको की सरकार ने अपनी सबसे महत्वपूर्ण फसल मक्का को 'जीएम' से बचाने के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है. मैक्सिको पर पड़ोसी देश अमेरिका व वहां की कंपनियों का दबाव था कि वह 'जीएम' मक्का अपनाए, पर मैक्सिको की सरकार ने स्पष्ट कहा कि वह अपने देश की खाद्य-सुरक्षा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. इससे पहले फिलीपींस में वैज्ञानिकों, किसानों व कार्यकर्ताओं ने अदालत में 'जीएम' फसलों के विरुद्ध मुकदमा लड़ा था और उन्हें अदालत से 'जीएम' फसलों पर रोक का महत्वपूर्ण निर्णय भी प्राप्त हुआ था. इन दिनों भारत की खेती-किसानी कई स्तरों पर संकट के दौर से गुजर रही है. हालांकि इसके संतोषजनक समाधान भी कई स्तरों पर उपलब्ध हैं, पर इन समाधानों की ओर बढ़ने की बजाय कुछ सीमित स्वार्थों की ओर से ऐसे सुझाव दिए जा रहे हैं जिनसे यह संकट निश्चित तौर पर और उग्र होगा व असहनीय हद तक बढ़ सकता है. ऐसा ही एक सुझाव है 'जीएम' फसलों का प्रसार, जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बहुत शक्तिशाली तत्व जुड़े हैं. 'जेनेटिक इंजीनियरिंग' से बनने वाली 'जीएम' फसलों में किसी भी पौधे या जन्तु के 'जीन' या आनुवांशिक गुण का प्रवेश किसी अन्य पौधे या जीव में करवाया जाता है, जैसे - आलू के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या सुअर के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या मछली के जीन का प्रवेश सोयाबीन में करवाना या मनुष्य के जीन का प्रवेश सुअर में करवाना आदि. यह कार्य 'जीन' - बंदूक से पौधे की कोशिका पर बाहरी 'जीन' दागकर किया जाता है या किसी बैक्टीरिया में बाहरी 'जीन' का प्रवेश करवाकर उससे पौधे की कोशिका का संक्रमण किया जाता है.

'जेनेटिक इंजीनियरिंग' की तकनीक देश-विदेश में विवादग्रस्त क्यों बनी हुई है? 'जीएम' फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार रहा है कि ये फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा उनका असर जेनेटिक-प्रदूषण के माध्यम से अन्य गैर-जीएम फसलों व पौधों में फैल सकता है. इस विचार को 'इंडिपेंडेंट साईंस पैनल' ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है. इस पैनल में एकत्र हुए विश्व के अनेक देशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने 'जीएम' फसलों पर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किया, जिसमें उन्होंने कहा कि- 'जीएम फसलों के बारे में जिन लाभों का वायदा किया गया था, वे प्राप्त नहीं हुए हैं, बल्कि ये फसलें खेतों में बढ़ती समस्याएं पैदा कर रही हैं. इस बारे में व्यापक सहमति है कि इन फसलों का प्रसार होने पर 'ट्रान्सजेनिक-प्रदूषण' से बचा नहीं जा सकता है.

> 'जेनेटिक इंजीनियरिंग' की तकनीक देश-विदेश में विवादग्रस्त क्यों बनी हुई है? 'जीएम' फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार रहा है कि ये फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा उनका असर जेनेटिक-प्रदूषण के माध्यम से अन्य गैर-जीएम फसलों व पौधों में फैल सकता है. इस विचार को 'इंडिपेंडेंट साईंस पैनल' ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है.

सन् 2009-10 में भारत में 'बीटी' बैंगन के संदर्भ में 'जीएम' के विवाद ने जोर पकड़ा तो विश्व के 17 विख्यात वैज्ञानिकों ने भारत के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस बारे में नवीनतम जानकारी उपलब्ध करवाई. पत्र में कहा गया कि 'जीएम' प्रक्रिया से गुजरने वाले पौधे का जैव-रसायन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है जिससे उसमें नए विषैले या एलर्जी उत्पन्न करने वाले तत्वों का प्रवेश हो सकता है व उसके पोषक गुण कम या बदल सकते हैं. जीव-जंतुओं को 'जीएम' खाद्य खिलाने पर आधारित अनेक अध्ययनों से गुर्दे (किडनी), यकृत(लिवर) पेट व निकट के अंगों (गट), रक्त-कोशिका, रक्त जैव-रसायन व प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) पर नकारात्मक असर सामने आ चुके हैं. इन वैज्ञानिकों ने बताया कि जिन जीव-जंतुओं को 'बीटी' मक्का खिलाया गया उनमें प्रत्यक्ष विषैलेपन का प्रभाव देखा गया. 'बीटी' मक्के पर 'मानसैंटो कंपनी' के अनुसंधान का जब पुनर्मूल्यांकन हुआ तो अल्प-कालीन अध्ययन में भी नकारात्मक स्वास्थ्य परिणाम दिखाई दिए. 'बीटी' के विषैलेपन से एलर्जी के रिएक्शन का खतरा जुड़ा हुआ है. 'बीटी' बैंगन खिलाने के अध्ययनों पर महको-मानसेंटो ने जो दस्तावेज तैयार किया, उससे जीव-जंतुओं पर, विशेषकर चूहे, खरगोश व बकरी के लिवर, किडनी, खून व पैंक्रियास पर नकारात्मक परिणाम नजर आते हैं. केवल 90 या उससे भी कम दिनों के, अल्पकालीन अध्ययन में ही ये प्रतिकूल परिणाम नजर आए तो जीवन-भर के अध्ययन से और कितने प्रतिकूल परिणाम सामने आते, इस पर प्रश्न खड़े हो गए हैं. एक 'जीएम' फसल 'बीटी' कपास या उसके अवशेष खाने के बाद या ऐसे खेत में चरने के बाद अनेक भेड़-बकरियों के मरने व पशुओं के बीमार होने के समाचार मिले हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

आरक्षण के भीतर आरक्षण कितना सही

• आरक्षण

संजीव

01 अगस्त 2024 को आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के सात सदस्यीय पीठ के द्वारा देविन्दर सिंह विरूद्ध पंजाब के बारे में फैसला आने के बाद अगड़ा दलित और पिछड़ा दलित के बीच द्वंद छिड़ गया है. दोनों ओर से अपने-अपने तर्क दिये जा रहे हैं. आज यह बहस राष्ट्रीय पटल पर हो रही है. अगड़े दलित उनको माना जाता है, जो आजादी के बाद से लगातार नौकरीपेशा में आ रहे हैं और इस जाति के काफी संख्या में लोग आरक्षण का लाभ लेकर उच्च पदों तक पहुंचे हैं. समृद्ध हुए हैं. जैसे जाटव, महार, अहिरवार, सतनामी आदि आदि. वहीं दूसरी ओर पिछड़े दलित उन्हें माना जाता है जिन्हें परिस्थितिवश या उनके अति पिछड़ापन होने के कारण आरक्षण का लाभ उस तरह से नहीं मिल पाया, जिस तरह से अगड़े दलितों को मिला है. जैसे वाल्मीकि, लालबेगी, मेहतर, डोमार, बंसोर, चुहड़ा, घसिया, देवार आदि आदि. इनमें प्रतिनिधित्व का बंटवारा बेहद असमान है. सफाई कामगारों में भी लाभ लेने में वाल्मीकि जाति सबसे आगे है. यहां यह बताना जरूरी है कि याचिकाकर्ता डॉ. ओपी शुक्ला जो कि दलित समाज से आते हैं, उनका कहना है कि आजादी के बाद से सफाई कामगार समाज का शोषण हुआ है. उनका प्रतिनिधित्व कहां गया? आखिर किसने उनका प्रतिनिधित्व खाया है? यह बता दें. वह कहते हैं कि मैंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका इसीलिए डाली, ताकि संविधान के अनुसार जो सबसे अंतिम व्यक्ति है, उसे इसका फायदा मिल सके. बहुत सारी ऐसी जातियां आज भी हैं, जिन्हें सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व नहीं मिला है. इस फैसले से दक्षिण भारत में खुशी का माहौल है तो उत्तर भारत में द्वंद छिड़ा है.

अगड़े दलित कहते हैं कि यह फैसला विधिसम्मत नहीं है. यह 'फूट डालो राज करो' जैसा है. इस फैसले से दलितों में दो फाड़ हो जायेगा, वैमनस्य बढ़ेगा. वे कहते हैं कि उन्होंने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा बहुत पहले छोड़ दिया था. लेकिन पिछड़े दलित जाति के लोगों ने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा नहीं छोड़ा. जबकि डॉ अंबेडकर ने 1930 में यह आह्वान किया था कि अछूत अपना गंदा पेशा छोड़ दें. पिछड़े दलित जातियों में बहुत बड़ी संख्या सफाई कामगार जातियों की है. यह सत्य है कि इन्होंने अपना पुश्तैनी गंदा पेशा नहीं छोड़ा. इसके कारण इनमें उत्थान नहीं हो पाया. यह थोड़ा बहुत जागरूक हुई तो भी इन्होंने उस गंदे पेशे में अधिक वेतन और सुविधा की मांग करने लगे. कई जगह ऐसा भी देखने मिला कि वे इन पेशों में 100 प्रतिशत आरक्षण की मांग करने लगे. ऐसे भी उदाहरण हैं जबकि इन पिछड़े दलित जातियों के कुछ लोगों ने अपने गंदे पेशे को छोड़कर अच्छे पेशे को अपनाया और वे आगे तरक्की कर गये. हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति-जनजाति में क्रीमीलेयर की बात की थी, जिसे प्रधानमंत्री ने लागू नहीं होगा-कहकर इस पर विराम लगा दिया, जो सही भी था. लेकिन सुप्रीम कोर्ट के दूसरे निर्देश जिसमें यह कहा गया कि पीछे रह गई जातियों में अलग से आरक्षण का बंटवारा भी किया जाएगा. यह सुप्रीम कोर्ट की एक सराहनीय पहल है. आखिर अतिपिछड़े दलित और आदिवासी को अलग से आरक्षण मिलेगा तो इससे किसे आपत्ति होगी? यह प्रश्न खड़ा होता है कि आजादी के 75 साल बाद भी दलित आदिवासी इतने पिछड़े क्यों हैं? आखिर इनमें विकास और उत्थान क्यों नहीं हो रहा है? आखिर क्या कमी रह गई? गंदे पेशे से छुटकारा दिलाने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए था. क्योंकि एक मानव के द्वारा अपमानजनक पेशे का किया जाना पूरे भारतवर्ष के लिए शर्म की बात है और संविधान के भी विरुद्ध है. चाहिए था कि जल्द से जल्द इन पेशे में लगे लोगों को हटाया जाए और मानव की जगह मशीन का उपयोग किया जाए. साथ-साथ इनका पुनर्वास किया जाना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट से यह अपेक्षा थी कि अजा और अजजा में जो आरक्षण दिया जाता है, वह आरक्षण बहुत मात्रा में 'नॉट फाउंड सूटेबल ' कहकर जनरल पोस्ट भर दिए जाते हैं. कई कई साल तक बैकलॉग की भर्तियां नहीं निकाली जाती हैं. निर्देश दिया जाना चाहिए था कि बैकलॉग की भर्तियां तुरंत करें और नॉट फाउंड सूटेबल को सामान्य में समायोजित न करके अगली भर्ती में उसकी वैकेंसी फिर से उसी केटेगरी में निकाली जाए. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> अगड़े दलित कहते हैं कि यह फैसला विधिसम्मत नहीं है. यह 'फूट डालो राज करो' जैसा है. इस फैसले से दलितों में दो फाड़ हो जायेगा, वैमनस्य बढ़ेगा. वे कहते हैं कि उन्होंने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा बहुत पहले छोड़ दिया था. लेकिन पिछड़े दलित जाति के लोगों ने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा नहीं छोड़ा. जबकि डॉ अंबेडकर ने 1930 में यह आह्वान किया था कि अछूत अपना गंदा पेशा छोड़ दें.

मीडिया में अन्यत्र

हिंद प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते भू-रानीतिक प्रभाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ पिछली व्यक्तिगत बैठक और उनकी अध्यक्षता वाली क्वाड सालाना शिखर बैठक के दौरान जी 7 देशों के साथ भारत के बढ़ते तालमेल को रेखांकित किया. बाइडन का कार्यकाल आगामी जनवरी में पूरा हो जाएगा. दोनों बैठकों में चीन की बढ़ती होड़ से मुकाबला करने के रास्ते तलाशने के प्रयास किए गए. इसकी पुष्टि बाइडन द्वारा क्वाड नेताओं को दिए हॉट माइक कमेंट से भी होती है, जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन, एशिया-प्रशांत के देशों का इम्तहान ले रहा है.इस संदर्भ में क्वाड नेताओं के साझा विलमिंग्टन घोषणापत्र में न केवल बढ़ी हुई भूराजनीतिक चिंताओं तथा उन्हें हल करने के लिए चुनिंदा पहलों को दर्शाया गया बल्कि इसमें वैश्विक सुरक्षा ढांचे के व्यापक पहलुओं पर संबंधों को गहरा बनाने का एजेंडा भी जारी रखा गया. इसमें स्वास्थ्य सहयोग से लेकर बुनियादी ढांचा क्षेत्र की संयुक्त परियोजनाएं और जलवायु परिवर्तन तक सभी पहलू शामिल थे. इनमें से कई कार्यक्रमों को 2025 में स्पष्ट आकार मिलेगा, जब भारत क्वाड शिखर बैठक की मेजबानी करेगा.इस संदर्भ में देखें तो प्रमुख परियोजनाओं में से एक है हिंद-प्रशांत में प्रशिक्षण की समुद्री पहल (मैत्री) जो 2022 की समुद्री क्षेत्र जागरूकता परियोजना पर आधारित है. यह साझेदार देशों को उनके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्रों में गतिविधियों पर नजर रखने की सुविधा देती है. इसमें अतिक्रमण और गैरकानूनी गतिविधियां शामिल हैं. मैत्री का लक्ष्य है इन उपायों का अधिकतम इस्तेमाल करना.अगले वर्ष भारत में इसकी आरंभिक कार्यशाला आयोजित की जाएगी. मुंबई में भी क्वाड क्षेत्रीय बंदरगाह और परिवहन सम्मेलन आयोजित किया जाएगा ताकि समूह के उन प्रयासों को मजबूती दी जा सके जिनके तहत वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बंदरगाहों का टिकाऊ और मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करा सकता है.यह ऐसी पहल है, जिसे दक्षिण और पूर्वी चीन सागर के पड़ोसी देशों में चीन के अतिक्रमण को ध्यान में रखकर शुरू किया गया है. इससे संबंधित संयुक्त वक्तव्य को पढ़ें तो वह गंभीर चिंताओं की बात करता है. संयुक्त वक्तव्य कई अनुच्छेदों में बहुत मजबूती से चीन के सहयोगी उत्तर कोरिया के निरंतर परमाणु हथियार बनाने के प्रयासों की आलोचना करता है.दस्तावेज में सेमीकंडक्टर, कृषि शोध, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष शोध आदि सभी क्षेत्रों का उल्लेख है और क्वाड सहयोग की बढ़ती सार्वभौमिक प्रकृति को रेखांकित किया गया है. दुनिया के गरीब देशों तक भारत की पहुंच को स्वीकार करते हुए वक्तव्य ने यह इरादा प्रकट किया कि वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के जरिये उसे अधिक समावेशी बनाने का प्रयास करेगा. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उतर/उत्तर

आप छत से नीचे उतर जाइए. मैं आपके प्रश्न का उत्तर देने को तैयार हूं. इस वाक्य में एक जैसे लगनेवाले दो शब्दों का प्रयोग हुआ है. पहला उतर और दूसरा उत्तर. इन दोनों शब्दों के बीच मोटा-मोटी अंतर यह है कि उत्तर जहां संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है, वहीं उतर शब्द अकर्मक क्रिया है. श्रुतिसम भिन्नार्थक होने के कारण बहुत सारे लोग उत्तर को भी उतर ही लिख जाते हैं. इसके पीछे अज्ञानता से अधिक लापरवाही की ही भूमिका होती है. मेरे एक मित्र ने सवाल किया कि कुछ लोग उत्तर लिखते हैं तो कुछ लोग उतर. आखिर इन दोनों शब्दों में सही कौन है. मैंने उन्हें बताया-दोनों शब्द अपने स्थान पर सही हैं, लेकिन दोनों के मायने-मतलब अलग-अलग हैं. उतर का मतलब कहीं से उतर जाना. ऊपर से नीचे की ओर जाने का बोध करानेवाला शब्द है उतर. उत्तर का मतलब है किसी प्रश्न का उत्तर या फिर उत्तर दिशा. मतलब आप सीढ़ियों से उतर सकते हैं या किसी के प्रश्न का उत्तर दे सकते हैं. बच्चों को समझा सकते हैं कि हिमालय उत्तर दिशा में है. मतलब यह कि दोनों शब्द तबतक सही हैं, जबतक सही जगह पर प्रयोग में आ रहे हैं. एक दूसरे की जगह यदि प्रयोग किया जाता है तो उनका सटीक अर्थ नहीं निकल पाएगा और कहना पड़ेगा कि प्रयोग सही नहीं हुआ. उतरना का आशय ढलना, अवनति पर होना, ह्रासोन्मुख होना, कांति या स्वर का फीका होना, जैसे उसका चेहरा उतर गया है. शरीर में किसी जोड़, नस या हड्डी का अपनी जगह से हट जाना, किसी उग्र प्रभाव या उद्वेग का दूर होना, जैसे नशा का उतरना, विष उतरना, भूल जाना, जैसे कोई बात चित्त से उतर जाना. उत्तर शब्द के भी इसी प्रकार अनेक अर्थ हैं. जैसे दक्षिण दिशा के सामने की दिशा, ईशान और वायव्य कोण के बीच की दिशा, किसी बात को सुनकर उसके समाधान के लिए कही हुई बात, जवाब, पिछला, बाद का.

जब मैंने डॉक्टर को लाल आंखें दिखायीं!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

आज सुबह उठा तो आंख खुल नहीं रही थी. वैसे तो रोज़ ही उठते-उठाते कुछ समय लग ही जाता है. आंख खुलते खुलते ही खुलती है. लेकिन आज ऐसा लग रहा था कि मानों आंखों में कुछ पड़ गया हो. किरकिरा रही थीं. खैर जैसे-तैसे उठा, उठना ही पड़ा. देखते ही पत्नी बोली, अरे, ये आंखें लाल क्यों हो रही हैं,... मैंने तो कुछ बोला भी नहीं. "क्या बात करती हो?" मैंने कहा, "मेरी हिम्मत जो तुम्हारे सामने अपनी आंखें लाल कर सकूं?" "मज़ाक नहीं तुम्हारी दोनों ही आँखें लाल हैं. लगता है आ गईं हैं." "लेकिन वो 'गई' ही कब थीं, जो अब 'आ' गई हैं." मैंने कहा. बहरहाल वह मानी नहीं. मुझे आaख के अस्पताल जाना पडा. अब मैं और डाक्टर दोनों आमने सामने थे. दिन का वक्त था और डाक्टर के हाथ में टार्च थी. पता नहीं दिन के उजाले में वह टार्च से क्या देखना चाह रहा था. इससे पहले कि मैं अपनी तकलीफ के बारे में उसे कुछ बताऊं, वह बोला, "आंख दिखाइए". मुझे पहला व्यक्ति ऐसा मिला, जिसने कभी मुझसे कहा हो कि मुझे आंख दिखाओ. मैं, और वह भी एक डाक्टर को, आंख दिखाऊं, मेरी क्या मजाल ! मुझे याद है कि बचपन में कभी कोई गलती कर बैठता था तो मेरी मां मुझे जैसे ही आंख दिखाती थी, मैं डर जाता था. मां की आंख का वह डर आज भी मेरी आंखों में बदस्तूर कायम है. मुझे आज भी यह बड़ा ज़रूरी लगता है कि मां की तरह गलतियों पर आंख दिखा कर डराने-धमकाने वाला कोई तो हो. लेकिन आज की स्थितियां बिलकुल बदल गई हैं और बेमुरव्वत भी हो गई हैं. बात हो न हो, हर कोई हर किसी को कुछ इस तरह आंख दिखा रहा है, मानो खाने को दौड़ रहा हो. डाक्टर ने मेरी बाईं आंख के ऊपर और नीचे अपनी उंगलियों से आंख को चौड़ाकर पूरा खोल दिया और उसमें टॉर्च की रोशनी घुसेड़ दी. चकाचौंध से मेरी आंख बंद होने की कोशिश करने लगी, लेकिन डाक्टर की उंगलियों की जकड़ से वह खुली रहने के लिए मजबूर थी. आंख का मुआइना किया गया, और कहा अब आंखें बंद कर लीजिए. मेरी आंख में तकलीफ थी, सो मैंने झट से अपनी आंखें बंद कर लीं. वैसे भी, मैं ही क्या आप सब भी, जब भी कोई तकलीफ देखते है, आंखें बंद कर ही लेते हैं. कौन पचड़े में पड़े. सोच कर आगे बढ़ जाते हैं. किसी की भी तकलीफ को जान बूझ कर अनदेखा कर देना हम सबकी आदत में शुमार हो गया है. सो डाक्टर ने जब कहा, आंखें बंद कर लो तो मुझे इसके लिए कोई अलग से प्रयत्न नहीं करना पडा. आंख में तकलीफ थी और मैं चाह कर भी देखना चाह नहीं रहा था.

धर्म अध्यात्म

झारखंड में अलग है जितुआ परब का सौन्दर्य

वर्षा कालीन परब जितिया को जीवित्पुत्रिका, जीतवाहन, जीमूतवाहन, जितिया, जीउतिया, जितुआ, जितेन्द्रिय देव व अष्टमी पूजा के नाम से जाना जाता है. माताएं संतान के स्वास्थ्य, सुरक्षा और दीर्घायु होने की कामना के साथ जितिया व्रत करती हैं. इस पर्व को बंगाल, बिहार, उड़ीसा आदि राज्यों में बड़े ही धूम-धाम से मनाया जाता है. लेकिन झारखंड में इस पर्व का सौंदर्य कुछ और ही है. आइए, झारखंड में जितिया मनाने के खास तरीके से हों अवगत...

जितिया त्रि-दिवसीय पूजा है. सप्तमी के दिन संजत (नहाय-खाय) के साथ आरंभ होता है. उस दिन व्रती सुबह नाइन से (नाई की पत्नी) नाखून कटा कर पांव में महावर (आलता) लगवा कर नदी या सरोवर में स्नान करने समूह में जाती हैं. बांध घाट पहुंच कर सबसे पहले सियार-सुगनी को दातुन और पानी अर्पित करती हैं फिर स्वयं मुंह धोती हैं. नहा धोकर घर आती हैं. घर में अरवा चावल की गुड़ी से चौंक (रंगोली) फिरती हैं फिर आंकरी थापती हैं. आंकरी थापने के लिए चना, कुरथी और बटुरा का प्रयोग किया जाता है. अपने सामर्थ्य के हिसाब से कोई तीन अंजली चना, कुरथी और बटुरा को देती हैं, कोई पांच, कोई सात भी. आंकरी थापने (बीजों को अंकुरित होने के लिए देना) का नेग पूरा करने के बाद धूप-दीप जलाया जाता है. जिस जगह आंकरी थापतीं हैं उस जगह पर तीन खीरे रखे जाते हैं. उनमें एक बेटा खीरा दूसरा आंकरी ओगरा(पहरेदार) तीसरा अढ़ाई कामड़ का तब जाकर व्रती चिवड़ा और दही का भोग लगाकर परिवार के सभी सदस्यों के बीच बांटती हैं. फिर प्रसाद को ग्रहण करती हैं, पानी पीती हैं. उसके बाद और कुछ नहीं खाती हैं. केवल रात को बिना प्याज लहसून भोजन बनता है उसे ग्रहण करती हैं. वह भी पहले सियर-सुगनी को अर्पित करने के बाद ही. पांचपरगना क्षेत्र में जितिया पूजा के प्रत्येक नेगाचार में पहले सियार-सुगनी को अर्पित किया जाता है उसके बाद ही आगे का नेग किया जाता है. उपवास रख रही माताएं सप्तमी के दिन उस समय तक ही अन्न-जल ग्रहण करती हैं जब-तक सप्तमी है. अष्टमी के दिन अन्न-जल ग्रहण करना निषेध माना गया है. इसलिए तो जितिया को निर्जला व्रत कहा जाता है.

डा. हाराधन कोईरी

सुनतीं सियार- सुगनी की कथाएं

अष्टमी के दिन व्रती के पति ईख को अपने खेत से जड़ सहित उखाड़ लाता है या कहीं से खरीद कर. उसके बाद आंगन में गड्ढा खोद कर उसमें सुपारी और ताम्बे का सिक्का डाल कर जीतवाहन को गाड़ा जाता है. गाड़े गये ईख के नीचले भाग को पुआल की रस्सी से मोड़ दिया जाता है. फिर हल्दी से रंगा हुआ वस्त्र को चारों तरफ से घेर दिया जाता है. उसके बाद सभी उपासी (व्रती) नवीन वस्त्राभूषण पहन कर जितिया पूजन के लिए एकत्रित होती हैं. पंडित जी विधि-विधान से पूजन कराते हैं. पूजन के उपरांत पंडित जी सभी व्रतियों व श्रोताओं को सियार- सुगनी की कथायें सुनाते हैं. कथा के बाद जीतवाहन को धागा (तागा) बांधती हैं, गले मिलती हैं और पंडित जी को यथासंभव दान देती हैं, और कम से कम एक बार समूह में नेग के लिए नृत्य करती हुई जीतवाहन के चारों तरफ घुरती हैं जिसे प्रदक्षिणा करना कहते हैं. उसके बाद पंडित जी से दीप जलवा (जागर दीया) कर घर आती हैं. घर आकर तुलसी पूजन करती हैं. सबसे पहले बड़ा बेटा को धागा बांधती हैं फिर सभी बच्चों को. साथ-ही पड़ोस के बेटा-बेटी या पोता-पोती, नाता-नातिन सबंध वाले को. तागा बंधन के बाद पूरी रात निर्जला रहती हैं.

रात भर देसालाहिर नाच

रात को पारम्परिक वाद्य-यंत्र के साथ नृत्य और गीत का आयोजन होता है. कहीं- कहीं गांवों में महल नृत्य का आयोजन होता है जिसमें वाद्यकार और पुरुष वर्ग बाहर रहते हैं. कहीं - कहीं तो सामूहिक नृत्य जिसे देसालाहिर नाच कहते हैं वह होता. कहीं-कहीं शास्त्र का वाचन व भजन संगीत का आयोजन किया जाता है ताकि व्रती रात भर जागरण कर सके.

पारन के लिए बांध घाट

नवमी के दिन जितिया को उखाड़ कर सरोवर या नदी में विसर्जन घर के पुरुष करते हैं. फिर माताएं समूह में पारन के लिए बांध घाट जाती हैं. घाट पहुंच कर सबसे पहले सियार-सुगनी को दतुन पानी देती हैं फिर स्वयं मुंह धोती हैं. मुंह धोने के उपरांत अढ़ाई कामड़ (दो और आधा) का नेग करती हैं. इस नेग में माताएं अढ़ाई कामड़ वाले खीरे को दो टुकडा करती हैं. उसके ऊपर में घी, दही और गुड़ लगाती हैं और ढ़ाई बार मुंह से काटती हैं और खा जाती हैं. फिर पानी में हल्का बैठ कर पीछे तरफ अढ़ाई कामड़ वाले खीरा को फेंकती हैं जिसे व्रती का पुत्र पीछे से पकड़ लेता है और खाता है. उसके बाद माताएं स्नान कर दही-चिवड़ा वापस में बांटती हैं. तब स्वयं खाती हैं. खाने के बाद सुहागिन नारियाँ एक-दूसरे के मांग में सिंदूर डालती हैं.

जितिया विसर्जन के बाद अखड़ा में नृत्य-गीत

घर में उस दिन कुरथी और साग की सब्जी बनायी जाती है. पुरुष वर्ग डारी गाड़ने का काम को सम्पन्न करते हैं. यद्यपि डारी गाड़ने की प्रथा करम में है लेकिन जो जितिया गाड़ते हैं वह जितिया विसर्जन के बाद भी करते हैं. जितिया विसर्जन के दिन शाम को अखड़ा मेटा कार्यक्रम या नृत्य गीत का आयोजन होता है. जितिया पूजा में महुआ वृक्ष का विशेष महत्त्व है क्योंकि व्रती महुआ के दातुन से ही सप्तमी, अष्टमी और नवमी को मुंह धोती हैं तथा सियार-सुगनी को भोग लगाती हैं. पूजा के लिए दोना, पथरी आदि बनाती हैं. यदि तुलनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो जिस प्रकार करम पर्व में करम वृक्ष का विशेष महत्त्व होता उसी प्रकार जितिया में महुआ का. जितिया पूजा पुत्र की सुरक्षा, स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि के लिए माताएं व्रत करती हैं. इसलिए पुत्र का कर्तव्य हो जाता है कि हर परिस्थित में माता-पिता की सेवा करना. यदि हम सच्चे मन से माता-पिता की सेवा कर पाने में सक्षम हैं तभी हमारा जीवित्पुत्रिका पूजन की सार्थकता है अन्यथा परम्परा का निर्वाह मात्र ही. जोहार जीतवाहन बाबा !

महाभारत काल से जुड़ी है जितिया की कथा

जीवित्पुत्रुका व्रत की कथा महाभारत कालीन है. कहा जाता है कि अश्वत्थामा पिता की हत्या का बदला लेने के लिए रात्रिकाल में पांडवों के शिविर में जाकर सोये हुए पांडु पुत्रों की निर्मम हत्या करता है. इा कारण अर्जुन अश्वत्थामा को बंदी बनाकर उसका मणि छीन लेता है. प्रतिशोध की आग में जल रहे अश्वत्थामा उत्तरा के गर्भ में पल रहे शिशु पर ब्रह्मास्त्र छोड़ देता है. फलतः मृत शिशु का जन्म हुआ. श्रीकृष्ण ने दिव्य शक्ति से मृत शिशु में प्राणत्व देकर उसे पुनर्जीवित किया जिसके कारण उनका नाम जीवित्पुत्रिका पड़ा जो आगे चल राजा परीक्षित के नाम से जाने गए. तब से जितिया का नाम जीवित्पुत्रिका पड़ा.

एक कथा यह भी

प्राचीन काल में जीमूतवाहन नाम के एक दयालु राजा थे. एक दिन वह वन में विहार करने के लिए गए तो अचानक एक नाग माता की रोने की आवाज सुनाई दी. राजा ने उस नाग माता से रोने का कारण पूछा तो पता चला कि उनके एकमात्र पुत्र को गरुड़ खाना चाहते हैं. इस भय से वह क्रंदन कर रही हैं. तब राजा जीमूतवाहन ने उन्हें चिंता नहीं करने को कहा. जब गरुड़ उस नाग पुत्र को खाने के लिए आया तब जीमूतवाहन ने कहा कि आप इसे मत खाइए! आप मुझे खा लीजिए. तब गरुड़ ने जीमूतवाहन की निष्ठा और त्याग को देखकर दोनों को छोड़ दिया. तब नागमाता ने राजा जीमूतवाहन की विधिवत पूजा अर्चना की. इसलिए जितिया को जीमूतवाहन के नाम से जाना जाता है.

जीवन नैया जब हिले, मां बनती पतवार...

बस उनके आशीष से, भवसागर हो पार

बिंदु प्रसाद रिद्धिमा

उतिया, जितिया, जीवित्पुत्रिका व्रत, यह सारे एक ही नाम हैं जो माताओं द्वारा निर्जला रहकर अपने संतान की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य, उन्नति और वंश वृद्धि के लिए किया जाता है. यह कठिन व्रत तीन दिनों का होता है. पहला दिन नहाए खाए, दूसरा व्रत का दिन और तीसरे दिन पारण. भारत के अनेक राज्यों में किसी और दूसरे महीने में, संतानों के खुशहाली और दीर्घायु के लिए माताएं कुछ और नाम से व्रत करती हैं. उत्तर भारत में जिसे अहोई अष्टमी के नाम से जाना जाता है.

जीवित्पुत्रिका व्रत हर साल आश्विन मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी को किया जाता है. इसी समय पितृपक्ष भी चलता रहता है. बहुत ही सादगी और नियम से किया जाने वाला यह व्रत गरीब से गरीब परिवेश की माताएं, स्त्रियां, महिलाएं भी कर सकती हैं क्योंकि इसके उपयोग में आने वाली सारी वस्तुएं हमारे कृषि प्रधान देश के परिवेश की ही उपज है.

व्रत से एक दिन पहले नहाए खाए में मडुआ की रोटी या व्यंजन, सतपुतिया, झींगे की सब्जी, नोनी का साग, कहीं-कहीं मछली का भी सेवन किया जाता है. मां अपने बच्चों के साथ बैठकर एक ही थाल में खाना खाती हैं और खिलाती हैं. बहुत ही सुंदर परिवारिक दृश्य बनता है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी से चला आ रहा है.

व्रत के दिन भी बड़ी सादगी से झींगे के पत्ते पर खीरा के साथ कुछ धागे जिसे बद्दी कहते हैं रखकर महिलाएं कथा सुनती हैं और निर्जला व्रत रखती हैं. स्त्रियां कुश से बनी जीमूतवाहन भगवान की प्रतिमा के समक्ष धूप, दीप, चावल और विधि विधान से पूजा करती हैं. साथ में गाय के गोबर और मिट्टी से चील, सियारिन की प्रतिमा भी बनाई जाती है. पूजा के बाद व्रत की कथा सुनी जाती है.

अगली सुबह सूर्य देव को अर्ध्य देकर माताएं अन्न जल ग्रहण करती हैं तथा व्रत का समापन कर पारण किया करती हैं. पारण में फिर से वही ग्रामीण परिवेश की वस्तुएं जैसे कुशी केराव की दाल, पोरों या पोंई के पत्ते की सब्जी, तरुवा, पकौड़ी, अरबी की सब्जी और भात की प्रधानता रहती है.

व्यक्तिगत तौर पर मैं खुद भी जितिया का व्रत करती हूं और हमारी 82 वर्षीया सासू मां, इस उम्र में भी निर्जला उपवास रखती हैं और हम दोनों घर परिवार, संतानों की खुशहाली संग अच्छे स्वास्थ्य की कामना भी करते हैं.हम सब खुशनसीब हैं कि महाभारत काल से आई परंपरा को अभी तक हम सब निभा रहे हैं और आगे की भी माताएं अपनी संतानों के लिए इस तरह की व्रत जरूर करेंगी, ऐसी हमारी कामना और विश्वास है.

व्रत करती हैं निर्जला, हो बच्चें दीर्घायु ।
मां करती जब जीतिया, बच्चे स्वस्थ चिरायु।।

बुरी नजर से बचाता है बागुआ दर्पण

फेंगशुई में घर की नेगेटिविटी से छुटकारा पाने के लिए बागुआ दर्पण लगाना बेहद शुभ माना गया है. मान्यता है कि इससे सुख-समृद्धि व सौभाग्य में वृद्धि होती है. नजर दोष से बचाव होता है. जीवन में सकारात्मकता बढ़ती है. आइए जानें कि क्या होता है बागुआ दर्पण और क्या हैं इसके फेंगशुई टिप्स...

स्वामी विमलेश

- **क्या होता है बागुआ दर्पण ?**

बागुआ दर्पण एक प्रकार का मिरर होता है, जिसका आकार अष्टकोणीय यानी आठ कोण वाला होता है. इन आठ किनारों पर तीन-तीन लाइंस होती हैं, जिसमें से कुछ टूटी और कुछ पूरी होती है. पूरी रेखाओं को यांग और टूटी रेखाओं को यिन कहा जाता है. बागुआ दर्पण में कोई केंद्र नहीं होता है.

ये हैं फेंगशुई टिप्स

- मुख्यद्वार पर बीचोबीच पाकुआ दर्पण लगाएं. मान्यता है कि इससे वास्तु दोष समाप्त होता है.
- बागुआ मिरर को बेडरूम के द्वार पर लाल धागे से बांधकर लगाने पर कमरे में नेगेटिव एनर्जी नहीं आती है. घर में सकारात्मक माहौल रहता है.
- यदि घर तिराहे, चौराहे या दक्षिण दिशा में हो, तो बागुआ शीशा लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम रहता है.
- जिस घर में बगुआ दर्पण लगा होता है, वहां सदस्यों को नजर दोष नहीं लगती.

- **इस बात का रखें ध्यान :** बगुआ दर्पण लगाएं तो इसकी साफ-सफाई का ध्यान रखें. यह गंदा नहीं होना चाहिए. कहीं टूट-फूट नहीं हो, अगर हो तो तुरंत दुरुस्त कराएं. इसका फ्रेम काला, नीला, लाल या गुलाबी ना हो. कोशिश करें कि फ्रेम हरा, सफेद या आसमानी हो.

आचार्य अजय मिश्रा

इस पक्ष में मिलता पितरों का आशीष

आश्विन कृष्ण पक्ष को 'पितृपक्ष' के रूप में माना जाता है. भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से पितरों का समय शुरू हो जाता है, जो अमावस्या तक रहता है. शुक्लपक्ष को पितरों की रात कहा गया है. मनुस्मृति में कहा गया है कि मनुष्यों के एक मास के बराबर पितरों का एक अहोरात्र (दिन-रात) होता है. इस माह में दो पक्ष होते हैं : कृष्णपक्ष और शुक्लपक्ष. मनुष्यों का कृष्णपक्ष पितरों के कर्म का दिन होता है, जबकि शुक्लपक्ष पितरों के सोने का समय होता है. यही कारण है कि आश्विन माह के कृष्णपक्ष-पितृपक्ष में पितृश्राद्ध करने का विधान है. इस समय पितरों को प्रतिदिन भोजन मिलता है, जिससे उनकी आत्मा को तृप्ति मिलती है. शास्त्रों में पितृपक्ष में श्राद्ध करने की विशेष महिमा लिखी गई है. इस पक्ष में अपने पितरों का श्राद्ध-तर्पण कर उनकी आत्मा को तृप्त करना प्रत्येक सनातन धर्मी के लिए अनिवार्य है.

- **श्राद्ध का महत्व और विधि**

पितृपक्ष में मृत्यु के दिन जो तिथि आती है, उस तिथि पर मुख्य रूप से तर्पण और पार्वणश्राद्ध करने का विधान है. यह एक प्राकृतिक जिज्ञासा है कि श्राद्ध में दी गई सामग्री पितरों को कैसे मिलती है, क्योंकि मृत्यु के बाद जीव को अलग-अलग योनियों में भेजा जाता है. कुछ देवता बन जाते हैं, कुछ पितर, कुछ प्रेत, कुछ हाथी, कुछ चींटी, कुछ चिनार के वृक्ष और कुछ तृण बन जाते हैं. इस संदर्भ में प्रश्न उठता है कि एक छोटे से पिण्ड से हाथी का पेट कैसे भर सकता है. या एक बड़ी चींटी इतनी बड़े पिण्ड को कैसे खा सकती है? देवता अमृत से तृप्त होते हैं, पिण्ड से उन्हें कैसे तृप्ति मिलेगी? शास्त्रों ने इस प्रश्न का स्पष्ट उत्तर दिया है कि नाम और गोत्र के आधार पर विश्वेदेव और अग्निष्वात्त जैसे दिव्य पितर हव्य-कव्य को पितरों तक पहुंचाते हैं. यदि पितर देवयोनिक हैं, तो दिया गया अन्न उन्हें अमृत के रूप में प्राप्त होता है. मनुष्य योनि में अन्न के रूप में और पशु योनि में तृण के रूप में उन्हें प्राप्ति होती है. नाग आदि योनियों में वायु के रूप में, यक्ष योनि में पान के रूप में, और अन्य योनियों में श्राद्धीय वस्तुएं भोगजनक तृप्ति प्रदान करती हैं. जैसे गोशाला में बछड़ा अपनी मां को ढूंढ ही लेता है, वैसे ही मंत्र द्वारा सामग्री जीव के पास पहुंच जाती है. नाम, गोत्र, श्रद्धा और उचित संकल्प से दिए गए पदार्थ मंत्रों द्वारा जीव के पास पहुँच जाते हैं. जीव चाहे कितनी भी योनियों में चला गया हो, तृप्ति तो उसके पास पहुंच ही जाती है.

- **पितरों के श्राद्ध का समय**

मृत्युतिथि और पितृपक्ष में तर्पण और श्राद्ध करना आवश्यक है. वर्तमान समय में अधिकांश लोग श्राद्ध को व्यर्थ समझते हैं और नहीं करते. जो लोग श्राद्ध करते हैं, उनमें से कुछ विधिपूर्वक और श्रद्धा के साथ श्राद्ध करते हैं, जबकि अधिकांश लोग इसे रस्म-रिवाज के रूप में करते हैं. वास्तव में, शास्त्रोक्त विधि से किया गया श्राद्ध ही सभी प्रकार के कल्याण को प्रदान करता है. अतः प्रत्येक

व्यक्ति को श्रद्धापूर्वक और समय पर सभी श्राद्धों को करना चाहिए. जो लोग सभी श्राद्ध नहीं कर सकते, उन्हें कम से कम मरणतिथि पर और आश्विन माह के पितृपक्ष में अपने मृत पितरों के लिए श्राद्ध अवश्य करना चाहिए.

- **पितृपक्ष के अंतर्गत आने वाले श्राद्ध**

पितृपक्ष में श्राद्ध करने की प्रक्रिया में पिता, पितामह (दादा), प्रपितामह (परदादा) और उनके साथ माता, दादी और परदादी जैसे कुल 6 व्यक्तियों का श्राद्ध किया जाता है. इसके अलावा, मातामह (नाना), प्रमातामह (परनाना), और वृद्ध प्रमातामह (वृद्ध परनाना) जैसे 6 और लोगों का श्राद्ध होता है. इसके अतिरिक्त, एक पीढ़ी और जोड़ी जाती है, जिसमें निकटतम संबंधियों के लिए तर्पण पिण्डदान किया जाता है. इसके साथ ही दो विश्वेदेव के भी खुट लगते हैं. इस प्रकार, नौ चट लगाकर पार्वणश्राद्ध सम्पन्न होता है. पार्वणश्राद्ध में नौ ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए. यदि केवल तीन ब्राह्मण उपलब्ध हों तो उन्हें भोजन कराया जा सकता है. अगर अच्छे ब्राह्मण न मिलें, तो कम से कम एक सन्ध्यावन्दन करने वाले सात्त्विक ब्राह्मण को भोजन कराना चाहिए.

- **श्राद्ध करने के लाभ**

जो प्राणी विधिपूर्वक और शांत मन से श्राद्ध करता है, वह सभी पापों से रहित होकर मोक्ष प्राप्त करता है और संसार के चक्र में वापस नहीं आता. इसलिए, प्राणी को पितरों की संतुष्टि और अपने कल्याण के लिए श्राद्ध अवश्य करना चाहिए. इस संसार में श्राद्ध से श्रेष्ठ कोई अन्य उपाय नहीं है. महर्षि सुमन्तु ने भी कहा है कि इस जगत में श्राद्ध से श्रेष्ठ कोई कल्याणकारी उपाय नहीं है, इसलिए बुद्धिमान व्यक्ति को यत्नपूर्वक श्राद्ध करना चाहिए. श्राद्ध न केवल जीवन को सुखमय बनाता है, बल्कि यह मुक्ति भी प्रदान करता है. यह पितरों को दीर्घ आयु, संतान, धन, विद्या, सुख, स्वर्ग और मोक्ष प्रदान करता है.

अत्रिसंहिता के अनुसार, जो भी व्यक्ति पितृकार्य में संलग्न रहता है, वह निश्चित रूप से परमगति को प्राप्त होता है.

- **श्राद्ध न करने की हानि**

शास्त्रों ने श्राद्ध न करने की हानि को स्पष्ट रूप से बताया है, जिससे जानकर कोई भी व्यक्ति चिंतित हो सकता है. मृत व्यक्ति अपने साथ कोई स्थूल शरीर या पाथेय (अन्न-जल) नहीं ले जा सकता है. इसलिए, जो कुछ उसके सगे- संबंधी श्राद्धविधि से उसे देते हैं, वही उसे मिलता है. शास्त्रों ने मरणोपरांत पिण्डदान की व्यवस्था की है.

- **ब्राह्मण-भोजन से श्राद्ध की पूर्ति**

श्राद्ध की प्रक्रिया में दो मुख्य बातें हैं - पिण्डदान और ब्राह्मण भोजन. मृत्यु के बाद जो लोग देवलोक या पितृलोक में पहुंचते हैं, वे मंत्रों के माध्यम से बुलाए जाने पर उन लोकों से आकर निमंत्रित ब्राह्मणों के माध्यम से भोजन करते हैं. चूंकि वे सूक्ष्मग्राही होते हैं, भोजन के सूक्ष्म कणों के आघ्राण से उनका पेट भर जाता है. वेदों ने बताया है कि ब्राह्मणों को भोजन कराने से पितरों को यह भोजन प्राप्त हो जाता है. कम से कम एक सन्ध्यावन्दन करने वाले सात्त्विक ब्राह्मण को भोजन अवश्य कराना चाहिए.

- **धन की कमी में श्राद्ध की व्यवस्था**

धन की कमी के कारण श्राद्ध का अनुष्ठान नहीं कर पाना एक सामान्य समस्या हो सकती है. ऐसी स्थिति में शास्त्रों ने कुछ व्यवस्था की है. यदि अन्न या वस्त्र खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं, तो शाक से श्राद्ध कर सकते हैं. अगर शाक खरीदने के लिए भी पैसे नहीं हैं, तो तृण और लकड़ी बेचकर पैसे इकट्ठा करें और उन पैसों से श्राद्ध करें. अधिक श्रम से किया गया श्राद्ध अधिक फलदायी होता है. अगर लकड़ियां भी उपलब्ध नहीं हैं, तो घास से श्राद्ध किया जा सकता है. घास काटकर गायों को खिलाने का प्रावधान है, जैसा कि पद्मपुराण ने बताया है.

- **पितृश्राद्ध का अधिकार**

पितृश्राद्ध का अधिकार मुख्य रूप से पुत्र को होता है. कई पुत्र होने पर, अन्त्येष्टि से लेकर एकादशाह और द्वादशाह तक की सभी क्रियाएं ज्येष्ठ पुत्र को करनी चाहिए. विशेष परिस्थितियों में बड़े भाई की आज्ञा से छोटा भाई भी श्राद्ध कर सकता है. यदि सभी भाई संयुक्त परिवार में रहते हैं, तो वार्षिक श्राद्ध भी ज्येष्ठ पुत्र के द्वारा एक ही स्थान पर सम्पन्न हो सकता है. अलग- अलग परिवारों में, वार्षिक और अन्य श्राद्ध अलग-अलग करना चाहिए. यदि पुत्र नहीं हैं, तो शास्त्रों में श्राद्ध करने के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं दी गई हैं.

- **संक्षिप्त विधि**

सामान्यतः वर्ष में कम से कम दो बार श्राद्ध करना अनिवार्य होता है. इसके अतिरिक्त अमावस्या, व्यतीपात, संक्रान्ति आदि पर्वों के दिन भी श्राद्ध करने की विधि है. श्राद्ध की यह विस्तृत और महत्वपूर्ण विधि केवल पितरों के लिए ही नहीं, बल्कि अपने जीवन और परलोक की भलाई के लिए भी अत्यंत आवश्यक है. पितरों की आत्मा को शांति और तृप्ति प्रदान करने के साथ-साथ, यह स्वयं की आत्मा के कल्याण का भी मार्ग प्रशस्त करता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

चेस ओलंपियाड में भारत का जलवा, पुरुष व महिला दोनों वर्गों में जीता गोल्ड

भारत ने इतिहास रचते हुए पहली बार चेस ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीते हैं. भारत की पुरुष और महिला टीमों ने 45वें शतरंज ओलंपियाड में अंतिम दौर में अपने अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराकर इस प्रतियोगिता में पहली बार स्वर्ण पदक जीता है. 45वां फिडे चेस ओलंपियाड हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में खेला गया, जिसमें 195 देशों की 197 टीमें पुरुष वर्ग में और महिला वर्ग में 181 देश की 183 टीमों ने हिस्सा लिया.

सचिन तेंदुलकर, प्रियंका गांधी ने भारतीय टीम को दी शुभकामनाएं

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) शतरंज ओलंपियाड में पुरुष और महिला दोनों स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक हासिल करने पर भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं. भारत ने बुडापेस्ट में फिडे शतरंज ओलंपियाड में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए रविवार को पुरुष और महिला दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक हासिल किए. सचिन ने भारतीय टीम को शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर लिखा, दो स्वर्ण, एक राष्ट्र! शतरंज ओलंपियाड 2024 में पहला स्थान हासिल करने के लिए हमारी पुरुष और महिला दोनों टीमों को बधाई. कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं और कहा कि पूरे देश को उन पर गर्व है.

प्रियंका ने एक्स पर लिखा, शतरंज ओलंपियाड में भारतीय खिलाड़ियों ने इतिहास रच दिया. पुरुष टीम ने ओपन वर्ग में पहली बार स्वर्ण पदक जीता। महिला वर्ग में भी भारतीय टीम ने पहली बार स्वर्ण पदक जीता है. सभी खिलाड़ियों और टीम के सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई. पूरे देश को आप सभी पर गर्व है. जय हिंद. डी गुकेश, आर प्रज्ञानानंद, अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती और पेंटाला हरिकृष्णा की भारतीय पुरुष टीम ने स्लोवेनिया को हराकर स्वर्ण पदक जीता. गुकेश और एरिगैसी की जीत ने भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई और प्रज्ञानानंद की बाद की जीत और विदित के ड्रॉ ने 3.5-0.5 की जीत के साथ स्वर्ण पदक पक्का कर दिया. इस बीच, हरिका द्रोणावल्ली, आर वैशाली, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और तानिया सचदेव की भारतीय महिला टीम ने अजरबैजान को 3.5-0.5 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया. हरिका, दिव्या और वंतिका ने अपने-अपने मैच जीते, जबकि वैशाली ने अपना मैच ड्रॉ किया. महिला टीम ने 2022 में चेन्नई ओलंपियाड से अपने कांस्य पदक में सुधार किया. शतरंज ओलंपियाड में भारत के पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में 2014 और 2022 में दो कांस्य पदक शामिल हैं. हालांकि, कोविड-19 के दौरान 2020 में एक ऑनलाइन ओलंपियाड में भारत ने रूस के साथ स्वर्ण पदक साझा किया था.

भारत आने से पहले न्यूजीलैंड को झटका, रचिन का टूटा दिल, पांचवें दिन 29 गेंदों में ही सिमटी कीवी टीम

न्यूजीलैंड चित्त, श्रीलंका ने पहले टेस्ट में हराया

एजेंसी। गाले

श्रीलंका ने स्पिनर प्रभात जयसूर्या की खतरनाक बॉलिंग की मदद से न्यूजीलैंड को 63 रन से हरा दिया. गाले में लंकाई टीम ने मैच को जीतकर दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली. कीवी टीम 275 रन के टारगेट के सामने 211 रनों पर सिमट गई. अगले महीने भारत में दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने से पहले टिम साउदी की टीम के लिए यह हार चिंताजनक है. न्यूजीलैंड की हवा स्पिन पिच पर निकल गई है. अब दूसरा मुकाबला गाले में ही 26 सितंबर से खेला जाएगा. न्यूजीलैंड को मैच के आखिरी दिन 68 रनों की आवश्यकता थी, लेकिन उसकी आशाएं जल्द ही समाप्त हो गईं. लंकाई टीम ने न्यूजीलैंड के के प्रमुख खिलाड़ी रचिन रवींद्र को जल्दी ही आउट कर दिया. श्रीलंका ने मैच को समेटने में अंतिम दिन केवल 29 गेंदों का समय लिया. मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. उसने पहली पारी में 305 रन बनाए. न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 340 रन बनाकर 35 रन की लीड हासिल की. श्रीलंका ने दूसरी पारी में 309 रन बना दिए और न्यूजीलैंड को 275 रन का टारगेट दिया. जवाब में कीवी टीम 211 रनों पर ही सिमट गई.

रचिन रवींद्र की हुई पारी बेकार : दूसरी पारी में न्यूजीलैंड को बड़ी साझेदारी की आवश्यकता थी, लेकिन उसके खिलाड़ी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए. केन विलियमसन (30), टॉम लाथम (28) और टॉम ब्लंडेल (30) ने टीम को निराश किया. एक छोर पर रचिन रवींद्र टिके रहे. वह 92 रन बनाकर आउट हुए. उनकी यह पारी टीम के लिए पर्याप्त नहीं थी. श्रीलंका के लिए जयसूर्या ने पांच विकेट लिए. उनके साथी स्पिनर रमेश मेंडिस ने तीन विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई.

भारत में तीन टेस्ट खेलेगी न्यूजीलैंड की टीम

न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी. पहला मुकाबला 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में खेला जाएगा. दूसरा टेस्ट मैच पुणे में 24 अक्टूबर से होगा. सीरीज का तीसरा और आखिरी टेस्ट मैच एक नवंबर से मुंबई में होगा.

डब्ल्यूटीसी प्वॉइंट्स टेबल में श्रीलंका का धमाल, टॉप थ्री में पहुंची

- 2025 के जून में खेला जाएगा डब्ल्यूटीसी का फाइनल
- खिताब के लिए नौ टीमों के बीच टक्कर जारी

एजेंसी। नयी दिल्ली

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप-डब्ल्यूटीसी 2023-25 का फाइनल मैच अगले साल जून में खेला जाएगा. इस खिताब के लिए नौ टीमों के बीच टक्कर जारी है. टीम इंडिया इस समय बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है. सीरीज का पहला मैच जीतकर टीम इंडिया फिलहाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वॉइंट्स टेबल में टॉप पर बनी हुई है. वहीं, श्रीलंका की टीम अपने घर पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही है. इस सीरीज का पहला मैच जीतकर श्रीलंकाई टीम ने डब्ल्यूटीसी की प्वॉइंट्स टेबल में उथल-पुथल मचा दी है.श्रीलंका और न्यूजीलैंड की टीम के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है. श्रीलंका ने गॉल टेस्ट में न्यूजीलैंड को 63 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है. दोनों टीमों के बीच एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिला और खेल के आखिरी दिन विजेता का फैसला हुआ. गॉल टेस्ट में श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के सामने जीत के लिए 275 रन का लक्ष्य रखा था, लेकिन वह इसके जवाब में 211 रन ही बना सकी. इस जीत का फायदा श्रीलंका की टीम को आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वॉइंट्स टेबल में हुआ है. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वॉइंट्स टेबल में श्रीलंका की टीम अब टॉप-3 में पहुंच गई है. श्रीलंका का जीत प्रतिशत अब 50 फीसदी हो गया है और वह चौथे से तीसरे नंबर पर आ गई है. वहीं, इस श्रीलंका की इस जीत के बाद न्यूजीलैंड की टीम टॉप-3 से बाहर हो गई है. न्यूजीलैंड की टीम का जीत प्रतिशत 50 फीसदी था, जो अब घटकर 42.86 हो गया है. श्रीलंका की टीम अब सिर्फ भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमों से पीछे है. टीम इंडिया पहले नंबर पर बनी हुई है, वहीं ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर बरकरार है.

टीम इंडिया फाइनल में पहुंचने की बड़ी दावेदार

टीम इंडिया का जीत प्रतिशत इस समय 71.67 है. उसने 10 टेस्ट मैच खेले हैं और 7 मुकाबले में जीत भी हासिल की है. वहीं, दो मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है और एक मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ है. टीम इंडिया के पास अभी भी 9 टेस्ट मैच बचे हुए हैं, इसमें से 4 मैच तो उसे अपने घर पर ही खेलने है. ऐसे में टीम इंडिया के पास लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाने का बड़ा मौका है. वहीं, ऑस्ट्रेलिया की टीम का जीत प्रतिशत 62.50 है. उसने 12 मैचों में से आठ मैचों में जीत हासिल की है. ऐसे में वह भी लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाने की दावेदार है. हालांकि इस साल के अंत में उसे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया की मेजबानी करनी है. इस सीरीज से बाद ही फाइनल की टीमों का फैसला हो पाएगा. दूसरी ओर पाकिस्तान और वेस्टइंडीज फाइनल की रेस से लगभग बाहर हो चुकी हैं.

ऑस्ट्रेलियाई पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच नियुक्त हुए टोनी पोपोविक

एजेंसी। मेलबर्न

फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को टोनी पोपोविक को पुरुष राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है. वह तत्काल प्रभाव से यह जिम्मेदारी संभालेंगे. 51 वर्षीय पोपोविक का पहला काम 2026 फीफा विश्व कप के लिए एएफसी एशियाई क्वालीफायर का महत्वपूर्ण तीसरा दौर होगा. ऑस्ट्रेलिया अपने अगले विश्व कप क्वालीफायर में 10 अक्टूबर को एडिलेड में चीन की मेज़बानी करेगा. पोपोविक ने एक बयान में कहा, मैं मुख्य कोच के रूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम का नेतृत्व करने का अवसर पाकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं. यह एक ऐसी भूमिका है जो बड़ी जिम्मेदारी के साथ आती है, और मैं इस अवसर के लिए बहुत आभारी हूं. यह निस्संदेह मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत गर्व का क्षण है.

स्पिनर शोएब कांगा ने लिए सभी 10 के 10 विकेट

मुंबई। मुंबई की प्रतिष्ठित कांगा लीग में बाएं हाथ के स्पिनर शोएब ने एक पारी में 10 के 10 विकेट ले लिए. कांगा लीग ई-डिवीजन में गौड़ सारस्वत क्रिकेट क्लब के लिए खेल रहे थे. गवर्नमेंट लॉ कॉलेज की पिच पर शोएब ने बिना ब्रेक के लगातार 17.4 ओवर गेंदबाजी की और जौली क्रिकेटर्स के सभी 10 बल्लेबाजों को आउट किया. टेस्ट क्रिकेट में जिम लेकर, अनिल कुंबले और एजाज पटेल ऐसा कर चुके हैं.

वोल्फ्सबर्ग को 4-3 से हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा बेयर लीवरकुसेन

एजेंसी। बर्लिन

बेयर लीवरकुसेन रविवार को बुन्देसलीगा में वोल्फ्सबर्ग को 4-3 से हराकर दूसरे स्थान पर पहुंच गया. लीवरकुसेन ने शानदार शुरुआत की, लेकिन पांच मिनट बाद ही वह 1-0 से पीछे हो गया, जब डिफेंडर नॉर्डी मुकीले ने मोहम्मद अमौरा के खतरनाक हेडर को अपनी ही गोल पोस्ट में डाल दिया. हालांकि मैच के 14वें मिनट में फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने गोल कर लीवरकुसेन को 1-1 से बराबरी दिला दी. कुछ ही क्षणों बाद लीवरकुसेन ने वापसी की जब जोनाथन ताह ने एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो के पास पर हेडर से गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया. सेबेस्टियन बोर्नौ ने 37वें मिनट में हेडर के जरिये गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया. मैथियास स्वानबर्ग ने 18 मीटर की दूरी से गोल कर वोल्फ्सबर्ग को हाफटाइम के पहले 3-2 की बढ़त दिला दी. खेल पुनः शुरू होने के बाद, लेवरकुसेन के कोच ने पिएरो हिनकापी को मैदान में उतारा, जिन्होंने तुरंत दूसरे हाफ के चौथे मिनट में गोल कर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया.

कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 : टी20 क्रिकेट में निकोलस पूरन ने किया नया कारनामा

एक साल में लगाए 150 छक्के, बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी। कैनबरा

वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन इस समय कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 में त्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से खेल रहे हैं. इस लीग में उनका बल्ला जमकर चल रहा है. सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट के खिलाफ खेले गए मैच में भी उनके बल्ले से एक मैच विनिंग पारी देखने को मिली. इस पारी के दौरान निकोलस पूरन ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया. उन्होंने एक ऐसा कारनामा करके दिखाया है जो टी20 क्रिकेट में इससे पहले कोई भी बल्लेबाज नहीं कर सका था. निकोलस पूरन ने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट के खिलाफ खेले गए मैच में 43 गेंदों पर नाबाद 93 रनों की पारी खेली. इस पारी के दम पर उनकी टीम 194 रन का टारगेट चेज करके मुकाबला जीतने में कामयाब रही. निकोलस पूरन ने इस मुकाबले के दौरान 6 चौके और 7 छक्के जड़े. इसी के साथ उन्होंने इस साल टी20 क्रिकेट में अपने 150 छक्के भी पूरे किए. बता दें, निकोलस पूरन टी20 क्रिकेट के इतिहास में पहले ऐसे बल्लेबाज बने हैं, जिसने एक साल में 150 छक्के लगाए हैं, इससे पहले कोई भी बल्लेबाज इस आंकड़ा के करीब नहीं पहुंच सका था.

सीपीएल 2024 में जमकर चल रहा बल्ला

कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 में निकोलस पूरन का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है. वह फिलहाल अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. उन्होंने 7 मैचों में 45.83 की औसत से 275 रन बनाए हैं. इस दौरान निकोलस पूरन के बल्ले से 2 अर्धशतक देखने को मिले हैं. उन्होंने ये रन 176.28 की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं. इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर 97 रन रहा है. वह इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने की लिस्ट में तीसरे नंबर पर बने हुए हैं. वहीं, उनकी टीम की बात की जाए तो त्रिनबागो नाइट राइडर्स 7 मैचों में 5 जीत के साथ चौथे नंबर पर है.

दिल की बात — यादगार कमबैक पर ऋषभ पंत ने किया अपनी भावनाओं का इजहार

मैं नर्वस था पर मुझे खुद को साबित करना था : पंत

एजेंसी। नयी दिल्ली

चेन्नई टेस्ट में भारत की शानदार जीत में ऋषभ पंत ने न केवल अपनी बल्लेबाजी से सबका दिल जीता, बल्कि अपनी भावनाओं को भी खुलकर बयां किया. मैच के बाद उन्होंने बताया कि बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में वापसी करते हुए वह नर्वस महसूस कर रहे थे. लेकिन उनके अंदर खुद को साबित करने की आग धधक रही थी. दिसंबर 2022 में जानलेवा कार एक्सीडेंट का शिकार हुए ऋषभ पंत की टेस्ट क्रिकेट में वापसी शानदार रही. बांग्लादेश के खिलाफ दूसरी पारी में उन्होंने 109 रनों की शतकीय पारी खेली. बीसीसीआई ने पंत का एक वीडियो एक्स पर शेयर किया. इसमें पंत ने कहा, मैं बहुत घबराया हुआ था. लेकिन मेरे अंदर एक जज्बा और विश्वास था कि मुझे खुद को साबित करना है. पहली पारी में भी उन्होंने 39 रन जोड़े लेकिन वे इससे खुश नहीं दिखे. हालांकि, पंत ने दूसरी पारी में इसकी भरपाई कर दी और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के साथ 167 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की. पंत ने दूसरी पारी के दौरान 128 गेंदों का सामना किया और कुल 109 रन बनाए. इस पारी के दौरान उन्होंने 13 चौके और चार गगनचुंबी सिक्सर भी लगाए. उन्होंने कहा, यह शतक मेरे लिए काफी खास है. मुझे चेन्नई में खेलना बहुत पसंद है. चोट के बाद मैं तीनों फॉर्मेट में खेलना चाहता था और यह मेरी वापसी के बाद पहला टेस्ट मैच था. मैं हर दिन इसका आनंद ले रहा हूं.

शतक लगाने के बाद अपने जश्न के बारे में बात करते हुए पंत ने कहा, यह भावुक पल था. मैं हर मैच में रन बनाना चाहता हूं. टेस्ट क्रिकेट में वापस आकर काफी अच्छा महसूस हुआ. मैंने बस बल्लेबाजी का आनंद लिया लेकिन, शतक बनाने के बाद भावुक भी हो गया था. इसके साथ एक बात यह भी है कि मैदान पर मेरी मौजूदगी, हमेशा मुझे खुशी देती है. पंत के विस्फोटक प्रदर्शन और गिल की धैर्यपूर्ण पारी ने भारत की 280 रनों की विशाल जीत की नींव रखी, जिससे वह दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 1-0 से आगे है. इस जीत की लय को कायम रखते हुए भारत शुक्रवार से कानपुर में शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच को जीतकर श्रृंखला अपने नाम करना चाहेगा.

कानपुर में खिलाड़ियों का रुद्राक्ष माला पहनाकर होगा स्वागत

- ग्रीन पार्क स्टेडियम में 27 सितंबर से एक अक्टूबर तक खेला जाएगा टेस्ट मैच

एजेंसी। कानपुर

ग्रीन पार्क स्टेडियम में 27 सितंबर से एक अक्टूबर तक भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट मैच खेला जाएगा. इसको लेकर ग्रीन पार्क स्टेडियम से लेकर होटल लैंडमार्क तक तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, क्योंकि दोनों टीमों के खिलाड़ी होटल लैंडमार्क में ठहरेंगे. होटल प्रशासन ने खिलाड़ियों के स्वागत और आरामदायक ठहराव के लिए विशेष इंतजाम किए हैं. मैच की शुरुआत 27 सितंबर से होनी है, और दोनों टीमें 24 सितंबर को कानपुर पहुंचेंगी. खिलाड़ियों के ठहरने का इंतजाम होटल लैंडमार्क में किया गया है. भारतीय टीम का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया जाएगा, जिसमें राम धुन, शंख ध्वनि, रुद्राक्ष की माला, पटका, हल्दी और चंदन से तिलक लगाया जाएगा. वहीं, बांग्लादेश टीम का भी तिलक और पटका पहनाकर स्वागत किया जाएगा.

खिलाड़ियों की सुविधा के लिए खास व्यवस्थाएं: होटल लैंडमार्क में भारतीय और बांग्लादेशी खिलाड़ियों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं. खिलाड़ियों के स्वागत के दौरान उन्हें खास बेवरेज और ठंडे तौलिए प्रदान किए जाएंगे ताकि गर्मी से राहत मिल सके. खिलाड़ियों के आराम और फिटनेस का ख्याल रखते हुए जिम की व्यवस्था भी की गई है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से तीसरा चंद्र है. मानसिक तनाव वाला दिन है. किसी से बहस से चिड़चिड़ापन बढ़ेगा. कार्यस्थल पर जो लोग आपको पसंद नहीं करते थे, वे आपके कार्यों की तारीफ करेंगे. कार्य पूर्ण करने के लिए किसी की मदद लेनी होगी.

वृष कार्य और प्रयास सफल होगा. तनाव लगातार बढ़ता जाएगा. बेहतर होगा कहीं घूमने चले जाएं. आपके अपनों को आपकी जरूरत है. मौज-मस्ती पर खर्च होगा. पिता के व्यवहार में परिवर्तन से चिंतित रहेंगे. अन्न का दान करें.

मिथुन समय उत्तम है. धन का आगमन होगा. खर्च अधिक होगा. साथ धन का आगमन होगा. मानसिकता को बदलने की बेहद जरूरत है. उन्नति में बाधा आयेगी. कोई खुशखबरी सुन सकते हैं. गुड़ का दान शिव मंदिर में करें.

कर्क समय अनुकूल है. कोई बड़ा कार्य करने के लिए समय अनुकूल है. किसी की सिफारिश से कार्य हो सकता है. संचित धन का निवेश लाभप्रद रहेगा. किसी के बहकावे में आने से रिश्ते कमजोर होंगे. संतान सुख की प्राप्ति संभव.

सिंह नेत्र रोग से बचें. खर्च संभाल कर करना चाहिए. किसी विषय को समझने की जिज्ञासा रहेगी. अपने अधिनस्थों के किये कार्यों की सराहना करें, लाभ होगा. विदेश से शुभ समाचार मिलेगा. योग का सहारा लिया जा सकता है.

कन्या किसी अजनबी का कुछ नया सीखने को मिलेगा. जिंदगी से जुड़ी निजी बातें आज सामने आ सकती हैं. नौकरी में उत्साह की कमी रहेगी. कोई बिगड़ा कार्य बनने से मन में खुशी होगा. गणेश जी का पूजन ध्यान करें.

तुला किसी बड़े कार्य होने से मन खुश रहेगा. साथ ही प्रतियोगिता में सफल होंगे. जीवनसाथी के साथ मतभेद संभव है. मेहनत ज्यादा करें और अपने कार्य के प्रति ईमानदार रहें. मनचाहा जवाब न मिलने से निराश रहेंगे.

वृश्चिक ससुराल से कोई बड़ा लाभ या कार्यक्रम का योग है. समय बहुत अनुकूल होगा. भाग्य साथ है, पर स्वयं अपने आप पर से नियंत्रण खो देंगे. मित्रों से मतभेद हो सकते हैं. कार्य स्थल पर धन लाभ के योग है. इष्ट बल मजबूत करें.

धनु कोई मानसिक तनाव हो सकता है. किसी से विवाद से मानहानि हो सकता है. समय के साथ स्थिति आपके अनुकूल बनेगी. जीवनसाथी का व्यवहार मनोबल बढ़ाएगा. कर्ज लेने की स्थिति निर्मित हो सकती है.

मकर किसी से कोई विवाद हो सकता है. मानहानि से बचें. जरूरतमंद लोगों की मदद करें. मांगलिक कार्यक्रमों की रूपरेखा बनेगी. राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे. पैसों की लेन देन संभव. खान-पान पर ध्यान दें.

कुंभ विद्यार्थी परिणामों को लेकर चिंतित रहेंगे. मेहमानों का आगमन हो सकता है. जमीन जायदाद के मसले निपटेंगे. समय धन देगा पर धन कमाने की चाह में कोई गलत फैसले न लें. माता लक्ष्मी को जल और गुलाब फूल अर्पण करें.

मीन धार्मिक कार्यों में लोगों से प्रोत्साहन मिलेगा. किसी मित्र या परिवार के लोगों से मुलाकात होगी, जिससे मन खुश होगा. आपके प्रयास से पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा. बुरी संगत छोड़ दें.

राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा की पहल पर एकजुट हुए आदिवासी समाज के लोग

जनजाति को हिंदू कहने पर भड़का आदिवासी समाज, पैदल मार्च किया, पुतला फूंका

संवाददाता। रांची

जनजाति को हिंदू कहने पर आदिवासी समाज में आक्रोश है. सोमवार को जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम के सामने राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के बुलावे पर आदिवासी समाज के सैंकड़ो लोग एकजुट हुए. यहां से पैदल मार्च शुरू हुआ, जो अलबर्ट एक्का चौक पहुंचा. चौक पर पर वनवासी कल्याण आश्रम के संचार प्रमुख प्रमोद पेटकर का पुतला फूंका गया. मार्च की अगुवाई सरना प्रार्थना सभा रांची महानगर की अध्यक्ष चंपा कुजूर ने किया. मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आदिवासी न कभी हिंदू थे, न हैं और न आगे रहेंग. प्रमोद पेटकर आदिवासी विरोधी हैं, इसीलिए उन्होंने आदिवासी समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी की. उन्होंने कहा है कि देश का जनजाति सांज हिंदू है. झारखंड, ओडिशा और बंगाल के आदिवासियों को सरना धर्म कोड की आवश्यकता नहीं है. उनके इस बयान से आदिवासी समाज आक्रोशित है.

अधिवक्ता दिनेश मुंडा ने कहा कि आदिवासी हिंदू नहीं हैं, क्योंकि आदिवासी समाज का पर्व-त्योहार,धर्म -संस्कृति, रीति रिवाज ,जन्म -मृत्यु संस्कार कस्टमरी लॉ से चलता है.आदिवासी समाज प्रकृति पूजक है, न कि मूर्तिपूजक.आदिवासी समाज सभी धर्मों को मान- सम्मान देता है. सचिव अर्जुन गाड़ी ने कहा कि आदिवासी समाज को हिंदू कहनेवालों को चिह्नित किया जाएगा. समाज की अवहेलना करने, मजाक उड़ानेवाले को अब किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा. यही कारण है कि आज भाजपा को लोकसभा की पांच आदिवासी सीटें गंवानी पड़ी. यदि भाजपा नेताओं ने फिर से वैसी ही गलती की, तो आनेवाले विधानसभा चुनाव में उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ेगा. मौके पर ज्ञान मुंडा, दुर्गा उरांव, फूलो कच्छप, पवन टोप्पो, सचिव अर्जुन गाड़ी, महासचिव मंगा उरांव, करमा गाड़ी, संगीता मुंडा, कोषाध्यक्ष सुधीर उरांव मौजूद थे.

झारखंड में लव जिहाद और लैंड जिहाद की सरकार : अनुराग ठाकुर

कहा- घुसपैठियों के कारण बदल रही संथाल की डेमोग्राफी

- उटारी रोड में पूर्व केंद्रीय मंत्री का राज्य सरकार पर निशाना

संवाददाता। पलामू

पूर्व केंद्रीय मंत्री सह भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार लव जिहाद और लैंड जिहाद की सरकार है. इस सरकार ने राज्य की की जनता को ठगने का काम किया है. ठाकुर सोमवार को उंटारी रोड में भाजपा की परिवर्तन संकल्प रैली सह जनसभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर को गांधी जयंती के दिन भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा समाप्त होगी. इस अवसर पर झारखंड की गद्दी से भ्रष्ट सरकार को हटा कर स्वच्छता अभियान चलाने का संकल्प लेंगे.

संथालपरगना में अदिवासियों की आबादी 14% घटी : उन्होंने कहा कि संथालपरगना क्षेत्र में रोहिंग्या मुसलमान बस रहे हैं. इस क्षेत्र से आदिवासी भागने को मजबूर हो रहे हैं. यही कारण है कि आज उनकी अबादी 42% से घट कर होकर 28% की संख्या हो गई है. विदेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या के करण संथाल क्षेत्र की डेमोग्राफी बदल रही है और राज्य की हेमंत सरकार जन कल्याण नहीं, बल्कि जिहादी कल्याण कर रहे हैं. अनुराग ठाकुर ने कहा कि हेमंत सोरेन ने वादा किया था कि 1932 के खतियान पर झारखंडियों को नौकरी देंगे, लेकिन नौकरी नहीं दी. हर महीने बेटियों के खाते में 2000 रुपये देने की बात कही थी. अब चुनाव को देखते हुए 1000 रुपये दे रहे हैं.

पलामू के उटारी रोड में जनसभा को संबोधित करते सांसद अनुराग ठाकुर.

ट्रांसफर-पोस्टिंग और टेंडर घोटाले का चल रहा खेल

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जल, जंगल, जमीन को लूटने का काम कर रही है. इस सरकार में ट्रांसफर-पोस्टिंग और टेंडर घोटाले का खेल चल रहा है. इस सरकार में अधिकारी के घर से 18 करोड़ और उनके नेता के घर से 300 करोड़ रुपये मिलते हैं. उन्होंने कहा कि इस सरकार में पेपर लीक और अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए इंटरनेट बंद कर दिया जा रहा है. नीट का पेपर लीक का मास्टरमाइंड झारखंड से ही पकड़ाता है. उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में भर्ती के नाम पर 14 नौजवानों को मार डाला गया. एक सवाल के जवाब में तिरुपति मामले की भी निष्पक्ष जांच की मांग की.

16वीं झारखंड राज्य पुलिस खेल कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

प्रतियोगिता में 1500 खिलाड़ी लेंगे भाग

संवाददाता । रांची

डोरंडा स्थित जैप-एक में सोमवार को 16वीं झारखंड राज्य पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ. खेल मंत्री मिथिलेश ठाकुर और डीजीपी अनुराग गुप्ता ने दो दिवसीय (24 और 25 सितंबर) प्रतियोगिता का उद्घाटन किया. इस मौके पर जैप एडीजी प्रिया दुबे, जैप आईजी राजकुमार लकड़ा, जैप डीआईजी मयूर पटेल कन्हैयालाल, जैप कमांडेंट राकेश रंजन समेत कई पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे. इस खेलकूद प्रतियोगिता में करीब 1500 पुलिस खिलाड़ी भाग ले रहे हैं. बेहतर खेलने वाले खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली टीम के लिए किया जायेगा. खेलकूद प्रतियोगिता में फुटबॉल, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, पेंचाक सिलाट, योग, वॉलीबॉल, हॉकी, कुश्ती, कबड्डी, क्रास कंट्री, मैराथन, हैंडबॉल, तीरंदाजी, खो-खो, एथलेटिक्स, जिमनास्टिक, बॉक्सिंग, जूडो, वुशु, ताइक्वांडो, वेटलिफ्टिंग, कराटे, बॉडीबिल्डिंग और पावरलिफ्टिंग शामिल हैं.

जैप 2 के खेल ग्राउंड में लगाया जाएगा टर्फ : मंत्री

मौके पर खेल मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा की जैप 2 के खेल ग्राउंड में टर्फ लगाया जाएगा. वहीं उन्होंने वहां स्विमिंग पूल निर्माण की भी बात कही. उन्होंने खिलाड़ियों को कैश अवार्ड और झारखंड खेल नीति के तहत सीधी नियुक्ति देने की बात कही. इस दौरान प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी.

एक पेड़ मां के नाम अभियान : सीसीएल में अर्पिता महिला मंडल ने किया पौधरोपण

रांची। सीसीएल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अर्पिता महिला मंडल ने सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस परिसर में पर्यावरण को समर्पित पौधरोपण किया. कार्यक्रम का उद्देश्य मातृत्व का सम्मान करना और माताओं के नाम पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना था. सीसीएल की प्रथम महिला और अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्षा प्रीति सिंह ने इस अभियान का नेतृत्व किया. अर्पिता महिला मंडल की सदस्यों ने कार्यालय परिसर में सक्रिय रूप से पौधरोपण किया. इस अवसर पर रीता मिश्रा, शशि दुहन, किरण झा, इंदु मिश्रा, रूपा रानी, अर्पिता महिला मंडल के सभी सदस्य उपस्थित थे.

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने की बासुकीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना

देवघर । राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के नई दिल्ली से देवघर पहुंचने पर बाबा बैद्यनाथ एयरपोर्ट पर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने स्वागत किया. गंगवार ने रविवार को दुमका स्थित बासुकीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की, साथ ही समस्त राज्यवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की.

सीएनटी एक्ट उल्लंघन मामले में कार्रवाई की लगाई गुहार

हजारीबाग। रिटायर्ड डीएसपी अमल अजित कुमार सोरेन ने पूर्व विधायक पर आदिवासी की जमीन हड़पने का आरोप लगाया है. इस संबंध में उन्होंने मुख्य न्यायाधीश, मुख्य सचिव, डीसी और एसपी को भेजे आवेदन में कहा है कि उनके पिता स्व. गोपाल गमेलिवल सोरेन, हजारीबाग के निवासी थे, जिसका कुल रकबा 54 डिसमिल है. सन 29 सितंबर 1938 में क्राइस्ट कालयानी तिर्की से खरीदा गया, जिसका आम मुकतरनामा सत्यवती तिर्की ने उन्हें दिया है. क्राइस्ट तिर्की की खाता तीन प्लॉट नम्बर 906 की भूमि पर टीएस 73/2016 वर्तमान में न्यायालय में लंबित है. दुर्भाग्यवश वर्तमान में उनके उपरोक्त भूमि पर योगेन्द्र साव की कुदृष्टि है. वे मेरे आदिवासी भूमि को हड़पने का प्रयास करते रहते हैं.

- रिटायर्ड डीएसपी ने पूर्व विधायक योगेंद्र साव पर आदिवासी जमीन लूटने का लगाया आरोप

रांची सहित राज्य के आठ जेलों का होगा जीर्णोद्धार, गृह विभाग ने राशि आवंटित की

संवाददाता। रांची

झारखंड के आठ जेलों में जीर्णोद्धार का काम होगा. इसको लेकर झारखंड गृह विभाग ने 3.24 करोड़ की राशि आवंटित की है. गृह विभाग ने अपने जारी आदेश में कहा है कि इस राशि की निकासी और खर्च करने की जिम्मेदारी जेल अधीक्षक की होगी. जिला अधीक्षक संबंधित जिला कोषागार से राशि निकासी कर झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के खाते में ट्रांसफर करायेंगे.

किस जेल में कितनी लागत से मरम्मत

- बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार रांची में बाउंड्री वॉल की मरम्मत- 84 लाख
- खूंटी जेल में टॉयलेट मरम्मत का कार्य- 22 लाख
- घाटशिला जेल में अस्पताल की मरम्मत- 22 लाख
- जामताड़ा जेल में अस्पताल भवन की मरम्मत- 62 लाख
- सरायकेला जेल में अस्पताल का जीर्णोद्धार : 23 लाख
- खूंटी जेल में अस्पताल की मरम्मत- 11 लाख
- बोकारो के चास जेल की मरम्मत- 48 .45 लाख
- कोडरमा जेल में अस्पताल का जीर्णोद्धार- 30 .43 लाख
- पलामू जेल में अस्पताल की मरम्मत- 21.84 लाख

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा का अल्टीमेटम

मांगों को लेकर 30 को घेरेंगे सीएम आवास

संवाददाता। रांची

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की समीक्षा बैठक डोरंडा स्थित कार्यालय में हुई, जिसमें मांगों पर विचार-विमर्श किया गया. निर्णय लिया गया कि 25 सितंबर तक झारखंड आंदोलनकारियों के जेल जाने की बाध्यता समाप्त करने, राजकीय मान- सम्मान ,अलग झारखंडी पहचान, बेटा बेटियों के सौ प्रतिशत रोजी रोजगार नियोजन की गारंटी देने और एक-एक आंदोलनकारी को सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रु. देने की दिशा में पहल नहीं हुई, तो 30 सितंबर को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने का निर्णय लिया गया है. प्रत्येक आंदोलनकारी परंपरागत अस्त्र शस्त्र के साथ जुटेंगे. बैठक की अध्यक्षता करते हुए विदेशी महतो ने कहा कि अस्मिता की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई स्वयं लड़ेंगे और अपने संघर्ष के बल पर ही अपने अधिकारों को लेकर रहेंगे.

मोर्चा के संस्थापक पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष करते हुए अपनी पहचान व मान-सम्मान के सवाल पर शहादत देने के लिए तैयार हैं. 30 सितंबर को झारखंड आंदोलनकारी अपना अधिकार मिलने के बाद ही विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए जायेंगे. केंद्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी अपने शेष समय को विशेष बनाते हुए अपने मान सम्मान, अलग पहचान, रोजी- रोजगार नियोजन के अधिकार की रक्षा के लिए 30 सितंबर को सड़कों पर उतरेंगे. दक्षिण छोटानागपुर प्रमंडल की अध्यक्ष रोजलीन तिर्की, पलामू प्रमंडलीय अध्यक्ष बालकिशुन उरांव ने भी अपने विचार रखे. बैठक में जिदन कोल, श्याम बिहारी प्रजापति, बुधन कोल, कार्तिक महथा आदि ने हिस्सा लिया.

टंडवा में भूमि सत्यापन मामले में बीस सूत्री अध्यक्ष को नोटिस

ग्रामीणों ने फर्जीवाड़ा का लगाया आरोप

विनित आभा उपाध्याय । रांची

भूमि घोटाले से जुड़े मामले में झारखंड में ईडी और एसीबी लगातार कार्रवाई कर रही है. इसके बावजूद चतरा जिले के टंडवा में काजगात का फर्जीवाड़ा कर भूमि घोटाला रुकने का नाम नहीं ले रहा है. ताजा मामला चतरा जिला के टंडवा कोयलांचल के सरकारी गैरमजरूआ व आदिवासी भूमि को जालसाजी और फर्जीवाड़ा कर सत्यापन किये जाने के मामले पर पीड़िता ने बड़ा खुलासा किया है. चतरा जिला प्रशासन ने टंडवा के बीस सूत्री अध्यक्ष सुखदेव यादव उर्फ सुभाष यादव सहित उनके पूरे परिवार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है.

नोटिस में कहा गया है कि टंडवा अंचल के मौजा के राहम चातर में खाता नंबर 389 प्लॉट संख्या 2599 जिसका कुल रकबा 4.40 एकड़, भूमि पर कायम अवैध जमाबंदी रद्द करने के लिए गांव के ही सीटन यादव व उगन यादव ने अपील दायर की है. नोटिस मिलने के बाद भी सुभाष यादव अपने पद का दुरुपयोग कर नोटिस का जवाब नहीं दे रहे हैं. चतरा जिले में मगध आम्रपाली प्रोजेक्ट में सरकारी और गैरमजरूआ भूमि का फर्जीवाड़ा करके फर्जी हुकुमनामा तैयार कर नौकरी लेने के मामले में भी एसबी की जांच जारी है.

कोल वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

चतरा । तेज रफ्तार कोल वाहन ने बाइक सवार युवक को चपेट में ले लिया. दुर्घटना में युवक की मौत हो गई. जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के पदमपुर पंचायत अंतर्गत बुकरु निवासी गौतम सिंह के पुत्र रामप्रवेश सिंह टंडवा से सोमवार दोपहर वापस गांव लौट रहे थे. इसी दौरान आम्रपाली के बिंगलात स्थित गेट के समीप कोल वाहन ने युवक को चपेट में ले लिया. घटना के बाद कोल वाहन युवक को बाइक सहित घसीटते हुए सौ मीटर से अधिक दूरी तक अपने साथ ले गया. मानवता का परिचय देते हुए टंडवा प्रमुख रीना देवी ने अपने वाहन से घायल को अस्पताल पहुंचाया. मृतक टीवीएस क्रेडिट नामक कंपनी में लोन रिकवरी एजेंट का काम करता था. घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने आम्रपाली एक नंबर गेट को जाम कर दिया, जिससे आम्रपाली से कोयला दुलाई ठप हो गई.

पेज एक का शेष...

कल्पना ने गढ़वा से भरी हुंकार...

कश्मीर में वोट के लिए भाजपा मां सम्मान योजना लाती है और यहां पर पीआईएल : दीपिका : मंत्री दीपिका सिंह पांडेय ने कहा कि मंईयां सम्मान यात्रा झारखंड की राजनीति में लिखी जानी है. यह झारखंड के महिलाओं के सम्मान, अधिकार और बराबरी का अधिकार दिलाने में एक अहम प्रयास है.महिलाएं अपने घरों में अपने दायित्व को देखती हैं. महिलाएं अब राजनीति में भी सामने आ रही हैं. राज्य के मुख्यमंत्री हेंमत सोरेन ने सभी बहनों-भाइयों के लिए सबकुछ किया. लेकिन भाजपा नेताओं के पेट में दर्द हो रहा है. मगर कश्मीर में वोट मांगने जाते हैं, तो वहां पर मां सम्मान योजना की घोषणा करते हैं. यह दोहरी नीति महिलाएं अब नहीं बर्दाश्त नहीं करेंगी. कोई भी योजना हमारी सरकार लाती है, तो उसके खिलाफ पीआईएल होता है और उसके बाद बोरे भर-भर के नोट देने का काम ये भाजपा वाले करते हैं.

हमारी जनता उन्हें पैदल करके भेज देगी : मिथिलेश ठाकुर : मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि जितनी भी महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत पलामू की पावन धरती से हुई. पलामू प्रमंडल के साथ हमेशा सौतेला व्यावहार हुआ. बिहार के समय से यह चलता रहा. आज मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि गढ़वा जिला अब किसी से पीछे नहीं है और इसका पूरा श्रेय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जाता है. मंईयां सम्मान योजना यात्रा शुभारंभ भी गढ़वा हो रहा है. हमारे मुख्यमंत्री ने जेल जाना पंसद किया, मगर मान-सम्मान से समझौता नहीं किया. चंपाई सोरेन को बागडोर सौंप कर जेल चले गए. उन्हें हम सब ने मिलकर उन्हें मुख्यमंत्री बनाया. हमारे हेमंत सोरेन जेल से बाहर आए और इसके बाद खरीद-फरोख्त करके उन्हें अपने दल में ले गए. आज जो परिवर्तन यात्रा वाले लोग घूम रहे हैं, हमारे लोगों ने उन्हें पैदल करने का काम किया.

कार्यकर्ताओं ने किया परिवर्तन यात्रा स्वागत

कोडरमा । जिले के जयनगर प्रखंड के थाना मोड पर भाजपा नेता सुरेन्द्र भाई मोदी, भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश यादव ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ परिवर्तन यात्रा का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. भाजपा समर्थकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा जिंदाबाद के नारे लगाए. तत्पश्चात पिपचो चौक, तेतरौन मोड के रास्ते परसाबाद, बेडोकला, पलमा होते हुए कपका मैदान पहुंचा, जहां एमपी के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी आदि के कार्यक्रम में शामिल हुए. मौके पर जिप सदस्य कुमकुम देवी, राजेन्द्र सिंह, सुरेंद्र प्रसाद मोदी, सदानंद सिंह, संतोष साव, बीरेंद्र कुमार, संजय साव, सुनील सिंह, उमेश मोदी, राजू राणा आदि मौजूद थे.

बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री...

क्या है पूरा मामला और किस तरह से सुप्रीम कोर्ट में यह मामला पहुंचा यह आदेश एनजीओ जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन अलायंस द्वारा हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ दायर अपील में पारित किया गया था, जिसमें कहा गया था कि निजी तौर पर चिल्ड्रन पोर्नोग्राफी देखना अपराध नहीं है. हाईकोर्ट के उस फैसले में न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने कहा था कि किसी के व्यक्तिगत इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पर चिल्ड्रन पोर्नोग्राफी को डाउनलोड करना या फिर उसे सिर्फ देखना पॉक्सो एक्ट और आईटी एक्ट के तहत अपराध नहीं है. हाईकोर्ट ने एस हरीश नामक व्यक्ति के खिलाफ शुरू हुई कार्यवाही को रद्द करते वक्त यह टिप्पणियां की थीं. हरीश के खिलाफ अपने मोबाइल पर दो चाइल्ड पोर्नोग्राफी वीडियो डाउनलोड करने और देखने के लिए पॉक्सो अधिनियम और आईटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था. मार्च में इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट की टिप्पणी घृणास्पद थी.

देश में करें सेक्स एजुकेशन की शुरुआत : सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने फैसले में एक अहम टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार सेदेश भर में सेक्स एजुकेशन प्रोग्राम लागू करने का भी आह्वान किया है. कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य और यौन शिक्षा के लिए एक व्यापक कार्यक्रम या तंत्र तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन करने पर विचार करे. पीठ ने कहा कि भारत में यौन शिक्षा के बारे में गलत धारणाएं व्यापक तौर पर अपनी पैठ बनाए हुए हैं. यहां लोग सामाजिक कलंक की वजह से यौन स्वास्थ्य के बारे में खुल कर बात करने से कतराते हैं, जिसके परिणामस्वरूप किशोरों के बीच यौन स्वास्थ्य को लेकर कई तरह की गलतफहमियां पैदा होती हैं और वे कई बार गलत रास्ते पर चले जाते हैं. पीठ ने टिप्पणी की कि रूढ़िवादी समाज में माता-पिता और शिक्षकों समेत अधिकांश लोग सेक्स पर चर्चा करना गलत, अनैतिक या शर्मनाक महसूस करते हैं.

शुभारंभ सरकार की ओर से मंईयां सम्मान यात्रा का श्रीगणेश सोमवार को किया गया

कृषि मंत्री व कल्पना ने की श्री बंशीधर मंदिर में पूजा

संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

झारखंड सरकार की ओर से मंईयां सम्मान यात्रा का श्रीगणेश सोमवार को यहां श्री बंशीधर नगर से किया गया. यात्रा का शुभारंभ करने श्री बंशीधर नगर पहुंचे सूबे के महिला बालविकास मंत्री बेबी देवी, पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, कृषि मंत्री दीपिका सिंह पांडेय एवं गांडेय विधायक व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने सबसे पहले श्री बंशीधर मंदिर में पूजा अर्चना कर राज्य में अमन चैन खुशहाली के साथ-साथ झारखंड में फिर से हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने के लिये श्री बंशीधर जी से कामना की. मंदिर में आचार्य सत्यनारायण मिश्र के वैदिक मंत्रोचार के बीच सभी ने श्री बंशीधर जी की विधिवत पूजा अर्चना के साथ-साथ श्री राधा बंशीधर जी युगल सरकार की आरती उतारी. पूजा अर्चना करने के बाद श्री बंशीधर सूर्य मंदिर ट्रस्ट की ओर से ट्रस्ट के संरक्षक पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव, दीपक प्रताप देव एवं ट्रस्ट के सलाहकार धीरेंद्र कुमार चौबे ने मंत्रीद्वय एवं विधायक कल्पना सोरेन को चुनरी ओढाकर एवं श्री बंशीधर जी की तस्वीर भेंट कर मंदिर में गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. मौके पर जिप अध्यक्ष शांति देवी, झामुमो नेता ताहिर अंसारी, महिला जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, सोगरा बीबी, किरण देवी, मंदिर के पदाधिकारी सुरेश विश्वकर्मा आदि मौजूद थे.

पूजा-अर्चना करतीं विधायक कल्पना सोरेन व अन्य

न्यूज अपडेट

मोदी टेक सीईओ की बैठक में शामिल हुए

न्यूयॉर्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूयॉर्क में प्रमुख अमेरिकी टेक कंपनियों के सीईओ के साथ बैठक में भारत और अमेरिका के बीच कटिंग-एज टेक्नोलॉजी जैसे कि एआई, क्वांटम कम्प्यूटिंग और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने के लिए पीएम मोदी ने इस राउंडटेबल बैठक में हिस्सा लिया. पीएम गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और एडोबी के सीईओ शांतनु नारायण से भी मिले. बैठक में आईबीएम के सीईओ अरविंद कृष्णा, एएमडी की सीईओ लिसा सु, मॉडर्ना के सीईओ नूबर अफयान भी मौजूद रहे.

एक्टर चिरंजीवी को किया गया सम्मानित

नयी दिल्ली। फिल्म स्टार चिरंजीवी कोनिडेला को भारतीय फिल्म जगत में उनके बेहतरीन काम के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से सम्मान दिया गया. ये सम्मान रविवार को हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिया गया. फिल्म स्टार आमिर ख़ान ने ये सर्टिफिकेट चिरंजीवी को दिया. 156 फिल्मों में 537 गानों पर 24000 डांस मूव्स के लिए मेगास्टार चिरंजीवी का नाम गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ. चिरंजीवी ने कहा कि मैं ये पल कभी भूल नहीं पाऊंगा. डांस के लिए सम्मानित होना बहुत शानदार है.

स्वतंत्र अभिव्यक्ति लोकतंत्र की पहचान

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित ने हाल ही में ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल की ओर से आयोजित सोली जे. सोराबजी मेमोरियल लेक्चर में कहा कि स्वतंत्र अभिव्यक्ति का अधिकार लोकतंत्र की पहचान है और जाने-माने न्यायविद और भारत के पूर्व अटॉर्नी जनरल सोली जे. सोराबजी इस अधिकार के पक्के समर्थक और समर्थक थे. असहमति के अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा पर उनका लेखन ग्रीस में लोकतंत्र की नींव पर ही आधारित था.

राजनयिकों के काफिले पर आतंकी हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत से राजधानी इस्लामाबाद जा रहे विदेशी राजनयिकों के काफिले को निशाना बनाकर आतंकियों ने हमला किया है. आतंकियों द्वारा किए गए विस्फोट में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए. पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रविवार को खैबर पख्तूनख्वा के स्वात जिले में एक एडवांस स्काउट पुलिस वाहन पर एक आईईडी विस्फोट हुआ, जिसके कारण पुलिस के कई जवान हताहत हुए हैं.

गहरी खाई में गिरी बस, चार की मौत

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के सेमाडोह के पास एक बस खाई में गिर गई, जिससे चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 से ज्यादा घायल हो गए. इनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है. सभी को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बस अमरावती से खंडवा जा रही थी. इसी दौरान बस एक घुमावदार सड़क पर नियंत्रण खोने के बाद 60 से 70 फीट गहरी खाई में गिर गई. सूचना पर पहुंची टीम ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया. बस में करीब 50 से 55 यात्री सवार थे.

ट्रंप बोले, हारे तो फिर चुनाव नहीं लड़ेंगे

नयी दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ट्रंप ने कहा कि अगर वो नवंबर में हार जाते हैं, तो वो 2028 का राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ेंगे. 78 साल के ट्रंप लगातार तीन अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों से रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार हैं. एक इंटरव्यू में जब ट्रंप से पूछा गया कि अगर वो कमला हैरिस से हार जाते हैं तो क्या दोबारा चुनाव लड़ेंगे. तो इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि नहीं, मुझे नहीं लगता.

संघ से सवाल पर नकवी का पलटवार

नयी दिल्ली। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को काम में जोरी और विरोध में हीरो बताया. दिल्ली के पूर्व सीएम ने रविवार को जंतर-मंतर पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से पांच सवाल पूछे थे. इसे लेकर नकवी ने कहा कि जो लोग अब तक काम में जीरो रहे हैं, वे अब धरने में हीरो बनने में लगे हैं. जो कुछ भी करने में विफल रहे हैं, वे अब विरोध प्रदर्शनों का खेल खेलने लगे हैं, विरोध प्रदर्शनों के खेल में अपनी विफलताओं का हिसाब कौन दे?

यौन उत्पीड़न के अभियुक्त की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में पुलिस का कहना है कि बदलापुर के एक स्कूल में दो बच्चियों से यौन शोषण मामले के अभियुक्त अक्षय शिंदे की मौत हो गई है. पुलिस का कहना है कि आरोपी अक्षय शिंदे को पुलिस तलोजा अस्पताल से ले जा रही थी, तभी उसने बंदूक़ छीन कर अपनी जान लेने की कोशिश की. इसके बाद हुई गोलीबारी में अक्षय शिंदे की मौत हो गई है. गोलीबारी के बाद अक्षय शिंदे को कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल ले जाया गया.

सांसद वीणा देवी के बेटे की हादसे में मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर से एलजेपी (आर) सांसद वीणा देवी के बेटे छोटू सिंह की सड़क हादसे में मौत हो गई है. वीणा देवी वैशाली से सांसद हैं. ये हादसा मुजफ्फरपुर जैतपुर के पौखरेरा में हुआ है. घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है. जानकारी के मुताबिक मुजफ्फरपुर के जैतपुर थाना क्षेत्र के दिनेश्वर पेट्रोल पंप के पास सड़क हादसे में वैशाली सांसद वीणा देवी और एमएलसी दिनेश सिंह के बेटे छोटू सिंह की मौत हो गई है.

आतिशी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री का पदभार संभाला, कहा-इस कुर्सी को अरविंद केजरीवाल की वापसी का इंतजार रहेगा

भरत जी ने खड़ाऊं रख सिंहासन संभाला था, उसी तरह मैं भी संभालूंगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली की नयी मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि जिस तरह भरत जी ने खड़ाऊं रखकर सिंहासन संभाला, उसी तरह मैं सीएम की कुर्सी संभालूंगी. आतिशी ने सोमवार को सीएम के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया. उन्होंने साफ कर दिया कि भले ही वह अभी सीएम हैं, लेकिन सर्वोच्च स्थान पर अरविंद केजरीवाल ही हैं. आतिशी के बगल में एक खाली कुर्सी भी थी. उन्होंने कहा कि यह कुर्सी केजरीवाल की वापसी तक इसी कमरे में रहेगी. इस कुर्सी को केजरीवाल का इंतजार रहेगा. इस बयान पर बीजेपी नेताओं ने तंज़ कसते हुए इसे संविधान का अनादर बताया है.

भाजपा ने केजरीवाल की छवि खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी : आतिशी ने अपने मन को राम के भाई भरत की व्यथा से जोड़ते हुए कहा कि भाजपा ने अरविंद केजरीवाल पर कीचड़ उछालने में कोई कसर नहीं छोड़ी. आतिशी ने कहा कि मैंने दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है. आज मेरी पीड़ा वैसी ही है जैसी भरत की थी जब भगवान राम 14 वर्ष के लिए वनवास गये थे और भरत को कार्यभार संभालना पड़ा था. जैसे भरत ने 14 वर्ष तक भगवान राम की पादुकाएं संभाल कर रखीं और कार्यभार संभाला, वैसे ही अगले चार महीने मैं भी उसी तरह दिल्ली सरकार चलाऊंगी.

मुझे उम्मीद है कि दिल्ली की जनता फिर से केजरीवाल को मुख्यमंत्री चुनेगी : आतिशी ने कहा कि पिछले दो साल से भाजपा ने अरविंद केजरीवाल की छवि खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. उन पर झूठे मुकदमे लगाये गये, उन्हें गिरफ्तार किया गया और छह महीने के लिए जेल में डाल दिया गया. अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि जब तक दिल्ली की जनता उनकी ईमानदारी पर भरोसा नहीं जताती, तब तक वे सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे. इसलिए उन्होंने इस्तीफा दे दिया. मुझे उम्मीद है कि दिल्ली की जनता उन्हें फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री चुनेगी. तब तक कुर्सी इसी पद पर रहेगी और अरविंद केजरीवाल का इंतजार करेगी.

आईडीएफ की एयर स्ट्राइक के बाद हिज्बुल्लाह ने भी किए जवाबी हमले

हिज्बुल्लाह के 300 ठिकानों पर बमबारी, 182 लोगों की हुई मौत

एजेंसियां। बेरुत/तेहरान

गाजा में फिलीस्तीन के साथ जारी जंग के बीच इजरायल ने मिडिल ईस्ट देश लेबनान में हिज्बुल्लाह संगठन के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की है. इजरायल की मिलिट्री ने सोमवार को एक बयान जारी कर एयर स्ट्राइक की जानकारी दी. इजरायल के डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने बताया कि सोमवार सुबह 6:30 (स्थानीय समयानुसार भोर 3:30 बजे) से सुबह 7:30 बजे के बीच हिज्बुल्लाह के 300 ठिकानों पर मिसाइल और रॉकेट से करीब 150 हमले किए गए. इजरायल के एयर स्ट्राइक में अब तक 182 लोगों की मौत हो चुकी है. कम से कम 700 लोग जख्मी बताए जा रहे हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक, हमले से पहले इजरायल की ओर से लेबनान के लोगों के फोन पर रिकॉर्डेड मैसेज में अलर्ट भी भेजा गया था. रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल की एयर स्ट्राइक के बाद लेबनान ने सोमवार को सभी स्कूल और कॉलेजों को 2 दिन के लिए बंद कर दिया है मार्केट को भी बंद रखने का आदेश है. एहतिहातन लोगों को जहां तक संभव हो सके, अपने घरों में रहने की हिदायद दी गई है. इस बीच लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दक्षिणी लेबनान के सभी हॉस्पिटल को आदेश दिया है कि ऐसी सर्जरी को रद्द कर दिया जाए, जिन्हें तुरंत करना बहुत जरूरी न हो. ताकि इजरायली हमले में घायल लोगों को तुरंत इलाज मिले.

हिज्बुल्लाह ने की जवाबी कार्रवाई : एयर स्ट्राइक के बाद हिज्बुल्लाह ने भी इजरायल पर हमले किए हैं. हिज्बुल्लाह के मुताबिक, उनके लड़ाकों ने इजरायल के आर्म्स फैक्ट्री पर बमबारी की है. इजरायल की सेना आईडीएफ ने बताया कि एयर स्ट्राइक के बाद लेबनान की तरफ से 35 रॉकेट दागी गई हैं. हालांकि, इस हमले में इजरायल को कितना नुकसान हुआ है... इसके बारे में जानकारी नहीं मिली है.

ईरान की सेना संचार उपकरणों का इस्तेमाल नहीं करेगी

लेबनान में इजरायल के एयर स्ट्राइक के बीच ईरान ने अपनी सेना रिवोल्यशूनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के सदस्यों को किसी भी तरह के कम्युनिकेशन डिवाइस का इस्तेमाल न करने को कहा है. न्यूज एजेंसी 'रॉयटर्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, आईआरजीसी अपने सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच भी कर रही है, ताकि किसी हमले से बचा जा सके.

शिया धर्मगुरु ने की इजरायल की बर्बरता को रोकने की अपील

लेबनान में इजराइल के हमलों के बीच इराक में शिया इस्लाम के सर्वोच्च गुरु ग्रैंड अयातुल्ला अली सिस्तानी ने इजरायली 'आक्रामकता' और 'बर्बरता' खत्म करने की अपील की. सिस्तानी ने कहा कि इजरायली सेना ने हिज्बुल्लाह आंदोलन को निशाना बनाया है. इस बर्बर आक्रामकता को खत्म करने और लेबनानी लोगों की रक्षा के लिए हमें हर संभव कोशिश करनी होगी.

लेबनान के नागरिकों को फोन पर भेजी थी वॉर्निंग

लेबनान के ऑफिशियल मीडिया के मुताबिक, एयर स्ट्राइक से पहले इजरायल ने लेबनान के लोगों के मोबाइल नंबर पर अलर्ट भेजा था. लोगों को जगह खाली करने को कहा गया था. इसके कुछ देर बाद ही हवाई हमले किए गए. इजरायल की तरफ से मैसेज दिया गया कि हम लेबनान के नागरिकों को सलाह देते हैं कि वे अपनी हिफाजत के लिए खतरे वाले इलाके से तुरंत दूर चले जाएं. इजरायली सेना हिज्बुल्लाह के खिलाफ घातक हमले करने जा रही है. लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी ने कहा कि बेरुत और अन्य इलाकों में लोगों को लैंडलाइन टेलीफोन पर वॉर्निंग कॉल आई थी. ये एक रिकॉर्डेड मैसेज था, जो इजरायल की तरफ से भेजा गया था. दुश्मन देश ने एक तरह से साइकोलॉजिकल वॉर शुरू कर दी है. बेरुत के रहने वाले नागरिक खालिद ने बताया कि मुझे मोबाइल पर टेक्स्ट मैसेज आया था.

गाजा युद्ध में इजरायल के खिलाफ है हिज्बुल्लाह : दरअसल, इजरायल की मिलिट्री ने लेबनान के लोगों को अलर्ट भेजा था कि हिज्बुल्लाह के ठिकानों के आसपास के इलाकों से दूर हट जाएं और किसी महफूज जगह चले जाएं. क्योंकि, इजरायल जल्द बड़े स्तर पर आर्मी ऑपरेशन को अंजाम देने वाला है. गाजा में करीब एक साल से जारी जंग के बीच इजरायली मिलिट्री की तरफ से लेबनान के लोगों के लिए ये पहली ऑफिशियल वॉर्निंग थी. ये घटनाक्रम इजरायल-लेबनान सीमा पर चल रहे संघर्ष के नवीनतम विस्तार को दर्शाते हैं.

अब वह मोदी नहीं बचा, जिसकी 56 इंच की छाती थी: राहुल गांधी

- जेएंडके की चुनावी रैली में कहा - हमने मोहब्बत से नफरत को हराया

एजेंसियां। पुंछ

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ में बड़ी चुनावी रैली की. इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी पर उन्होंने सीधा हमला बोला और कहा कि अब वह बदल चुके हैं. राहुल गांधी ने कहा कि आज वह नरेंद्र मोदी नहीं रह गए हैं, जो पहले हुआ करते थे. हमने उनको मनोवैज्ञानिक तौर पर खत्म कर दिया है. अब वह मोदी नहीं बचा है, जिसे आप लोग पहले देखा करते थे. उन्होंने कहा, जो पहले नरेंद्र मोदी थे, 56 इंच की छाती वाले. आपको उनका चेहरा दूर से दिखता है, मैं तो संसद में सामने रहता हूं. साफ दिखता है कि पहले जो नरेंद्र मोदी थे, आज वह नहीं बचा है. आज विपक्ष जो करवाना चाहता है, हम वह करवा लेते हैं. वे कोई कानून लाते हैं, तो हम उनके सामने खड़े हो जाते हैं और फिर वे नया कानून लाते हैं. राहुल ने कहा कि इलेक्शन के दौरान नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं तो बायोलॉजिकल नहीं हूं. मेरी सीधा कनेक्शन ऊपर है. मैं तो सीधे भगवान से बात करता हूं. लेकिन अब इंडिया गठबंधन ने नरेंद्र मोदी को मनोवैज्ञानिक रूप से तोड़ दिया है. लोकसभा में नेता विपक्ष ने कहा, हमने यह काम नफरत से नहीं बल्कि मोहब्बत से किया है. हमने मोहब्बत के जरिए नफरत को हराया है.

हम दिलाएंगे आपको स्टेटहुड : उन्होंने कहा कि ऐसा बहुत बार हुआ है कि यूनियन टेरिटरी को राज्य बनाया गया. कई बार राज्यों का बंटवारा हुआ और एक से दो राज्य बने. मगर ऐसा पहली बार हुआ कि एक राज्य को यूनियन टेरिटरी बनाया गया. आप का जो हक है, वह आप से छीना गया है. भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है. एक स्टेट से कहा गया कि आप अब राज्य नहीं रहेंगे, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश होंगे. राहुल गांधी ने कहा, अगर ये (मोदी सरकार) आपको स्टेटहुड वापस नहीं देंगे तो ये मेरी गारंटी है, हम आपको स्टेटहुड वापस ला कर देंगे. हिन्दुस्तान के इतिहास में किसी राज्य को यूटी में नहीं बदला गया था. पहली बार स्टेट को यूटी में बदलकर आपका हक छीना गया है.

सिर्फ नफरत फैलाते हैं मोदी व भाजपा के लोग

राहुल ने कहा, जहां भी प्रधानमंत्री और भाजपा के लोग जाते हैं, वे सिर्फ नफरत फैलाते हैं. नफरत का जवाब नफरत से नहीं, मोहब्बत से दिया जाता है. नफरत को मोहब्बत ही काट सकती है. ये आपका इतिहास है और आपका कल्चर है. राहुल ने कहा, जहां भी भाजपा के लोगों ने नफरत का बाजार खोला था, उसके अंदर जाकर हमने मोहब्बत की दुकान खोली है. राहुल ने कहा, ये (पीएम मोदी) मन की बात करते हैं, लेकिन काम की बातें करनी इन्हें नहीं आती हैं. ये मन की बात करते रहते हैं, लेकिन उनके मन की बात सुनने वाला कोई नहीं है.

तमिलनाडु के राज्यपाल बोले-भारत में धर्मनिरपेक्षता की कोई आवश्यकता नहीं

- कांग्रेस नेता मणिकम ने बयान को बताया संविधान के साथ गांधी, अंबेडकर, नेहरू व पटेल के भारत के विचार के भी खिलाफ

एजेंसी। चेन्नई

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने रविवार को कथित तौर पर कहा था कि भारत में धर्मनिरपेक्षता की कोई आवश्यकता नहीं है. उनके इस बयान पर सोमवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विरुधुनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद मणिकम टैगोर ने आलोचना की है.

कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि धर्मनिरपेक्षता पर तमिलनाडु के राज्यपाल का बयान अस्वीकार्य है. यह भारत के संविधान और महात्मा गांधी, बाबासाहेब अंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल के भारत के विचार के भी खिलाफ है. उन्होंने कहा कि विदेशों में धर्मनिरपेक्षता का विचार भले ही अलग हो, लेकिन भारत में हम सभी अन्य धर्मों का सम्मान करते हैं, हम सभी अन्य परंपराओं का सम्मान करते हैं. हम सभी अन्य प्रथाओं का सम्मान करते हैं और यही भारत में धर्मनिरपेक्षता का विचार है. भाजपा और अन्य संबद्ध संगठन भारत में धर्मनिरपेक्षता के इस विचार के खिलाफ हैं.

क्या कहा था राज्यपाल रवि ने

रवि ने रविवार को कन्याकुमारी में एक समारोह में कहा था कि इस देश के लोगों के साथ बहुत धोखाधड़ी हुई है और उनमें से एक यह है कि उन्होंने धर्मनिरपेक्षता की गलत व्याख्या करने की कोशिश की है. राज्यपाल ने कहा था, "धर्मनिरपेक्षता का क्या मतलब है? धर्मनिरपेक्षता एक यूरोपीय अवधारणा (कॉन्सेप्ट) है. यह भारतीय अवधारणा नहीं है. यूरोप में, धर्मनिरपेक्षता इसलिए आई क्योंकि चर्च और राजा के बीच लड़ाई हुई थी... भारत 'धर्म' से दूर कैसे हो सकता है? धर्मनिरपेक्षता एक यूरोपीय अवधारणा है और इसे वहीं रहने दें. भारत में, धर्मनिरपेक्षता की आवश्यकता नहीं है.

पीएम मोदी ने गाजा संकट पर जताई गहरी चिंता

- राष्ट्रपति अब्बास से मुलाकात में इजरायल-फिलिस्तीन के मुद्दे पर भारत की समय-परीक्षित सैद्धांतिक स्थिति को दोहराया

एजेंसी। न्यूयॉर्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूयॉर्क में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास के साथ द्विपक्षीय मुलाकात की. पीएम ने अब्बास के साथ बैठक के दौरान गाजा में उभर रहे मानवीय संकट और क्षेत्र में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है. पीएम मोदी ने फिलिस्तीन के लोगों को निरंतर मानवीय सहायता समेत भारत के अटूट समर्थन की भी पुष्टि की. उन्होंने इजरायल-फिलिस्तीन के मुद्दे पर भारत की समय-परीक्षित सैद्धांतिक स्थिति को दोहराया. उन्होंने युद्ध विराम, बंधकों की रिहाई, बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया.

प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया कि केवल दो-राष्ट्र समाधान ही इस क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता प्रदान करेगा. उन्होंने याद दिलाया कि भारत फिलिस्तीन को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था. उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की सदस्यता के लिए भारत के निरंतर समर्थन की बात कही. दोनों नेताओं ने भारत-फिलिस्तीन द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन को भारत का समर्थन तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षमता निर्माण प्रयासों के क्षेत्र में फिलिस्तीन को जारी सहायता और समर्थन शामिल था. दोनों नेताओं ने भारत-फिलिस्तीन द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की.

पीएम मोदी की कुवैत के क्राउन प्रिंस के साथ अहम मुद्दों पर हुई बात

प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूयॉर्क में भारतीय लोगों को संबोधित करने के बाद कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा खालिद अल-हमद अल-सबाह से मुलाकात की. दोनों नेताओं ने भारत-कुवैत द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और ऐतिहासिक संबंधों तथा लोगों के बीच मजबूत संपर्क को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की. नेताओं ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि भारत-कुवैत ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा जरूरतों के संबंध में एक-दूसरे को सहयोग दे रहे हैं. विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों के पारस्परिक लाभ के लिए द्विपक्षीय संबंधों को गहरा और विविधतापूर्ण बनाने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की.

पुनर्जागरण के नए युग की शुरुआत श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने ली शपथ, कहा

भारत निश्चित रूप से हमारा अहम पड़ोसी होने के साथ एक महाशक्ति

एजेंसी। कोलंबो

अनुरा कुमारा दिसानायके ने सोमवार की सुबह श्रीलंका के नौवें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली. दिसानायके पर अब देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने और भ्रष्टाचार खत्म करने की बड़ी जिम्मेदारी है. देश के प्रधान न्यायाधीश जयंत जयसूर्या ने राष्ट्रपति सचिवालय में दिसानायके (55) को शपथ दिलाई.

पद की शपथ लेने के बाद दिसानायके ने कहा कि वे देश के भीतर पुनर्जागरण के नए युग की शुरुआत करने की हर संभव कोशिश करेंगे. श्रीलंका में राष्ट्रपति पद के लिए शनिवार को वोट डाले गए थे. रविवार को श्रीलंका में आए चुनाव परिणाम में जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) पार्टी के नेता और नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन के कैंडिडेट दिसानायके को विजेता घोषित किया गया. दिसानायके ने अपने करीबी प्रतिद्वंद्वी समागी जन बालवेगया (एसजेबी) के साजिथ प्रेमदासा को पराजित किया. यह देश में आर्थिक संकट के कारण 2022 में हुए व्यापक जन आंदोलन के बाद पहला चुनाव है. दिसानायके ने चुनाव जीतने के बाद पहली बार देश को संबोधित करते हुए जनादेश का सम्मान करने और शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण के लिए पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे का आभार जताया. दिसानायके और उनकी पार्टी का झुकाव चीन की तरफ माना जाता है, फिलहाल शुरुआती बयान भारत के पक्ष में देखने को मिले हैं. दिसानायके की पार्टी की तरफ से कहा गया है कि उनका देश किसी भी तरह के भूराजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में नहीं उलझेगा, इसके साथ ही वह अपने देश को दूसरे किसी देश के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होने देंगे. दिसानायके के प्रवक्ता बिमल रत्नायके ने एक बयान में कहा कि श्रीलंकाई क्षेत्र का इस्तेमाल किसी अन्य देश के खिलाफ नहीं किया जाएगा. एनपीपी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य प्रोफेसर अनिल जयंती ने कहा कि भारत निश्चित रूप से हमारा अहम पड़ोसी और महाशक्ति है. भारत का अपना एक महत्व है. हिंद महासागर में श्रीलंका की रणनीतिक स्थिति ने उसकी भूराजनीतिक प्रासंगिकता को बढ़ाया है.

श्रीलंका के विपक्ष ने क्या कहा

दिसानायके के शपथ ग्रहण से कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने ने देश में सत्ता हस्तांतरण के तहत अपने पद से इस्तीफा दे दिया. गुणवर्धने (75) जुलाई 2022 से इस श्रीलंका के प्रधानमंत्री पद पर काबिज थे. गुणवर्धने ने दिसानायके को संबोधित कर लिखे पत्र में कहा कि वह नया राष्ट्रपति निर्वाचित होने के कारण पद से इस्तीफा दे रहे हैं और वह नए मंत्रिमंडल के गठन के अनुकूल माहौल बनाएंगे. चुनाव के दौरान दिसानायके के भ्रष्टाचार विरोधी संदेश और राजनीतिक संस्कृति बदलने के वादे ने युवा मतदाताओं को आकर्षित किया, जो आर्थिक संकट के बाद से राजनीतिक व्यवस्था बदलने की मांग करते रहे हैं.

ऑस्ट्रेलिया सरकार गाजा के लिए देगी अतिरिक्त मानवीय सहायता

- सरकार ने की 6.8 मिलियन यूएस डॉलर और देने की घोषणा

एजेंसी। कैनबरा

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने गाजा के लिए अतिरिक्त मानवीय सहायता की घोषणा की है. विदेश मंत्री पेनी वोंग और इंटरनेशनल डेवलपमेंट एंड पैसिफिक मंत्री पैट कॉनरॉय ने सोमवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया गाजा में चल रहे मानवीय संकट के जवाब में अतिरिक्त 10 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (6.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर) प्रदान करेगा.

मंत्रियों ने एक संयुक्त वक्तव्य में कहा कि यह धनराशि यूनिसेफ और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) को दी जाएगी. इसमें महिलाओं और लड़कियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए न्यूट्रिशन सपोर्ट और हाइजीन एंड डिग्निटी किट सहित जीवन रक्षक मदद प्रदान की जाएगी. वोंग ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की मदद पोषण और स्वच्छता एवं स्वास्थ्य उत्पादों की आपूर्ति के जरिए गंभीर मानवीय स्थिति से निपटने में मदद करेगी. विदेश मंत्री ने कहा कि नागरिकों तक जल्द, सुरक्षित और बिना रुकावट मानवीय राहत पहुंचनी चाहिए. सहायता कर्मियों को सुरक्षा मिलनी चाहिए ताकि वे अपना काम जारी रख सके. वोंग ने आगे कहा कि हम युद्ध विराम, नागरिकों की सुरक्षा और बंधकों की रिहाई के लिए दबाव बनाना जारी रखेंगे.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)